@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 26 अक्टूबर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 353 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मथुरा में आदिवासियों के नाम पर करोड़ों की टैक्स चोरी

मथुरा (एजेंसी)। आयकर विभाग ने आदिवासियों के नाम पर फर्में बनाकर की जा रही करोड़ों रुपये की कर चोरी का खुलासा किया है, जो वित्तीय वर्ष 2024-25 के कर असेसमेंट के दौरान सामने आया। इसमें 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कर चोरी होने की आशंका जताई जा रही है। त्रिपुरा की एक युवती के नाम पर 12 करोड़ रुपये से अधिक की व्यावसायिक आय दर्ज हुई। इसी से यह खेल उजागर हुआ। आयकर अधिनियम की धारा 10(26) की आड़ में यह खेल चल रहा था। विभाग की फेसलेस असेसमेंट



व्यवस्था के तहत एक फाइल मथुरा कार्यालय पहुंची थी। दस्तावेज की जांच में त्रिपुरा निवासी 20 साल की युवती के नाम पर 12 करोड़ रुपये से अधिक की आय मिली। वह तीन कंपनियों की मालिक भी थी। इस मामले के सामने आने के बाद विभाग ने पड़ताल शुरू की। जांच में पता चला कि इस काम में एक पूरा सिंडीकेट शामिल है। कई और कंपनियों के शामिल होने से कर चोरी का यह आंकड़ा 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक पहुंच सकता है। फर्मों की बैलेंस शीट की जांच में बड़े विरोधाभास सामने आए। पूर्वोत्तर के जनजातीय युवाओं के पैन और बैंक विवरण का उपयोग किया जाता है। उनके नाम पर फर्में बनाई जाती हैं। इन फर्मों को बड़ी कंपनियों का वेंडर दिखाया जाता है। टावर रखरखाव, तकनीकी सेवाओं और मैनपावर सप्लाई के नाम पर बिलिंग की जाती है।

हवा में जहर: प्रदूषण के खिलाफ कार्रवाई सुस्त

कहीं घंटों जाम में फंसे वाहन तो कहीं धूल उड़ाते निर्माण स्थल

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रदूषण बढ़ने के कई कारण हैं। कहीं फ्लाईओवर पर वाहनों की कतारें हैं, कहीं निर्माण स्थलों पर धूल रोकने के इंतजाम कम है, तो कहीं टूटी सड़कों पर जमा मिट्टी और मलबा से धूल हवा में घुल रहा है। दिल्ली में प्रदूषण के स्त्रोतों की पड़ताल के दौरान अलग-अलग इलाकों में ऐसी ही स्थितियां सामने आईं। प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए बनाए गए नियम जमीन पर कितने प्रभावी हैं और उनकी निगरानी कितनी सख्त है, इसी की पड़ताल की गई। कहीं निर्माण, कहीं धूल और मलबा : मथुरा रोड से जसोला



अपोलो जाने वाले मार्ग पर दो सीएनजी पंपों के निर्माण का काम जारी है। इसके चारों ओर किसी तरह का घेराव नहीं था। वहीं, मथुरा रोड पर कई जगह निर्माण कार्य होता दिखाई दिया। शादीपुर से करोल बाग तक कुछ ही किलोमीटर के रास्ते में 8 से अधिक निर्माण स्थल मिले। इनमें कुछ जगहों पर निर्माण संबंधी नियमों की अनदेखी नजर आई। निर्माण कार्य के दौरान कई स्थल पर घेराबंदी थी, लेकिन उसके अंदर बिना ढके हुए रेत का ढेर भी नजर आ रहा था। ओखला अंडरपास के पास टूटी सड़क पर मिट्टी और मलबा जमा मिला। वाहनों की आवाजाही से इस जगह भारी धूल उड़ती दिखी। कालिंदी कुंज और ओखला बैराज के पास यमुना नदी की सतह पर एक बार फिर से जहरीले सफेद झाग की मोटी परत दिखाई दी है। इसके अलावा नदी के तट पर कूड़े के ढेर दिखे। पानी में झाग के साथ-साथ काई और कूड़ा भी तैरता दिखा।दिल्ली में प्रदूषण का असर कई इलाकों में दिख रहा है। आज केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने सुबह 8 बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 190 दर्ज किया। इस तरह बीते दिन राजधानी की हवा मध्यम श्रेणी में पहुंच गई। शुक्रवार सुबह सात बजे एक्यूआई 223 था, जो खराब श्रेणी में दर्ज किया गया था। इस तरह एक दिन में सूचकांक में 33 अंकों का सुधार हुआ। शहर के कई इलाकों में हवा अब भी खराब श्रेणी में बनी हुई है। 21 प्रदूषण निगरानी केंद्रों पर एक्यूआई खराब श्रेणी में नजर आया। नरेला में सबसे अधिक 293 एक्यूआई रहा, जबकि जहांगीरपुरी में 285 और मुंडका में 277 दर्ज किया गया।

सीटीआई की अपील को राहुल गांधी ने ठुकराया

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली वोट बचाओ, देश बचाओ जन मार्च और महारैली में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने छात्रों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और व्यापारियों समेत लोकतंत्र की चिंता करने वाले सभी लोगों से इस कार्यक्रम में पहुंचने को कहा है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची से लोगों के नाम हटाए जा रहे हैं और नियम-कानूनों का उल्लंघन हो रहा है। उन्होंने कहा कि वोट के अधिकार की रक्षा के लिए लोगों को एकजुट होकर आवाज उठानी चाहिए। हालांकि राहुल गांधी या कांग्रेस ने सीटीआई के उस पत्र का कोई जिक्र नहीं किया जिसमें उनसे रैली को आगे बढ़ाने की अपील की गई थी। राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट के जरिए अपनी बात रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों के वोट चोरी किए जा रहे हैं और इस पर सवाल उठाने वालों के खिलाफ बल प्रयोग किया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मतदाता सूची से



नाम हटाए गए हैं और नियमों व कानूनों को ताक पर रखा गया है। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, 'हमारे वोट चोरी किए जा रहे हैं और हम किसी भी कीमत पर चुपचाप यह सब बर्दाश्त नहीं करेंगे'। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि अब देश की जनता इसका जवाब देगी।
राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में भाजपा और उसके सहयोगी दलों पर भी निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि वह भाजपा और उसके सहयोगियों का दिल से धन्यवाद करते हैं, क्योंकि वे इस कार्यक्रम का जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं और इसे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने आगे चुटकी लेते हुए कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी अगले सात दिनों तक भी इसी उत्साह और लगन से प्रचार करते रहें।

समर्थकों का उत्साह देख पीएम मोदी ने रुकवाई कार, हाथ हिलाकर किया अभिवादन

उमड़ी हजारों लोगों की भीड़; योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी रहीं साथ

वाराणसी(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को काशी में आयोजित तीन दिवसीय एयर शो में शामिल होने के लिए सड़क मार्ग से नमो घाट पहुंचे। इस दौरान उनके स्वागत के लिए रास्ते में जगह-जगह लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। पुलिस लाइन से नमो घाट तक सड़क के दोनों ओर लोग प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए खड़े रहे। भदऊचुंगी के पास समर्थकों और स्थानीय नागरिकों का विशेष उत्साह देखने को मिला। यहां बड़ी संख्या में लोग प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए मौजूद थे। लोगों का उत्साह देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी कार रुकवाई और बाहर निकलकर हाथ हिलाते हुए उनका अभिवादन किया। प्रधानमंत्री को अपने बीच देखकर लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई और पूरा माहौल नारों से गूंज उठा। प्रधानमंत्री के काफिले के पहुंचने से पहले ही



सड़क के दोनों ओर लोग एकत्र होने लगे थे। जैसे ही प्रधानमंत्री का काफिला भदऊचुंगी के पास पहुंचा, वहां मौजूद लोगों ने उत्साह के साथ उनका स्वागत किया। समर्थक प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए उत्सुक नजर आए। लोगों ने हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया और हर-हर महादेव के जयकारे लगाए। इस दौरान ह्यविश्वनाथ की नगरी में मोदी जी का स्वागत है के नारे भी सुनाई दिए। काशी की सड़कों पर प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए उमड़ा उत्साह देखते ही बना। लोगों का स्नेह और उत्साह देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी कार रुकवाई। उन्होंने बाहर निकलकर सड़क के दोनों ओर खड़े लोगों की तरफ हाथ हिलाया और उनका अभिवादन स्वीकार किया। प्रधानमंत्री को इस तरह अपने बीच देखकर समर्थकों की खुशी और बढ़ गई। लोग लगातार उनका स्वागत करते रहे और उनके काफिले के साथ मौजूद सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रधानमंत्री ने भी हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया।
इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी उनके साथ मौजूद रहीं।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत के दौरान काशी की सड़कों पर उत्सव जैसा माहौल दिखाई दिया।
भदऊचुंगी के पास सड़क के दोनों ओर खड़े लोगों ने नारे लगाकर प्रधानमंत्री का अभिनंदन किया। हर-हर महादेव और ह्यविश्वनाथ की नगरी में मोदी जी का स्वागत है जैसे नारों से माहौल गूंज उठा।

फ्रांस में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज, 1000 गिरफ्तार

फ्रांस (एजेंसी)। महंगाई, स्कूलों की बदहाली और पुलिस की सख्ती के खिलाफ शनिवार को लाखों लोग सड़कों पर उतर आए। पेरिस समेत कई शहरों में प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पेरिस में मार्च के अंत में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस छोड़ी। गृह मंत्रालय के मुताबिक, देशभर में करीब 1,000 लोगों को गिरफ्तार किया गया।सरकारी आकंड़ों के मुताबिक प्रदर्शनों में करीब 4 लाख लोग शामिल हुए। दूसरी तरफ ट्रेड यूनियनों ने 8 लाख लोगों के शामिल होने का दावा किया।सरकारी अनुमान के मुताबिक, पेरिस में करीब 1.10 लाख लोगों ने मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने महंगाई, सरकार की पुलिस व्यवस्था और स्कूलों में सुविधाओं की कमी के खिलाफ आवाज उठाई। उनके हाथों में ऐसे बैनर थे, जिन पर लिखा था- 'दमन से विद्रोह पैदा होता है' और 'प्रदर्शन करना हमारा अधिकार है' ।शुरूआत में प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा। इसमें छात्र, अभिभावक और बुजुर्ग भी शामिल



हुए। हालांकि, मार्च खत्म होने के दौरान कुछ नकाबपोश लोगों ने पुलिस पर पत्थर और कांच की बोतलें फेंकीं। कुछ जगह कूड़ेदानों में आग लगाई गई और पुलिस की ओर पटाखे फेंके गए।इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस, वाटर कैनन और स्टन ग्रेनेड का इस्तेमाल किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों की भीड़ पर लाठीचार्ज भी किया।पेरिस के अलावा लियोन, लिली, मॉन्टपेलियर, नांत और टूलूज में भी प्रदर्शन हुए।
पुलिस ने इन शहरों में प्रदर्शनकारियों को मुख्य इलाकों तक पहुंचने से रोकने के लिए आंसू गैस छोड़ी। मार्सेई में भी पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं। रिपोर्ट के मुताबिक, क्लेरमों-फेरां और टूलूज में कम से कम दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए।

स्वयंसेवकों का व्यवहार समाज के लिए बने अनुकरणीय, मोहन भागवत

जबलपुर(एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा है कि संघ की वास्तविक पहचान उसके स्वयंसेवकों के आचरण से ही होती है। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक का आचरण और व्यवहार ऐसा होना चाहिए, जो समाज के लिए पूरी तरह से अनुकरणीय बने।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. भागवत शनिवार को जबलपुर के नरसिंह मंदिर स्थित सरस्वती शिक्षा परिषद एवं विद्या भारती कार्यालय में आयोजित कार्यकर्ता मिलन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। लगभग एक घंटे तक चले



इस कार्यक्रम में उन्होंने मुख्य शिक्षक और उससे ऊपर के दायित्वों पर कार्यरत स्वयंसेवकों को संबोधित किया तथा मार्गदर्शन दिया।कार्यक्रम के दौरान डॉ. मोहन भागवत ने स्पष्ट रूप से कहा कि संघ न तो किसी कार्यालय से बनता है, न ही किसी शाखा या किसी समूह से। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक ही संघ का असली प्रतिनिधि होता है। स्वयंसेवक का व्यवहार और उसका आचरण ही समाज को संघ के बारे में सही संदेश और जानकारी देता है। सरसंघचालक ने कहा कि संघ में आने का भाव कभी भी कुछ पाने का नहीं होना चाहिए, बल्कि समाज को देने का होना चाहिए। डॉ. भागवत ने कहा कि स्वार्थ के लिए संघ में आने वाला व्यक्ति स्वयंसेवक के वास्तविक भाव को कभी नहीं समझ सकता।

बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवाती तूफान

बंगाल (एजेंसी)। खाड़ी में बना लो प्रेशर एरिया रविवार को चक्रवाती तूफान में बदल गया है। इसके असर से ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी में भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, चक्रवाती तूफान 28 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश के तट से टकरा सकता



है।इस दौरान हवा की रफ्तार 115 से 125 किमी प्रति घंटा तक पहुंचने का अनुमान है। आंध्र प्रदेश में 26 से 29 अक्टूबर तक भारी बारिश का अनुमान है। ओडिशा के गंजाम, गजपति, रायगढ़ा, कोरापुट और मलकानगिरी जिले में 28 और 29 अक्टूबर को सभी स्कूल-कॉलेज और आंगनवाड़ी केंद्र बंद करने के आदेश दिए गए हैं। पुडुचेरी में शनिवार रात से लगातार बारिश हो रही है। वहीं, तमिलनाडु में भारी बारिश के बीच इरोड जिले में रविवार को कोडिवेरी बांध पर लगातार दूसरे दिन पर्यटकों की एंट्री बंद रही। केरल में भी भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित है। मलप्पुरम, कोझिकोड और वायनाड में रेड अलर्ट है।

आतंकवाद को पालने वाले देशों पर कसे शिकंजा, युद्ध नहीं बातचीत से निकलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आतंकवाद और दुनिया में चल रहे संघर्षों को लेकर कड़ा संदेश दिया है। दिल्ली में आयोजित ह्यचिन्मय अमृत महोत्सव ग्लोबल सम्मेलनह्ल में उन्होंने कहा कि आतंकवाद शांति के लिए बड़ा खतरा है और इसे किसी भी हाल में राज्य की नीति का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता। दुनिया के सभी देशों को आतंकवाद के हर रूप के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा होना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया के किसी भी हिस्से में होने वाला युद्ध पूरी दुनिया की शांति को प्रभावित करता है। मौजूदा समय में चल रहे दो बड़े संघर्षों के बीच भारत का स्पष्ट मत है कि बातचीत और कूटनीति के जरिए ही विवादों का समाधान निकाला जा सकता है। आतंकवाद पर दुनिया को एकजुट होने की जरूरतजयशंकर ने कहा कि आतंकवाद को किसी भी परिस्थिति में सही नहीं ठहराया जा सकता। इसके पीछे कोई तर्क या बहाना स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। इसके बावजूद आतंकवादी गतिविधियां जारी हैं, क्योंकि कुछ देश इस मुद्दे पर सख्त रुख अपनाने के बजाय अपने राजनीतिक हितों को ज्यादा महत्व देते हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास में आतंकवाद के खतरों से जुड़े कई सबक मिल चुके हैं, लेकिन इसके बाद भी कुछ देश अपने फायदे के हिसाब से फैसले लेते हैं। विदेश मंत्री ने जोर देकर कहा



> आतंकवाद शांति के लिए बहुत बड़ा खतरा है और इसे किसी भी हाल में देश की नीति का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता। दुनिया के सभी देशों को आतंकवाद के हर रूप के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा होना होगा।
>
> *एस. जयशंकर, विदेश मंत्री*

कि अब समय आ गया है कि दुनिया आतंकवाद के खिलाफ ज्यादा मजबूत इच्छाशक्ति दिखाए। सभी देशों को मिलकर इसके हर रूप और तरीके का मुकाबला करना चाहिए। आतंकवाद के प्रति किसी भी तरह की नरमी वैश्विक शांति के प्रयासों को कमजोर करती है। सम्मेलन में जयशंकर ने दुनिया के देशों के बीच आपसी सहयोग और प्रतिस्पर्धा के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मानव समाज में हमेशा दो तरह की सोच रही है। एक सोच प्रतिस्पर्धा को महत्व देती है, जबकि दूसरी सहयोग को बेहतर रास्ता मानती है। यही सोच देशों के आपसी रिश्तों और उनके व्यवहार में भी दिखाई देती है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का जिक्र करते हुए कहा कि करीब आठ दशक पहले दुनिया ने मिलकर एक ऐसी व्यवस्था बनाने की कोशिश की थी, जहां देश साझा लक्ष्यों को हासिल करने के लिए एक-दूसरे का सहयोग कर सकें। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 1 में भी इसी भावना को जगह दी गई है।
जयशंकर ने कहा कि दुनिया में शांति, विकास और समृद्धि के बीच गहरा संबंध है। संघर्ष और हिंसा किसी भी समाज की तरक्की में बाधा बनते हैं।
दुनिया के एक हिस्से का समृद्ध होना और दूसरे हिस्से का बुनियादी सुविधाओं से वंचित रहना लंबे समय तक संभव नहीं है। इसलिए देशों को अपने हितों के साथ-साथ पूरी दुनिया की जरूरतों को भी समझना होगा।
उन्होंने साफ किया कि स्थायी शांति के लिए आपसी सहयोग, बातचीत और कूटनीति को प्राथमिकता देना जरूरी है। युद्ध और आतंकवाद से किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल सकता।

रात की बारिश से बदला राजधानी का मौसम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में शनिवार देर रात बारिश, गरज-चमक और तेज हवाओं के बाद रविवार तड़के राजधानी के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हुई। इससे मौसम में ठंडक बढ़ गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, आज यानी रविवार को अधिकतम तापमान 31 से 33 और न्यूनतम तापमान 17 से 19 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। अगले दो दिनों में तापमान में और गिरावट आने से ठंडक बढ़ सकती है। इस दौरान हवा की गति 10 से 15 किलोमीटर प्रति घंटा तक रहने की संभावना है।

दिल्ली में बदला मौसम का मिजाज

● रात की बारिश से बढ़ी ठंडक ● हवा की रफ्तार बढ़ने से सुधरी फिजा



शनिवार को सफदरजंग मौसम केंद्र पर अधिकतम तापमान 32.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 18.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दोनों ही सामान्य से 1.1 डिग्री सेल्सियस अधिक रहे। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तरी पाकिस्तान और आसपास के क्षेत्रों में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। इसके प्रभाव से पश्चिमी राजस्थान में चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। इसके चलते दिल्ली और आसपास के इलाकों में हल्के बादल छाए रहने और हवा की गति बढ़ने की संभावना है। मौसम में इस बदलाव से दिन और रात के तापमान में गिरावट आ सकती है। मौसम में बदलाव के बीच दिल्ली को प्रदूषण से भी कुछ राहत मिली है। तीन दिन बाद शनिवार को राजधानी का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 200 से नीचे आकर मध्यम श्रेणी में दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, शनिवार को दिल्ली का औसत एक्यूआई 191 रहा, जबकि शुक्रवार को यह 230 था। इस तरह 24 घंटे में सूचकांक में 39 अंकों का सुधार दर्ज किया गया। हालांकि, राहत के बावजूद प्रदूषण की चुनौती बरकरार है। दिल्ली के 22 निगरानी केंद्रों पर एक्यूआई खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। पीएम 2.5 का स्तर 94.41 और पीएम 10 का स्तर 211.89 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा।
हवा की गति बढ़ने से प्रदूषक कणों के बिखराव में मदद मिल सकती है, लेकिन प्रदूषण का स्तर आने वाले दिनों में कितना बदलेगा, यह मौसम और प्रदूषण के स्रोतों पर निर्भर करेगा।

जन्मदिन पार्टी में हुई बेइज्जती का बदला लेने के लिए युवक की हत्या, चार नाबालिग पकड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। जन्मदिन की पार्टी में हुई बेइज्जती और मारपीट का बदला लेने के लिए चार नाबालिगों ने युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। वारदात बाहरी उत्तरी जिले के सिरसपुर स्थित जीवन पार्क इलाके की है। मृतक की पहचान विशाल (25) के रूप में हुई है। पुलिस ने हत्या के मामले में चारों नाबालिगों को पकड़ा है। सभी की उम्र 17 साल है और वे स्कूल छोड़ चुके हैं। पुलिस ने इनके पास से वारदात में इस्तेमाल दो चाकू और घटना के समय पहने गए कपड़े बरामद किए हैं। पुलिस ने 100 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगालकर वारदात के 12 घंटे के भीतर ब्लाइंड मर्डर केस सुलझाने का दावा किया है। पुलिस के मुताबिक 23 अक्टूबर की रात समयपुर बादली थाने को पीसीआर कॉल मिली थी। इसमें बताया गया कि सिरसपुर के जीवन पार्क में गली नंबर-16 स्थित संडे बाजार चौक के पास चार से पांच हमलावरों ने एक युवक को चाकू मार दिया है। पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां खून के निशान मिले। स्थानीय लोगों से पूछताछ में पता चला कि विशाल नाम के युवक पर कई लोगों ने हमला किया है। उसे पहले ही डॉ. बीएसए अस्पताल पहुंचाया जा चुका था। अस्पताल में डॉक्टरों की रिपोर्ट में विशाल के बाएं कूल्हे, छाती के दोनों तरफ और पेट पर चाकू से कई वार किए जाने की पुष्टि हुई। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने हत्या के आरोप में दर्ज मामले में संबंधित कानूनी धाराएं बदलकर जांच शुरू की। मामले में आरोपियों की पहचान नहीं होने के कारण पुलिस के सामने चुनौती थी। जांच टीम ने जीवन पार्क की संकरी गलियों और आसपास के इलाकों में लगे 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में चार लोग वारदात के बाद भागते हुए दिखाई दिए। आरोपियों का पहले कोई आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने नहीं आया था, जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल हो रहा था। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के साथ स्थानीय लोगों से पूछताछ और खुफिया जानकारी के आधार पर संदिग्धों की पहचान की। इसके बाद सिरसपुर इलाके में तलाशी अभियान चलाकर चारों नाबालिगों को पकड़ लिया गया। पुलिस के मुताबिक, यह कार्रवाई वारदात के 12 घंटे के भीतर की गई।

केवाईसी अपडेट करने के नाम पर लोगों को ठगने वाले गिरफ्तार, पुलिस ने चार दिन तक झारखंड में चलाया ऑपरेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। शाहदरा जिला साइबर पुलिस ने बैंक अधिकारी बनकर क्रेडिट कार्ड केवाईसी अपडेट करने के बहाने कई लोगों को ठगने वाले जामताड़ा के अंतरराज्यीय साइबर सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया। इनमें से ज्यादातर बुजुर्गों को निशाना बनाया जाता था। पुलिस ने झारखंड के धनबाद में चार दिनों तक चले ऑपरेशन के बाद एक बीटेक ग्रेजुएट समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान जामताड़ा के बोरवा गांव निवासी 24 वर्षीय आफताब अंसारी और 23 वर्षीय अब्दुल मजीद के रूप में हुई। गिरोह 50 से ज्यादा लोगों से ठगी कर चुका है। डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया, पीड़ित तरनजीत सिंह ने शिकायत दी थी कि अज्ञात ठगों ने बैंक का अधिकारी बनकर केवाईसी अपडेट के नाम पर उनके क्रेडिट कार्ड की जानकारी ली। इसके बाद उनके कार्ड से जियोमार्ट के जरिए 1 लाख 40 हजार रुपये का मोबाइल खरीदा गया, जिसकी डिलीवरी धनबाद के झरिया इलाके में हुई थी। पुलिस ने डिलीवरी ब्वॉय की मदद से नकली मोबाइल डिलीवरी का जाल बिछाया और दोनों को गिरफ्तार कर लिया। बीटेक पास आफताब और उसके साथी फेसबुक पर केवाईसी अपडेट के फर्जी विज्ञापन चलाते थे। वे पीड़ितों से उनका क्रेडिट कार्ड और सीवीवी कैमरे पर दिखवाते थे और स्क्रीन शेयरिंग कराकर ओटीपी चोरी कर लेते थे।

दिल्ली के सभी गांवों का व्यापक विकास करेगी सरकार : सीएम

-बाहरी दिल्ली के खेरा कलां गांव में मन की बात कार्यक्रम सुनने पहुंचीं सीएम ने स्थानीय लोगों से की बात

-नरेला विधानसभा क्षेत्र में 400 करोड़ की विकास परियोजनाएं शुरू हो चुकी, अन्य क्षेत्रों का भी होगा विकास



नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम का 139वां एपिसोड सुनने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को बाहरी दिल्ली के खेरा कलां में पार्षद कार्यालय पर पहुंचीं। कार्यक्रम के बाद उन्होंने स्थानीय लोगों से बात की। सीएम ने कहा कि बीते डेढ़ साल में दिल्ली के गांवों में बड़े स्तर पर विकास कार्य शुरू कराए गए हैं। दिल्ली सरकार राजधानी के सभी गांवों का व्यापक विकास कराएगी, इसके लिए योजनाएं तैयार की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में खराब सड़कें, अपर्याप्त बस सेवाएं, स्ट्रीट लाइट, सामुदायिक भवन, सीवरेज और पानी की पाइप लाइनों की समस्याएं लंबे समय से अनसुलझी थीं। अब इनके समाधान के लिए तेजी से काम चल रहा है। सरकार की प्राथमिकता गांवों को शहरी क्षेत्रों के बराबर बेहतर सुविधाएं और मजबूत बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराना है। सीएम ने बताया कि नरेला विधानसभा क्षेत्र में 400 करोड़ रुपये से ज्यादा की विकास परियोजनाएं शुरू की गई हैं। विकास प्रक्रिया में दिल्ली का कोई भी इलाका पीछे नहीं छूटेगा। सरकार का मकसद राजधानी में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करने के साथ-साथ ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के बीच सुविधाओं के अंतर को कम करना है। दिल्ली के बकाया 48 गांवों को भी शहरीकृत कर दिया गया है।

दिल्ली के सरकारी स्कूलों में मेडिकल रूम : हर स्कूल में तैनात होगा स्वास्थ्यकर्मी, सालाना खर्च होंगे 48.87 करोड

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार शिक्षा निदेशालय के अंतर्गत आने वाले सभी 1,086 सरकारी स्कूलों में प्राथमिक उपचार की सुविधा उपलब्ध कराएगी। इसके लिए अनुमानित 48.87 करोड़ रुपये सालाना खर्च किए जाएंगे। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने रविवार को यह जानकारी दी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रस्तावित सुविधाओं के तहत स्कूल समय में विद्यार्थियों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक स्कूल में सहायक नर्स मिडवाइफ (एएनएम) या बहुउद्देशीय स्वास्थ्यकर्मी जैसे प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी की तैनाती की जाएगी। इन मेडिकल रूम में घावों की ड्रेसिंग, ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन (ओआरएस) देना और निगरानी में अस्थायी रूप से आराम करने जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। हालांकि, यहां जांच संबंधी सेवाएं नहीं दी जाएंगी और न ही दवाएं लिखी जाएंगी। इस पहल का उद्देश्य स्कूल के समय में विद्यार्थियों को लगने वाली मामूली चोटों, अचानक तबीयत खराब होने, थकान, चक्कर आने और अन्य अस्थायी शारीरिक परेशानियों से निपटना है। बयान के मुताबिक, इस योजना को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। शुरुआत उन स्कूलों से होगी, जहां इन सुविधाओं के लिए अलग कमरे उपलब्ध हैं। इसके बाद उन स्कूलों में व्यवस्था की जाएगी, जहां वैकल्पिक कमरों या पोर्टा केबिन की मदद से मेडिकल रूम बनाए जाएंगे। बयान में कहा गया है कि इन सुविधाओं के तहत छात्राओं को मासिक धर्म से जुड़ी स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के लिए एक निजी स्थान भी उपलब्ध कराया जाएगा। यह प्रस्ताव राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप है, जिसमें सुरक्षित, समावेशी और सहयोगपूर्ण शैक्षणिक माहौल तैयार करने की परिकल्पना की गई है। आशीष सूद ने कहा, 'हमारे सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाला हर बच्चा सुरक्षित और देखभाल वाले माहौल का हकदार है। जब कोई विद्यार्थी स्कूल के समय में बीमार पड़ता है या उसे चोट लगती है, तो अभिभावकों और शिक्षकों को यह भरोसा होना चाहिए कि स्कूल परिसर में ही तत्काल प्राथमिक उपचार और उचित देखभाल उपलब्ध है।'

'मन की बात' कार्यक्रम जनभागीदारी का सशक्त माध्यम: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को बाहरी दिल्ली के खेड़ा कलां स्थित म्युनिसिपल काउंसिलर कार्यालय में स्थानीय नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम 'मन की बात' की 139वीं कड़ी सुनी। कार्यक्रम के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को देश के लिए प्रेरणा, सकारात्मकता और जनभागीदारी का सशक्त माध्यम है।



मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सहज और सरल भाषा में देश के अलग-अलग हिस्सों में आम नागरिकों, सामाजिक संगठनों और विभिन्न समुदायों द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों को सामने लाते हैं। इससे न केवल इन प्रयासों को पहचान मिलती है, बल्कि अन्य लोगों को भी समाज और राष्ट्र के लिए कुछ बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है। 'मन की बात' के माध्यम से प्रधानमंत्री देश के 140 करोड़ नागरिकों को ऐसे प्रयासों से परिचित कराते हैं, जो समाज में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। इस अवसर पर सांसद योगेंद्र चांदोलिया, विधायक राज करण खत्री सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे समय से दिल्ली के गांवों में टूटी सड़कों, बस सेवाओं की कमी, स्ट्रीट लाइट, चौपाल, सीवर और पानी की पाइपलाइन जैसी बुनियादी समस्याएं अनदेखी रही थीं। अब इनके समाधान के लिए तेजी से काम हो रहा है। सरकार की प्राथमिकता गांवों को बेहतर सुविधाएं, मजबूत बुनियादी ढांचा और शहरों के समान विकास के अवसर देना है। पिछले एक वर्ष में विकास कार्यों को गति मिली है और इसका असर जमीन पर दिखने लगा है। उन्होंने बताया कि नरेला विधानसभा क्षेत्र में 400 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्य हुए हैं। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि भी जनता के संपर्क में रहकर स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासरत हैं। सड़कों, पेयजल और सीवर पाइपलाइन सहित अन्य विकास परियोजनाएं इसी दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह स्वयं गांव की बेटी हैं और ग्रामीण परिवारों की समस्याओं, अपेक्षाओं व भावनाओं को समझती हैं। सरकार का लक्ष्य गांवों की समस्याओं का चरणबद्ध समाधान कर वहां व्यवस्थित विकास सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के किसी भी क्षेत्र को विकास की दौड़ में पीछे नहीं रहने दिया जाएगा। सरकार का उद्देश्य है कि राजधानी के प्रत्येक हिस्से में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हो और गांवों तथा शहरी क्षेत्रों के बीच सुविधाओं की असमानता को दूर किया जाए। दिल्ली के शेष 48 गांवों को भी शहरीकृत किया गया है। सरकार का प्रयास है कि पूरी दिल्ली में विकास कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाए और प्रत्येक क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर सड़क, जलापूर्ति, सीवर, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं मिलें।

मुख्यमंत्री ने 'मन की बात' का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम के माध्यम से भारतीय संस्कृति, सामाजिक सरोकारों, विज्ञान, तकनीक, स्वास्थ्य, पर्यावरण और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर विचार साझा करते हैं। उन्होंने महर्षि वाल्मीकि के योगदान का जिक्र करते हुए नई पीढ़ी को महापुरुषों के विचारों और आदर्शों से परिचित कराने की आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों की ओर से प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए नागरिकों से अच्छे कार्यों को पहचानने, उनका समर्थन करने और दिल्ली को स्वच्छ व विकसित बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। उन्होंने नागरिकों को आगामी त्योहारों की शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि जनप्रतिनिधियों, प्रशासन और नागरिकों के सामूहिक प्रयासों से गांवों और शहरी क्षेत्रों में विकास को और गति मिलेगी।

जामिया में तनाव, कई छात्र हिरासत में

-छात्र संघ चुनाव की मांग पर 15 दिनों से आंदोलन जारी, भूख हड़ताल पर बैठे विद्यार्थियों का प्रदर्शन तेज ; सोमवार से ऑनलाइन कक्षाओं के बहिष्कार का एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में छात्र संघ की बहाली और चुनाव कराने की मांग को लेकर जारी आंदोलन के बीच परिसर में तनाव बढ़ गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन के निर्देश पर प्रमुख प्रवेश द्वार बंद कर दिए गए हैं, जबकि गेट नंबर 4 और 7 के बाहर पुलिस बल तैनात है। प्रदर्शन में शामिल विद्यार्थियों और प्रशासन के बीच गतिरोध बरकरार है। इस बीच पुलिस ने गेट नंबर 7 के पास प्रदर्शन कर रहे 3 महिला छात्र नेताओं समेत 4 लोगों को हिरासत में लिया है। आंदोलनकारी विद्यार्थियों ने सोमवार से शुरू होने वाली ऑनलाइन कक्षाओं के बहिष्कार का भी एलान किया है।

विश्वविद्यालय परिसर में स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने प्रवेश द्वार बंद रखने के निर्देश दिए हैं। इसके कारण विद्यार्थियों को परिसर में प्रवेश करने में परेशानी हो रही है। गेट खोलने और अंदर जाने की अनुमति देने की मांग को लेकर कई बार हंगामे जैसी स्थिति बनी। पुलिस ने प्रवेश द्वार के आसपास जुटे विद्यार्थियों को हटाया और व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास किया। कुछ विद्यार्थियों ने पुलिस की रोक के बावजूद परिसर में प्रवेश करने की कोशिश की।



भूख हड़ताल पर बैठे विद्यार्थियों ने लगाए आरोप

छात्र संघ की बहाली की मांग को लेकर पिछले 14 से 15 दिनों से कई विद्यार्थी भूख हड़ताल पर बैठे हैं। आंदोलनकारी विद्यार्थियों ने आरोप लगाया है कि उन्हें पानी और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि भूख हड़ताल पर बैठे विद्यार्थियों को प्रदर्शन स्थल से हटाने का प्रयास किया जा रहा है।

विद्यार्थियों का कहना है कि विश्वविद्यालय प्रशासन उनकी मांगों पर स्पष्ट निर्णय लेने के बजाय आंदोलन को समाप्त कराने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, विद्यार्थियों की ओर से लगाए गए इन आरोपों पर प्रशासन का पक्ष सामने आना अभी बाकी है। आंदोलनकारी विद्यार्थियों ने अपनी मांगों को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन को एक बार फिर प्रस्ताव भेजा है। उनका कहना है कि जब तक मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

सोमवार से ऑनलाइन कक्षाओं के बहिष्कार का निर्णय

विश्वविद्यालय प्रशासन ने परिसर में उत्पन्न तनाव के बीच सोमवार से ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही पुस्तकालय, कैंटीन और अन्य सुविधाएं बंद किए जाने की जानकारी भी सामने आई है। विद्यार्थियों ने ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन के विरोध में उनका बहिष्कार करने का फैसला किया है।

इस संबंध में आंदोलनकारी विद्यार्थियों ने कुलपति को पत्र लिखकर अपना विरोध दर्ज कराया है। उनका कहना है कि परिसर बंद होने और ऑनलाइन पढ़ाई शुरू किए जाने से उनकी शैक्षणिक गतिविधियां प्रभावित होंगी।

विद्यार्थियों ने विशेष रूप से इब्न सीना पुस्तकालय के बंद रहने पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि पुस्तकालय देर रात तक खुला रहता है और अनेक विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं तथा अन्य शैक्षणिक कार्यों की तैयारी के लिए इसका उपयोग करते हैं। परिसर में प्रवेश पर रोक लगने से उनकी पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका है।

विद्यार्थियों ने छात्रावासों में रहने की व्यवस्था को लेकर भी चिंता व्यक्त की है। उनका दावा है कि कई कमरों में 7-7 विद्यार्थी रहते हैं। इसके अलावा, कुछ छात्राओं को मौखिक रूप से छात्रावास खाली करने के निर्देश दिए जाने का आरोप भी लगाया गया है। इन आरोपों पर विश्वविद्यालय प्रशासन की आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आना बाकी है।

छात्र संघ चुनाव समेत 3 प्रमुख मांगें

आंदोलनकारी विद्यार्थियों ने अपनी मांगों में छात्र संघ की बहाली, प्रदर्शनकारियों पर लगाए गए प्रतिबंधों और दंडात्मक कार्रवाइयों को वापस लेने तथा प्रॉक्टर के इस्तीफे को प्रमुखता से शामिल किया है। विद्यार्थियों का कहना है कि छात्र संघ चुनाव से संबंधित प्रक्रिया को लेकर प्रशासन की ओर से स्पष्ट समयसीमा घोषित नहीं की गई है। उनके अनुसार, छात्र संघ के संविधान को तैयार करने के लिए समिति गठित किए जाने के बावजूद चुनाव की तारीख को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। इसी अनिश्चितता के कारण विद्यार्थियों में असंतोष बढ़ रहा है।

डीएमआरसी 'अवॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस' से सम्मानित



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) को 'इनोवेशन और स्मार्ट मोबिलिटी सॉल्यूशंस में उत्कृष्टता' श्रेणी में प्रतिष्ठित 'अवॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस' से सम्मानित किया गया है। डीएमआरसी को यह सम्मान भुवनेश्वर में हुए 19वें 'अर्बन मोबिलिटी इंडिया कॉन्फ्रेंस एंड एक्सपो' में मिला है। डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ. विकास कुमार ने केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल के हाथों यह पुरस्कार प्राप्त किया। इस अवसर पर ओडिशा के आवास और शहरी विकास मंत्री डॉ. कृष्ण चंद्र महापात्र मौजूद रहे। यह जानकारी रविवार को एक विज्ञप्ति के जरिए दी गई है। दो दिवसीय (23-24 अक्टूबर) इस कॉन्फ्रेंस और एक्सपो में दुनिया भर से शहरी गतिशीलता (अर्बन मोबिलिटी) के विशेषज्ञ और पेशेवर शामिल हुए। यहां इस क्षेत्र के सतत विकास और प्रगति से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। डीएमआरसी ने हाल के वर्षों में इनोवेटिव स्मार्ट मोबिलिटी सॉल्यूशंस पर बड़े पैमाने पर काम किया है। इसके तहत डिजिटल टिकटिंग, प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस (संभावित खराबी का पहले से पता लगाना) में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग, और ग्राहकों की प्रतिक्रिया (कस्टमर रिस्पॉन्स) प्रबंधन जैसे कई क्षेत्रों में नई पहल की गई हैं।

दिवाली तक आंदोलन स्थगित करे कांग्रेस : हर्ष मल्होत्रा

-दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने 1 नवंबर की रैली पर जताया विरोध, व्यापारिक संगठनों की चिंता और 1984 के सिख नरसंहार की स्मृति का दिया हवाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर राजनीतिक आंदोलनों के माध्यम से देश के व्यापारिक माहौल को प्रभावित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से अपील की कि दिवाली और भाई दूज तक सभी राजनीतिक आंदोलन स्थगित किए जाएं। मल्होत्रा ने कहा कि दिवाली से ठीक पहले 1 नवंबर को दिल्ली में प्रस्तावित कांग्रेस की रैली को लेकर व्यापारिक संगठनों में चिंता है। उन्होंने दावा किया कि लगातार होने वाले राजनीतिक प्रदर्शनों से व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि जुलाई से दिल्ली और मुंबई में कांग्रेस तथा आम आदमी पार्टी की ओर से अलग-अलग दिनों में आंदोलन किए जाने से व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित होने की आशंका बढ़ी है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों के बीच राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई चल रही है, जिसका खामियाजा व्यापारिक समुदाय को भुगतना पड़ सकता है। हालांकि, विदेशी ताकतों से वित्तीय सहायता मिलने और व्यापार को नुकसान पहुंचाने की साजिश के संबंध में उन्होंने कोई सार्वजनिक प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया।

व्यापारिक संगठनों ने रैली पर जताई चिंता

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष के अनुसार, व्यापारिक संगठनों ने दिवाली से ठीक पहले प्रस्तावित रैली के समय को लेकर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई), कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) और दिल्ली व्यापार महासंघ सहित विभिन्न व्यापारिक संगठनों की चिंताओं को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। मल्होत्रा ने कहा कि दिल्ली देश की राजधानी होने के साथ एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र भी है, जबकि मुंबई देश के सबसे बड़े व्यापारिक केंद्रों में शामिल है। ऐसे में इन शहरों में लगातार राजनीतिक गतिविधियां होने से बाजारों, दुकानदारों और कारोबारियों के कामकाज पर असर पड़ने की आशंका रहती है। उन्होंने दावा किया कि दिवाली के दौरान व्यापारियों के लिए बिक्री का विशेष महत्व होता है। इस समय किसी बड़ी रैली या प्रदर्शन के कारण यातायात बाधित होने और बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित होने से व्यापारियों को नुकसान हो सकता है।

अतिरिक्त सफाई कर्मचारियों की तैनाती करेगा निगम

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायु और धूल प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण को लेकर दिल्ली नगर निगम कई योजनाओं पर काम कर रहा है। इसके तहत आगामी दिनों में 2500 से अधिक अतिरिक्त सफाई कर्मचारियों को तैनात किया जाएगा। इनको आउटसोर्स के जरिए कार्य सौंपा जाएगा। महापौर प्रवेश वाही ने बताया कि सड़कों पर धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कई अतिरिक्त सफाई कर्मियों को जिम्मेदारी सौंपेंगे। इसके लिए प्रत्येक जोन स्तर पर निगरानी भी की जाएगी। स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने बताया कई सफाई कर्मचारी को भी नियमित किया जा रहा है। निगम ने दो महीने के दौरान 1400 से अधिक सफाई कर्मचारियों को नियमित किया है। इसके अतिरिक्त, निगम की ओर से दिवंगत सफाई कर्मचारियों के आश्रितों को करुणामूलक आधार पर दैनिक वेतनभोगी सफाई कर्मचारियों के रूप में 542 पदों पर नियुक्तियां प्रदान की गई हैं।

एक्यूआई मीटर के पास पानी छिड़ककर जनता को गुमराह कर रही भाजपा सरकार: देवेंद्र यादव

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण पर नियंत्रण करने में विफल भाजपा सरकार वायु गुणवत्ता मापक केंद्रों के आसपास पानी का छिड़काव कर प्रदूषण के वास्तविक आंकड़ों को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता को स्वच्छ हवा चाहिए, आंकड़ों की लीपापोती नहीं।

देवेंद्र यादव ने कहा कि यदि वायु गुणवत्ता मापक केंद्रों के आसपास पानी छिड़ककर प्रदूषण के आंकड़ों को प्रभावित किया जा रहा है, तो यह जनता के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ है। उन्होंने मामले की स्वतंत्र जांच कराने और प्रदूषण नियंत्रण के लिए उठाए गए वास्तविक कदमों की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की।

प्रदूषण नियंत्रण के उपायों पर उठाए सवाल

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार सड़कों की धूल, निर्माण स्थलों से उड़ने वाले कणों, वाहनों के धुएं और खुले में कूड़ा जलाने जैसी समस्याओं पर प्रभावी नियंत्रण करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ठोस कार्ययोजना लागू करने के बजाय दिखावटी उपायों और प्रचार पर अधिक ध्यान दे रही है।

स्वच्छ हवा उपलब्ध कराने की मांग

देवेंद्र यादव ने कहा कि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए सड़कों की नियमित सफाई, धूल प्रबंधन, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने और औद्योगिक उत्सर्जन की निगरानी जैसे कदम प्रभावी ढंग से उठाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकती और दिल्लीवासियों को स्वच्छ हवा उपलब्ध कराने के लिए ठोस कार्रवाई करनी चाहिए।

किसानों के समर्थन में उतरा दिल्ली पंचायत संघ, सर्किल रेट बढ़ाने की मांग



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पंचायत संघ ने कंझावला स्थित उपमंडल अधिकारी कार्यालय के सामने कृषि भूमि का सर्किल रेट बढ़ाने की मांग को लेकर धरना दे रही किसान संघर्ष समिति को समर्थन दिया। धरने के 70 दिन पूरे होने पर संघ ने दिल्ली सरकार से दिवाली से पहले किसानों की मांगों पर निर्णय लेने और कृषि भूमि का सर्किल रेट 10 करोड़ रुपये प्रति एकड़ करने की मांग की। धरने की अध्यक्षता चौधरी सुधीर राज डबास ने की। दिल्ली पंचायत संघ के प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि किसानों का संघर्ष उनके अधिकारों, आर्थिक सुरक्षा और भविष्य से जुड़ा है। किसान संघर्ष समिति के क्षेत्रीय नेताओं ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपनी समस्याओं और मांगों से भी अवगत कराया है।

कृषि भूमि के उचित मुआवजे की मांग- थान सिंह यादव ने कहा कि दिल्ली के किसानों को पिछले कई दशकों से पड़ोसी राज्यों की तुलना में कम मुआवजा मिलने के कारण आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने सरकार से दिवाली से पहले सर्किल रेट बढ़ाने का निर्णय लेने और उचित मुआवजा सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि उचित सर्किल रेट निर्धारित किए बिना किसानों की कृषि भूमि का अधिग्रहण नहीं किया जाना चाहिए।

गांवों को लाल डोरा से मुक्त करने की मांग- दिल्ली पंचायत संघ ने गांवों को लाल डोरा और विस्तारित लाल डोरा से मुक्त कर मालिकाना हक देने, गांवों को गृहकर से छूट प्रदान करने और नगर निगम के भवन निर्माण संबंधी उपनियमों से राहत देने के लिए स्पष्ट नीति बनाने की मांग की। इसके अलावा, सभी गांवों को अधिसूचित व्यावसायिक श्रेणी में शामिल करने तथा ग्राम सभा की कृषि भूमि को ग्रामीण विकास, सार्वजनिक सुविधाओं और ग्रामीणों के हितों के लिए सुरक्षित रखने की मांग भी उठाई गई।

गुरु तेग बहादुर साहिब के शहीदी दिवस पर मैराथन में उमड़े हजारों युवा

नई दिल्ली, एजेंसी।
श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस के समापन को समर्पित मैराथन में हजारों युवाओं सहित विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से आयोजित यह मैराथन कर्तव्य पथ से शुरू होकर विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में संपन्न हुई। कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने बताया कि मैराथन के माध्यम से श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी तथा उनके साथ शहीद हुए भाई मती दास जी, भाई सती दास जी और भाई दयाला जी की महान शहादत को नमन किया गया। प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

लाल किले सहित कई स्थानों पर होंगे आयोजन

हरमीत सिंह कालका और जगदीप सिंह काहलों ने बताया कि पिछले एक वर्ष से चल रहे शहीदी समागमों का समापन दिसंबर में शहीदी दिवस के अवसर पर होगा। अगले दो महीनों में लाल किले सहित दिल्ली के विभिन्न स्थानों पर भव्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें कीर्तन समागम और अन्य विशेष आयोजन शामिल होंगे।

संगत से भागीदारी की अपील

मैराथन के शुभारंभ से पहले गुरुद्वारा बंगला साहिब के मुख्य ग्रंथी ज्ञानी रणजीत सिंह ने अरदास की। इसके बाद प्रतिभागियों ने मैराथन में हिस्सा लिया। कमेटी के पदाधिकारियों ने संगत से आगामी कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की, ताकि गुरु साहिब की महान शहादत और उनके त्याग के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जा सके।



एवीएम आलोक शर्मा, वीएम, वीएसएम (सेवानिवृत्त) वेटरन्स काउंसिल, दिल्ली एनसीटी के अध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली (न्यूज़ वार्ता)। एयर वाइस मार्शल आलोक शर्मा, वीएम, वीएसएम (सेवानिवृत्त) को वेटरन्स काउंसिल, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति 24 अक्टूबर 2026 को वेटरन्स काउंसिल के चेयरमैन

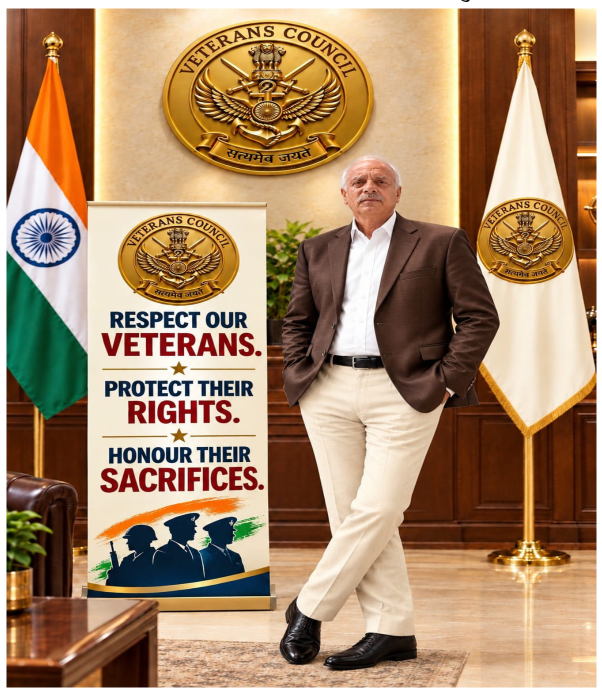
राजीव अग्निहोत्री द्वारा की गई। उनका प्रारंभिक कार्यकाल तीन वर्ष का होगा।

वेटरन्स काउंसिल का गठन ज्यूडिशियल काउंसिल

के एक प्रस्ताव के अनुसरण में किया गया था। इसका उद्देश्य सैन्य पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण, गरिमा, अधिकारों तथा वैध हितों को बढ़ावा देना है। यह नियुक्ति राष्ट्रीय राजधानी में परिषद की संगठनात्मक उपस्थिति को सुदृढ़ करने और भारतीय सशस्त्र बलों की तीनों सेनाओं—भारतीय थल सेना, भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायु सेना के पूर्व सैनिकों की समस्याओं के समाधान के लिए एक साझा एवं एकीकृत मंच स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

तीनों सेनाओं के पूर्व सैनिकों के लिए एक एकीकृत मंच

वेटरन्स काउंसिल भारतीय थल सेना, नौसेना और वायु सेना के पूर्व सैनिकों, सेवानिवृत्त कार्मिकों तथा उनके परिवारों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। सैन्य कार्मिकों का योगदान और उनके बलिदान, चाहे वे किसी भी सेवा, रैंक, ट्रेड या पृष्ठभूमि से संबंधित हों, समान सम्मान, मान्यता और विचार के पात्र हैं। परिषद का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक सेवा से जुड़े पूर्व सैनिकों की समस्याओं पर उचित ध्यान दिया जाए तथा उनके वैध अधिकारों और देय लाभों की प्राप्ति के लिए कानूनसम्मत एवं रचनात्मक माध्यमों से प्रयास किए जाएँ। इसका मिशन सेवानिवृत्त अधिकारियों, जूनियर कमीशंड अधिकारियों, अन्य रैंकों के सैन्यकर्मियों, नौसैनिकों, वायुसैनिकों तथा उनके परिवारों के कल्याण को समाहित करता है। सेवानिवृत्ति के बाद पूर्व सैनिकों को अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। इनमें पेंशन संबंधी शिकायतें, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच, पुनर्वास, रोजगार, दिव्यांगता संबंधी सहायता, पारिवारिक कल्याण तथा प्रशासनिक मामलों के निपटारे में होने वाला विलंब प्रमुख हैं। वेटरन्स काउंसिल का उद्देश्य इन समस्याओं के समाधान में सहायता के लिए उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना तथा संबंधित अधिकारियों के साथ



रचनात्मक संवाद को प्रोत्साहित करना है।

तीन वर्ष का कार्यकाल एवं दायित्व

एवीएम आलोक शर्मा, वीएम, वीएसएम (सेवानिवृत्त) को प्रारंभिक तीन वर्ष के कार्यकाल के लिए अध्यक्ष नियुक्त किया जाना परिषद की नेतृत्व में निरंतरता बनाए रखने तथा दिल्ली एनसीटी में कल्याणकारी पहलों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। दिल्ली एनसीटी के अध्यक्ष के रूप में उनसे अपेक्षा की जाएगी कि वे राष्ट्रीय राजधानी में परिषद की गतिविधियों का नेतृत्व करें, तीनों सेनाओं के पूर्व सैनिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित करें, पूर्व सैनिक संगठनों के बीच समन्वय मजबूत करें तथा उनकी समस्याओं और शिकायतों को संबंधित सक्षम अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत करने में सहायता करें।

परिषद की प्रमुख प्राथमिकताएँ निम्नलिखित हैं-

थल सेना, नौसेना और वायु सेना के पूर्व सैनिकों के कल्याण, गरिमा एवं वैधानिक अधिकारों को बढ़ावा देना। पेंशन संबंधी शिकायतों के समाधान तथा वैध देय लाभों की प्राप्ति के प्रयासों में सहायता करना। दिव्यांग पूर्व सैनिकों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं एवं उपयुक्त सहायता तक पहुँच को प्रोत्साहित करना। सेवानिवृत्ति के बाद पुनर्वास, पुनर्स्थापन तथा रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना। पूर्व सैनिकों की विधवाओं, आश्रितों एवं परिवारों के कल्याण में सहयोग करना। सरकार की लागू कल्याणकारी योजनाओं एवं देय लाभों के प्रति जागरूकता बढ़ाना। पूर्व सैनिक संगठनों तथा भूतपूर्व सैनिक संघों के बीच समन्वय मजबूत करना। शिकायतों के निवारण के लिए पारदर्शी, जवाबदेह एवं प्रभावी व्यवस्था को प्रोत्साहित करना। इन उद्देश्यों को लागू कानूनों, नियमों एवं निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुरूप उचित माध्यमों से आगे बढ़ाया जाएगा।

दिल्ली एनसीटी में पूर्व सैनिकों के प्रतिनिधित्व को सशक्त बनाना

राष्ट्रीय राजधानी होने के कारण दिल्ली रक्षा कार्मिकों तथा पूर्व सैनिकों के कल्याण से संबंधित सरकारी संस्थानों और अधिकारियों के साथ संवाद स्थापित करने के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान है। वेटरन्स काउंसिल का उद्देश्य दिल्ली एनसीटी में अपनी उपस्थिति को मजबूत करना तथा थल सेना, नौसेना और वायु सेना के पूर्व सैनिकों को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर व्यवस्थित एवं प्रभावी संवाद को प्रोत्साहित करना है।

काउंसिल

का मानना है कि तीनों सेनाओं के बीच एकता प्रभावी प्रतिनिधित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है। सेवा की पृष्ठभूमि, रैंक या व्यावसायिक अनुभव में अंतर सहयोग की राह में बाधा नहीं बनना चाहिए, विशेषकर तब जब साझा उद्देश्य राष्ट्र की सेवा कर चुके लोगों के कल्याण और गरिमा की रक्षा करना हो। नए नेतृत्व के अंतर्गत परिषद विभिन्न रैंकों और तीनों सेनाओं से जुड़े पूर्व सैनिकों की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने, रचनात्मक संवाद को बढ़ावा देने तथा लंबित शिकायतों को संबंधित सक्षम अधिकारियों के संज्ञान में लाने के प्रयास करेगी।

न्याय, गरिमा और जवाबदेही के प्रति प्रतिबद्धता

वेटरन्स काउंसिल का मानना है कि पूर्व सैनिकों का कल्याण राष्ट्र की कृतज्ञता और सामूहिक जिम्मेदारी का विषय है। वर्दी में सेवा देने वाले सैनिकों ने भारत की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने अनेक अवसरों पर कठिन एवं चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है।

वेटरन्स काउंसिल कानूनसम्मत प्रतिनिधित्व, संस्थागत जवाबदेही, रचनात्मक संवाद तथा पूर्व सैनिकों के वैध अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। परिषद की कार्यप्रणाली समस्याओं की पहचान करने, उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने तथा व्यावहारिक समाधान प्राप्त करने के प्रयासों पर केंद्रित रहेगी। प्रारंभिक तीन वर्ष का कार्यकाल संगठन के सतत विकास, पूर्व सैनिकों के साथ बेहतर संवाद तथा दिल्ली एनसीटी में कल्याणकारी पहलों को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगा।

भारत की सेवा करने वालों के प्रति नई प्रतिबद्धता

वेटरन्स काउंसिल पूर्व सैनिकों, भूतपूर्व सैनिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, संस्थानों तथा जागरूक नागरिकों से सैन्य पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण को बेहतर बनाने वाली पहलों में सहयोग करने का आह्वान करती है।

वेटरन्स काउंसिल

दोहराती है कि पूर्व सैनिकों के प्रति सम्मान केवल औपचारिक समारोहों और सम्मान-प्रदर्शनों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। यह सम्मान वास्तविक सहायता, वैध शिकायतों पर निष्पक्ष विचार, कल्याणकारी सुविधाओं तक पहुँच तथा कानूनी अधिकारों और देय लाभों की सुरक्षा के रूप में भी दिखाई देना चाहिए। एवीएम आलोक शर्मा, वीएम, वीएसएम (सेवानिवृत्त) की दिल्ली एनसीटी के अध्यक्ष के रूप में प्रारंभिक तीन वर्ष के कार्यकाल के लिए नियुक्ति के साथ वेटरन्स काउंसिल भारतीय थल सेना, भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायु सेना के सभी पूर्व सैनिकों की बिना किसी भेदभाव के सेवा करने तथा सभी के लिए एकता, गरिमा, न्याय और कल्याण को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराती है। अपने पूर्व सैनिकों का सम्मान करें। उनके अधिकारों की रक्षा करें। उनके बलिदानों का सम्मान करें।

ड्रग्स सप्लाई में नाइजीरियाई और एक महिला समेत छह गिरफ्तार

दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने ड्रग्स सप्लाई करने वाले दो नाइजीरियाई नागरिक और महिला समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को दिल्ली, ग्रेनो और बेंगलुरु से पकड़ा गया है। इनके कब्जे से लगभग 21 करोड़ रुपये के मूल्य का 7 किग्रा मेथमफेटामाइन बरामद की गई है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने बताया, 19 जुलाई को एक सूचना मिली कि केरल में एनडीपीएस के विभिन्न मामलों में वांछित सुहैल दिल्ली से बेंगलुरु, केरल और दक्षिण भारत के विभिन्न हिस्सों में प्रतिबंधित मादक पदार्थों की सप्लाई करता है। टीम ने दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के एक बीएनबी गेस्ट हाउस से केरल के कन्नूर निवासी सुहैल और सुजिन को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से 5950 ग्राम मेथमफेटामाइन बरामद किया गया। जांच में पता लगा कि आरोपी व्हाट्सएप पर बातचीत के लिए नाइजीरिया का नंबर का इस्तेमाल कर रहा था। इसके बाद पुलिस ने दिल्ली के छतरपुर इलाके में रहने वाले अफ्रीकी नागरिक टोबी डेको को गिरफ्तार कर लिया। इससे 64 ग्राम मेथामफेटामाइन बरामद किया गया। उसने बताया कि वह सुहैल को ड्रग्स की सप्लाई करता है। टोबी डेको ने बताया कि सिंडिकेट का सरगना नाइजीरिया में रहता है और उसे दिल्ली में रहने वाली अफ्रीकी महिला के जरिए डिलीवरी मिलती है। टोबी डेको की निशानदेही पर दिल्ली के छतरपुर इलाके में उसके किराए के कमरे से 865 ग्राम मेथामफेटामाइन बरामद किया गया। इसके बाद बेंगलुरू से फातिमा उर्फ नेहा और मोहम्मद ज़हीद उर्फ फिरोज को गिरफ्तार किया गया।

इसके बाद पुलिस ने ग्रेनो के सेक्टर-1 से चिकवाडो नाके किंग्सले को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों से पछताछ में पता लगा कि वह डेड ड्रॉप्स का इस्तेमाल करते थे। ये ड्रग्स को झाड़ियों या सड़क किनारे किसी सुनसान जगह पर गिरा देते थे। पकड़े जाने से बचने के लिए प्राप्तकर्ता के साथ तस्वीर और स्थान साझा किया जाता था। कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए गैर-व्यावसायिक मात्रा (50 ग्राम से कम) में बेचते थे। 2024 में उसके सिंडिकेट के कई तस्करों को केरल पुलिस ने 3 अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया था। आरोपी टोबी डेको ने खुलासा किया कि वह 2018 में छात्र के रूप में भारत आया था और बेंगलुरु में ड्रग्स बेचने लगा था।

महिला को सम्मोहित कर नाबालिगों ने गहने उड़ाए, पुलिस ने दो को दबोचा

दिल्ली। सुल्तानपुरी इलाके में नाबालिगों ने एक महिला को सम्मोहित कर उसके गहने ठग लिए। शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच कर दोनों आरोपी की पहचान कर उन्हें घर से पकड़ लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने सोने का लॉकेट बरामद किया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 3 अगस्त को एक महिला ने ठगी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि वह सेक्टर 24 रोहिणी में ब्यूटी पार्लर चलाती है। रात में घर जाने के लिए बस स्टैंड पर खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक आया और आनंद विहार जाने का रास्ता पूछा। फिर उसने बताया कि उसके ठेकेदार ने नौकरी से निकाल दिया है। उसके पास पैसे नहीं हैं। उसे भूख लगी है और खाना खिलाने के लिए कहा। इसी दौरान एक और युवक आ गया और वह लड़के की मदद करने के लिए कहा। फिर दोनों पीड़िता को लेकर होटल की तलाश करने लगे। इसी दौरान दूसरे युवक ने महिला से कहा कि इलाका ठीक नहीं है। वह रुमाल निकालकर दिखाया कि वह अपने पैसे रुमाल में रखता है। फिर उसने महिला से सारे गहने को एक रुमाल में डालने के लिए कहा। उसके बाद पीड़िता कान के दोनों टॉप्स, मोती का माला और एक सोने का लॉकेट रुमाल में रख दिया। युवक ने उसमें गांठ लगाकर पीड़िता को सौंप दिया।

युवक को गोली लगने के मामले में दोस्त गिरफ्तार

नई दिल्ली। जहांगीपुरी इलाके में रविवार को युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने उसके ही दोस्त पंकज उर्फ पंखा को गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि उसने रोहित को गोली मारी नहीं थी, बल्कि गलती से उसको लग गई थी। दरअसल सारे दोस्त मिलकर तमंचे को देख रहे थे, इसी दौरान गोली चल गई और रोहित घायल हो गया। सारे दोस्त उसे अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी मौत हो गई। सभी उसे अस्पताल छोड़कर भाग खड़े हुए। वहीं, पुलिस पंकज की बात पर यकीन करने को तैयार नहीं है। पुलिस का कहना है कि फरार चल रहे आलम और आकाश के पकड़े जाने के बाद हकीकत सामने आएगी। वारदात में इस्तेमाल तमंचा भी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस पता लगा रही है कि तमंचा कहां से लाया गया था। पुलिस के मुताबिक रविवार को बाबू जग जीवन राम अस्पताल से वारदात की सूचना मिली थी। रोहित सरदार कॉलोनी, रोहिणी, सेक्टर-16 में रहता था। पुलिस तभी से आरोपियों की तलाश कर रही है।

चालक को 100 रुपये थमा ई-रिक्शा लेकर हुआ फरार

नई दिल्ली। आदर्श नगर इलाके में एक अजीबोगरीब चोरी का मामला सामने आया है। सवारी के रूप में बैठे बदमाश ने चालक को सौ रुपया देकर सामान लाने भेज दिया और उसका ई-रिक्शा व हजारों रुपये लेकर रफूचक्कर हो गया। काफी तलाश के बाद बदमाश के नहीं मिलने पर पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस चोरी का मामला दर्ज कर बदमाश की तलाश में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, वाजिद बुराड़ी इलाके में रहता है। वह पेशे से ई-रिक्शा चालक है। आदर्श नगर थाने में दर्ज प्राथमिकी में बताया कि वह 28 अक्तूबर की सुबह 11.30 बजे एक सवारी को लेकर बुराड़ी से आजादपुर के रामेश्वर नगर आया। वहां पहुंचने के बाद भी युवक उसके ई-रिक्शा पर बैठा रहा। युवक ने उसे सौ रुपये दिया और रस्सी लेकर आने के लिए कहा। युवक ने बताया कि उसे सामान लेकर वापस उसके ही ई-रिक्शा से घर जाना है।

राजीव शर्मा बनाए गए स्वदेशी व्यापारी मंच के दिल्ली प्रदेश के सह संयोजक



नई दिल्ली। भारत के शहरों से लेकर गांवों तक में स्वदेशी की अलख जगाने की मुहिम में जुटे स्वदेशी व्यापारी मंच द्वारा दिल्ली में अपने मिशन को और गति प्रदान करने के दृष्टिगत व्यापारी नेता एवं समाज सेवी राजीव शर्मा को मंच का दिल्ली प्रदेश सह संयोजक घोषित किया गया। उनकी यह घोषणा स्वदेशी व्यापारी मंच की 24 अक्टूबर को दिल्ली में हुई राष्ट्र स्तरीय बैठक में की गई स्वदेशी व्यापारी मंच के राष्ट्रीय संयोजक श्री बालकृष्ण भरतिया, संदीप बंसल, विजय लक्ष्मी, दीपक शर्मा, अजय पतकी व मनोहर लाल अग्रवाल सहित देश के 13 राज्यों के प्रतिनिधियों की गरिमामय उपस्थिति रही। स्वदेशी व्यापारी मंच का दिल्ली प्रदेश सह संयोजक बनाए जाने के बाद राजीव शर्मा ने कहा कि हमारा पूरा प्रयास रहेगा कि दिल्ली के कोने कोने में स्वदेशी वस्तुओं की उपयोगिता बढ़े और स्वदेशी उत्पादों के कारीगरों को रोजगार के नए अवसर मिलें। क्योंकि जब स्वदेशी का बढ़ेगा मान तभी बढ़ेगा देश का स्वाभिमान।

NAME CHANGE
I Sushil Kumar S/o Dharampal Chaurasia R/o Y -318/6 Y Block, Adarsh Enclave Prem Nagar -2 Kirari Suleman Nagar North west Delhi 110086 have changed my name to Sushil Kumar for all future purpose

NAME CHANGE
I, MUKESH ARORA S/o Om Prakash Arora R/o 3A/46, Vishnu Garden, New Delhi-110018, have changed my name from MUKESH ARORA to MUKESH KUMAR ARORA permanently.

NAME CHANGE
I, ROHIT S/o KRISHAN Residing Brahmanwas (80), PO. Basantpur, Rohtak - 124001 have changed my name from ROHIT to ROHIT PRAJAPATI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MUKESH ARORA S/o Om Prakash Arora R/o 3A/46, Vishnu Garden, New Delhi-110018, have changed my name from MUKESH ARORA to MUKESH KUMAR ARORA permanently.

NAME CHANGE
I, Ravi Tomar S/O Shree Kishan Tomar R/O 212/1, Prabhat Nagar, saket, PO: saket, DIST:Meerut, Uttar Pradesh- 250001, have changed the name of my minor son Tanu Tomar aged 13 years and he shall hereafter be known as Tanishq Tomar.

NAME CHANGE
I, Modi Rupali Pawan D/O Pawankumar Nathmal Modi W/O Harmeet Singh Hanspal R/O WZ-20/3, Ground floor, Gali no-4, Prithvi Park, Tilak Nagar, West Delhi 110018, have changed my name to Rupali Pawankumar Modi for all future purposes.

NAME CHANGE
I, NITIN KAUSHIK S/O DHRAMVEER KAUSHIK R/O F1-5/39, Sector-5, Rajender Nagar, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005 have changed the name of my minor son KAVYA KAUSHIK aged 17 years and he shall hereafter be known as KRISHNA KAUSHIK.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sunny S/o Mundar Bhati R/o S.R.B Memoril Public School, Yakubpur, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed my name and shall hereafter be known as Shani Bhati.

NAME CHANGE
I DHANANJAY JATYAN S/O SURESH KUMAR R/O 199/12 JATAN NIWAS HANUMAN COLONY SUKH PURA CHOWK ROHTAK HARYANA 124001 have changed my name to DHANANJAY Permanently for all future Purposes

NAME CHANGE
I MITESH KUMAR S/O JAI KRISHAN SHARMA R/O PLOT NO 325:GALI NO 13 JAI VIHAR PH-2 NAJAFGARH DELHI 110043 have changed my name to MITESH KUMAR SHARMA Permanently for all future Purposes

NAME CHANGE
I, hitherto known as Ambreen D/o. Mohd Arif, W/o. Mohd Waqar, R/o. Flat 3rd Floor, H. No. 1462, Gali No. 48, Jafrabad, North East Delhi, Delhi - 110053 have changed my name and shall hereafter be known as Amreen

NAME CHANGE
I KAYYUM S/O ABDUL LATEEF R/O H.NO 82 NAI BASTI BANKNER NARELA DELHI 110040 have changed my name to ABDUL KAYYAM Permanently for all future Purposes

NAME CHANGE
I, NASARIN W/O MUJIBULLAH ANSARI R/O RZF-1/183, 2ND FLOOR, MAHAVIR ENCLAVE PART-1, PALAM VILLAGE, DELHI-110045 HAVE CHANGED MY NAME TO NASAREEN KHATOON FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, MUZIBULLAH ANSARI S/O SAHAMAT ANSARI R/O RZF-1/183, 2ND FLOOR, MAHAVIR ENCLAVE PART-1, PALAM VILLAGE, DELHI-110045 HAVE CHANGED MY NAME TO MUJIBULLAH ANSARI FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I,hitherto known as Zoya Khan W/O: Shahnawaz Khan, R/O h.no-56, topchi wara, Meerut, Meerut, Uttar Pradesh - 250002, have changed my name and shall hereafter be known as ELMAS.

NAME CHANGE
I, VEERPAL S/o NEMCHANDRA R/o A-412, Sector -II, Pratap Vihar, Vijay nagar, PO: Ghaziabad City, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201009, have changed the name of my minor daughter CHANU aged 16 years and she shall hereafter be known as JANVI PAL.

NAME CHANGE
I hereby declare that I, SAGEER AHMED, S/o. NASIR AHMED, R/o. C-2, First Floor, Gali No. 6, Brahampuri, Seelampur, North East Delhi, Delhi-110053, have a PAN Card bearing No. ACIPA5370M, in which my father's name has been wrongly mentioned as NASEER AHMED. My father's actual name is NASIR AHMED, and I request that the same may kindly be corrected accordingly.

NAME CHANGE
I, Iltefat Bi W/O Saifur Rehman R/O House No - 2639 Gali Khajur Wali Kucha Chelan Darya Ganj Delhi - 110002 Have Changed My Name To Iltifat Permanently

NAME CHANGE
I, hitherto known as Km. Tabbasum Aara D/o. Mohd Irfan, W/o. Mohd Aslam, R/o. H. No. 145-A, Gali No. 7, Jafrabad, North East Delhi, Delhi - 110053 have changed my name and shall hereafter be known as Tabassum.

NAME CHANGE
I RUKSHANA BEGUM W/O ABDUL KAYYAM R/O H.NO 82 NAW BASTI VILLAGE BANKNER NARELA DELHI 110040 have changed my name to RUKSANA Permanently for all future Purposes

NAME CHANGE
I, NAVEDUL S/o ZAKIR HUSSAIN R/o 241, Gali No.20, Subhash Mohalla, North Ghonda, Garhi Mendu, Delhi-110053 have changed my name to NAWEDUL.

NAME CHANGE
I SHALINI CHHILLAR W/O VIKAS R/O H.NO 108 DHARMPUR PANIPAT HARYANA 132103 have changed my name to SHALINI Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I IQBAL S/O MOJIRAM R/O NATHUPUR (56) SONIPAT NATHUPUR HARYANA 131029 have changed my name to IQBAL KHAN Permanently for all future purposes

Public Notice
I hitherto known as SONI DEVI W/O KANWAR PAL SINGH, S/O K-2-730 Block-K-2, Near Shakti Mandir, Sangam Vihar, meharoulis, South Delhi, Delhi-110062, have changed my name and shall hereafter be known as OMBIRI DEVI. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

NAME CHANGE
I, No.-14855983X Rank-SEP/MT Name-DEEPAK S KAMIRE legal father of NETRA residing at- VPO-MANGUR, TEHSIL-CHIKOIDI, DIST-BELGAVI, KARNATAKA-591215, have changed my minor daughter's name from NETRA to NETRA DEEPAK KAMIRE for all future purposes vide affidavit dated 24/10/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I Neeraj Dua S/o Madan Lal Dua R/o 24/69A 3rd Floor Tilak Nagar Delhi 110018 have changed my minor son's name from Garvit to Garvit Dua for all future purposes

NAME CHANGE
I, PREM, mother of No-2495649F, Rank-HAV Name- ASHOK KUMAR, Unit-25 Punjab Regt, resident of VPO- BHAINI CHANDER PAL, TEHSIL- MEHAM, DISTT-ROHTAK, HARYANA-124112, have changed my name from PREM to PREAM for all future purposes, vide Affidavit dated 24/10/2026, before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I PUNAM KUMARY W/O BIPUL KUMAR TIWARY R/O I-32 LAJPAT NAGAR 2 SOUTH DELHI-110024 HAVE CHANGE MY NAME TO PUNAM TIWARY

NAME CHANGE
I, MO FAISAL S/O MIRAJUDDIN R/O 1444 GALI GODNI WALI KALA MAHAL DARYA GANJ CENTRAL DELHI 110002 HAVE CHNGED MY NAME TO FAISAL FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, R AGGAMMAL mother of NO-14849128M Rank- NK/DSR Name-ARUL RAJ R R/O VPO-THALAIVASAL, TEHSIL-ATTUR, DIST-SALEM, TAMILNADU-636112, have changed my name from R AGGAMMAL to ANGAMMAL for all future purposes vide Affidavit dated 24/10/2026 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री जितेन्द्र कुमार पुत्र स्वर्गीय राम ईश्वर दत्त, निवासी फ्लैट नम्बर 202, विजय लक्ष्मी एंक्लेव, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड, पटना, बिहार, प्लॉट/भूमि, क्षेत्रफल क्षेत्रफ़ल 0.651 हैक्टेयर, खसरा संख्या 1582, स्थित ग्राम धूम मानिकपुर, परगना व तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज बिक्री विलेख दिनांक 24.12.2014, क्रमांक 25641, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 7703, पेज 115-146, सब रजिस्ट्रार-दादरी, द्वारा है। उक्त कथित संपत्ति का पीछे का ओरिजिनल बिक्री विलेख दिनांक 05.04.2014, क्रमांक 6850, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 6720, पेज संख्या 361-390, सब रजिस्ट्रार दादरी और वर्तमान ओरिजिनल बिक्री विलेख दिनांक 24.12.2014, क्रमांक 25641, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 7703, पेज संख्या 115-146, सब रजिस्ट्रार दादरी, कही खो गया, जिसके बावत खोने की रिपोर्ट दिनांक 07.09.2026, को रेल थाना, पटना जंक्शन, बिहार, में दर्ज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। उपरोक्त कथित मुव्किकल उक्त संपत्ति को श्रीमती पिंकी /श्री नवीन कुमार को कथित भूमि का हिस्सा प्लॉट संख्या 12-ए, 60 वर्ग गज, स्थित खाटू श्याम एन्कलेव, धूम मानिक पुर, बेच दिया है, जो आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा आर डी सी राज नगर, गाजियाबाद, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया गया है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त दस्तावेज मिले या कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेंस लि० के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
पता - डी-803, नंदग्राम,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201003
roushan.rupesh@gmail.com

नाम परिवर्तन
मैं, अदनान पुत्र नसीम अहमद सलमानी, निवासी खसरा नं. 38/3, तीसरी मंजिल, गली नं. 5, आजाद चौक के पास, संगम विहार, वज़ीराबाद, पो. बुराड़ी, जिला उत्तरी दिल्ली, राज्य दिल्ली, पिन कोड 110084, यह घोषणा करता हूँ कि मेरे पिता का नाम नसीम अहमद सलमानी और मेरी माता का नाम सरवरी बेगम है, जो भविष्य के सभी कार्यों के लिए मान्य होगा।

सार्वजनिक सूचना
मेरे मुवक्किल JAI PRAKASH NARAYAN YADAV S/O LATE ABDHESH KUMAR YADAV AND JAIMALA DEVI W/O JAI PRAKASH NARAYAN YADAV BOTH R/O VILL-MURIYAR, POST-NAWADIH, PS-SARAIYAHAT, DISTT-DUMKA, JHARKHAND-814151 अपनी पुत्री NISHA BHARTI URF NISHANT YADAV D/O, S/O JAI PRAKASH NARAYAN YADAV AND JAIMALA DEVI R/O VILL-KUSHMAHA, THANA-BOUNSI, BANKA BIHAR-813104 (ID NO. 9027 9456 6844), उनके दुर्व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है एवं इनसे पारिवारिक सम्बन्ध विच्छेद/समाप्त कर लिए है और भविष्य में इनके किसी भी लेनदेन दुष्कार्यो के लिए हम एवं हमारे परिवार के कोई भी सदस्य उत्तरदायी नहीं होंगे।

Adv.Pankaj kumar yadav
Ch. No-405 .Saket
New Delhi -110017

NAME CHANGE
I, SHRISHAIL father of No-14866254P, Rank-SEP/MT, Name-SANTOSH CHANNANNAVAR residing at VPO-NADI INGALGAON, TEHSIL-ATHANI, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591304 have changed my name SHRISHAIL to SHRISHAIL SHIVAPPA CHANNANNAVAR for all future purposes vide Affidavit Dated 24/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No.-14855983X Rank-SEP/MT Name-DEEPAK S KAMIRE legal father of NAVYA residing at- VPO-MANGUR, TEHSIL-CHIKOIDI, DIST-BELGAVI, KARNATAKA-591215, have changed my minor daughter's name from NAVYA to NAVYA DEEPAK KAMIRE for all future purposes vide affidavit dated 24/10/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as MO. SHAKIL ANSHARI S/O MO YASIM R/O 63, GALI NO. 2 SURAI WALI MASJID, KIDBAI NAGAR, VTC: lisari Gate, PO: lisari Gate, Sub District: Meerut, District: Meerut, Uttar Pradesh, 250002, have changed my name and shall hereafter be known as SHAKIL AHMAD.

NAME CHANGE
I, Sahibe Alam S/O: Ummed, R/O POST - KINANAGAR, Ladpura, Meerut, Kina Nagar, Uttar Pradesh, 250004, have changed the name of my minor son Mohd Hamdan aged 7 Years and he shall hereafter be known as Harb.

सार्वजनिक सूचना
आपको सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल, श्री करतार सिंह होरा, श्री राजेंद्र सिंह होरा तथा श्री दिलजीत सिंह होरा, संपत्ति के दाहिनी ओर के भूतल के हिस्से, जिसका क्षेत्रफल लगभग 288 वर्ग गज है (जिसका आच्छादित क्षेत्रफल लगभग 150.7025 वर्ग मीटर है), बिना छत/टैरेस के अधिकारों के (संपत्ति संख्या 61/15 से सटा हुआ), (जिसे आगे उक्त तल कहा जाएगा), के स्वामी हैं। उक्त तल नगर निगम संपत्ति संख्या 8240 (61/14), प्लॉट संख्या 14, ब्लॉक संख्या 61, खसरा संख्या 864/8 पर निर्मित है, जो स्वर्ण वाटिका, रामजस रोड, वेस्टर्न एक्सटेंशन एरिया, करोल बाग, नई दिल्ली-110005 में स्थित है। प्रारंभ में, श्रीमती नौनी देवी ने दिनांक 29.09.1942 के पट्टा विलेख (Lease Deed) के माध्यम से उक्त संपत्ति अर्जित की थी, जिसे दिल्ली इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट द्वारा निष्पादित किया गया था। उक्त विलेख दस्तावेज संख्या 103, अतिरिक्त पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 57, पृष्ठ संख्या 93-98 पर दर्ज था तथा दिनांक 12.02.1943 को उप-पंजीयक कार्यालय, दिल्ली (नजूल), उप-जिला में पंजीकृत किया गया था। दुर्भाग्यवश, श्रीमती नौनी देवी का निधन हो गया। उनके निधन के पश्चात, दिल्ली विकास प्राधिकरण (DDA) द्वारा श्रीमती लीला देवी एवं श्रीमती शकुंतला देवी के पक्ष में नामांतरण पत्र (Mutation Letter) जारी किया गया। तत्पश्चात, दिनांक 14.12.1954 का विक्रय विलेख श्री राम सरन दास खन्ना के पक्ष में निष्पादित किया गया, जो दस्तावेज संख्या 3081, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 297, पृष्ठ संख्या 229-241 के अंतर्गत दर्ज था तथा दिनांक 04.02.1955 को उप-पंजीयक कार्यालय, दिल्ली (नजूल), उप-जिला में पंजीकृत किया गया था। तत्पश्चात, श्री राम सरन दास खन्ना का निधन हो गया, जिसके पश्चात दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा श्रीमती हर देवी, श्री लाजपत राय खन्ना तथा श्री मदन मोहन खन्ना के पक्ष में नामांतरण पत्र जारी किया गया। इसके पश्चात, श्रीमती हर देवी का दिनांक 15.04.1964 को तथा स्वर्गीय श्री लाजपत राय खन्ना का दिनांक 31.01.1989 को निधन हो गया। तत्पश्चात, दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा दिनांक 22.09.2010 को श्री अशोक खन्ना, श्री अश्वनी खन्ना, श्री सुरिंदर खन्ना, श्री रविंदर खन्ना तथा श्री प्रदीप खन्ना के पक्ष में नामांतरण पत्र जारी किया गया। इसके पश्चात, दिनांक 24.10.2011 का विक्रय विलेख श्री अशोक खन्ना, श्री अश्वनी खन्ना, श्री सुरिंदर खन्ना, श्री रविंदर खन्ना तथा श्री प्रदीप खन्ना द्वारा मेसर्स प्रेम नाथ आनंद बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड, अपने निदेशक श्री सुनील कुमार आनंद के माध्यम से, के पक्ष में निष्पादित किया गया। उक्त विक्रय विलेख दस्तावेज संख्या 9980, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 14403, पृष्ठ संख्या 132-141 के अंतर्गत दर्ज था तथा दिनांक 28.10.2011 को उप-पंजीयक कार्यालय-III (SRO-III) में पंजीकृत किया गया था। तत्पश्चात, दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा दिनांक 15.02.2012 का हस्तांतरण विलेख (Conveyance Deed) मेसर्स प्रेम नाथ आनंद बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में जारी किया गया, जो दस्तावेज संख्या 2823, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 4297, पृष्ठ संख्या 140-142 के अंतर्गत दर्ज था तथा दिनांक 16.02.2012 को उप-पंजीयक कार्यालय-VII (SRO-VII) में पंजीकृत किया गया था, इसके पश्चात, दिनांक 21.02.2014 का विक्रय विलेख मेसर्स प्रेम नाथ आनंद बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा अपने निदेशक श्री राकेश आनंद के माध्यम से, उक्त संपत्ति के उक्त तल के संबंध में, श्री राधे मोहन गोयल के पक्ष में निष्पादित किया गया। उक्त विक्रय विलेख दस्तावेज संख्या 1502, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 15486, पृष्ठ संख्या 37-46 के अंतर्गत दर्ज था तथा दिनांक 22.02.2014 को उप-पंजीयक कार्यालय-III (SRO-III) में पंजीकृत किया गया था, तत्पश्चात, श्री राधे मोहन गोयल द्वारा दिनांक 13.09.2021 को श्रीमती दीपा गोयल तथा श्री अंकुर गोयल के पक्ष में पंजीकृत वसीयत निष्पादित की गई, इसके पश्चात, श्री राधे मोहन गोयल का दिनांक 01.09.2026 को निधन हो गया। उनके निधन के पश्चात उनके कानूनी वारिसों में श्री अंकुर गोयल (पुत्र), श्रीमती दीपा गोयल (पत्नी), श्रीमती गीतिका गुप्ता (पुत्री) तथा श्रीमती पायल भारद्वाज (पुत्री) शामिल हैं, तत्पश्चात, श्रीमती पायल भारद्वाज द्वारा दिनांक 28.09.2026 को उक्त संपत्ति में अपने हिस्से के संबंध में श्री अंकुर गोयल के पक्ष में सामान्य मुख्तारनामा (General Power of Attorney) निष्पादित किया गया, इसके पश्चात, दिनांक 05.10.2026 को श्री अंकुर गोयल ने स्वयं तथा श्रीमती पायल भारद्वाज के मुख्तार के रूप में, और श्रीमती गीतिका गुप्ता ने अपने-अपने अधिकारों के अंतर्गत, श्रीमती दीपा गोयल के पक्ष में उक्त संपत्ति के उक्त तल के संबंध में त्याग विलेख (Relinquishment Deed) निष्पादित किया। उक्त त्याग विलेख स्वर्गीय श्री राधे मोहन गोयल के निधन के पश्चात निष्पादित किया गया, जो संबंधित उप-पंजीयक कार्यालय-IIA, नई दिल्ली/दिल्ली में पंजीकरण संख्या 2026/24/I/9758, पुस्तक संख्या I, खंड संख्या 24227, पृष्ठ संख्या 127-140 के अंतर्गत विधिवत पंजीकृत है तथा दिनांक 08.10.2026 को पंजीकृत किया गया, उक्त त्याग विलेख के परिणामस्वरूप, श्रीमती दीपा गोयल ने उपर्युक्त संपत्ति पर वैध स्वामित्व अधिकार प्राप्त कर लिया है तथा वर्तमान में वह उक्त संपत्ति के शांतिपूर्ण भौतिक कब्जे में हैं, मेरे परीक्षण हेतु प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों तथा मुझे उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर, उपर्युक्त संपत्ति सभी प्रकार के भारों, ग्रहणाधिकारों, प्रभारों, बंधकों, कुर्कियों, अधिग्रहण, मुकदमेबाजी तथा तृतीय पक्ष के दावों से मुक्त प्रतीत होती है, उपर्युक्त संपत्ति की प्रस्तावित खरीद हेतु वित्तपोषण आरबीएल बैंक लिमिटेड (RBL Bank Limited) द्वारा किया जाना है, जिसका पता बिल्डिंग संख्या 1, प्रथम तल, मोदी मिल कंपाउंड, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, नई दिल्ली है। यदि किसी व्यक्ति/व्यक्तियों को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार की आपत्ति, दावा, अधिकार, हित या अन्य कोई शिकायत हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकता/सकती है। उक्त आपत्ति अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से तथा ई-मेल द्वारा भेजी जा सकती है, ह्मस्न्ह्यनिर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर, उक्त संपत्ति के संबंध में उपर्युक्त किसी भी दावे/आपत्ति को निरस्त एवं शून्य माना जाएगा तथा उसके पश्चात किसी भी व्यक्ति द्वारा किए गए दावे के संबंध में प्रस्तावित लेन-देन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल- kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, Anil Kumar S/o Om Parkash, Father of Aradhya Jangra Resident of Flat No. 702, Tower- P4, ARISE, SARE Homes, Sector 92, Gurugram, Haryana 122505, have changed my minor Son name from Aradhya Jangra to Aradhay Jangra

NAME CHANGE
I, Bhavana, W/O Pahul Kumar Vishnoi, R/O A-4/531 Paschim Vihar, West Delhi, Delhi- 110063 have changed my name to Bhavana Vishnoi for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Sunil Lata Yadav, wife of Umesh Yadav, residing at H. No. 714, Sector-31, Gurugram, Haryana – 122001, hereby declare that I wish to change my name from Sunil Lata Yadav to Sunil Lata. Henceforth, I shall be known as Sunil Lata for all purposes.

NAME CHANGE
I, MAHA DEVI mother of No-14866254P, Rank-SEP/MT, Name-SANTOSH CHANNANNAVAR residing at VPO-NADI INGALGAON, TEHSIL-ATHANI, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591304 have changed my name from MAHA DEVI to MAHADEVI SHRISHAIL CHANNANNAVAR for all future purposes vide Affidavit dated 24/10/2026 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती पूजा, एक फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट को श्री टेक चंद के पुत्र श्री जगवीर से खरीदने जा रही हैं। इस प्लॉट का कुल क्षेत्रफल 100 वर्ग गज (50 वर्ग गज + 50 वर्ग गज) है, जो खसरा नंबर 73 के अंतर्गत आता है। यह संपत्ति उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले की तहसील और परगना डासना में स्थित है। श्री जगवीर इस संपत्ति के मालिक हैं, जो उन्हें 29.10.2007 को हुए दो सेल डीड (बिक्री विलेख) के माध्यम से प्राप्त हुई थी- पहला, श्री राम स्वरूप के पुत्र श्री विजेंद्र सिंह द्वारा निष्पादित (दस्तावेज़ संख्या 6162, खंड 7122, पृष्ठ 117-134, दिनांक 29.10.2007, SRO-I, गाजियाबाद); और दूसरा, श्री अनूप त्यागी के पुत्र श्री सुरेश चंद त्यागी द्वारा निष्पादित (दस्तावेज़ संख्या 5615, खंड 7099, पृष्ठ 17-30, दिनांक 28.09.2007, SRO-I, गाजियाबाद)। संपत्ति की इस श्रृंखला में, श्री सुरेश चंद त्यागी और उनके नाबालिग बेटे मास्टर यश त्यागी (जिनके प्राकृतिक संरक्षक उनके पिता श्री सुरेश चंद त्यागी हैं) ने यह संपत्ति खरीदी थी। बाद में, श्री सुरेश चंद त्यागी ने 28.09.2007 के सेल डीड के जरिए यह संपत्ति बेच दी, जिसमें उनके नाबालिग बेटे मास्टर यश त्यागी की कोई सहमति या गवाही शामिल नहीं थी। यह संपत्ति सभी प्रकार के भार, कानूनी दावों, बंधक (मॉर्गेज) और तीसरे पक्ष के दावों से मुक्त है। वर्तमान में, इस संपत्ति का भौतिक कब्ज़ा श्री टेक चंद के पुत्र श्री जगवीर के पास है। इस संपत्ति के लिए छ्ष्टक्र बैंक लिमिटेड, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश से फाइनेंस (ऋण) लेने का प्रस्ताव है यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

संक्षिप्त डायरी

एसी में शॉर्ट सर्किट से मकान में लगी आग से लाखों का सामान राख

एजेंसी

गुरुग्राम। सेक्टर-43 की एक कोठी की तीसरी मंजिल पर शनिवार सुबह भीषण आग लग गई। एसी में शॉर्ट सर्किट से लगी आग ने देखते ही देखते पूरे कमरे को अपनी चपेट में ले लिया। फर्नीचर, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर राख हो गया। गनीमत रही कि परिवार के सभी सदस्य समय रहते बाहर निकल गए और बड़ा हादसा टल गया। सेक्टर-29 फायर स्टेशन से दमकल की दो गाडिय़ों ने मौके पर पहुंचकर करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फायर विभाग के मुताबिक सुबह करीब 10 बजे कोठी की तीसरी मंजिल के कमरे में एसी चल रहा था। अचानक एसी में जोरदार स्पार्किंग हुई और शॉर्ट सर्किट हो गया। चिंगारियों ने पास में लगे पर्दों को पकड़ लिया और आग बेड तक फैल गई। देखते ही देखते कमरा काले धुएं से भर गया और ऊंची-ऊंची लपटें छत से उठने लगीं। उस समय परिवार के अन्य सदस्य नीचे की मंजिल पर थे। धुएं की बदबू और लोगों के शोर से उन्हें आग का पता चला। पड़ोसियों ने तुरंत आवाज लगाकर सभी को बाहर निकाला। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड को संकरी गली और तेज लपटों के कारण काफी दिक्कत हुई। दमकलकर्मियों ने पहले आसपास की कोठियों को सुरक्षित किया ताकि आग न फैले, फिर हाइड्रोलिक प्रेशर से आग बुझाई। परिवार ने बताया कि हादसे में बेड, सोफा, अलमारी, कीमती कपड़े, जरूरी दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक सामान जल गया। शुरूआती अनुमान में लाखों रुपये के नुकसान की बात कही जा रही है।

डूब क्षेत्र में बने फार्म हाउस पर अवैध कब्जा

एजेंसी

नोएडा। डूब क्षेत्र स्थित एक फार्म हाउस पर कुछ लोगों ने कब्जा कर लिया। गुरुग्राम निवासी महिला ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। हरियाणा के गुरुग्राम निवासी मोनिका नैयर ने पुलिस को बताया कि उन्होंने अक्तूबर 2024 में फार्म हाउस के लिए कृषि भूमि खरीदी थी। यह भूमि दादरी तहसील क्षेत्र के किडावली गांव में है। चार अक्तूबर 2026 को वह फार्म हाउस पर पहुंचीं तो फार्म के पीछे की दीवार गिरी मिली। 21 अक्तूबर को जब वह दोबारा फार्म हाउस पर गईं तो बची हुई दीवारें भी गिरी मिलीं। गेट पर ताला लगाकर उस पर सरबजीत फार्म लिखा मिला। शिकायतकर्ता का आरोप है कि फार्म हाउस पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया है। उन लोगों ने फार्म हाउस पर रहने वाले चौकीदार को भी डरा धमका कर भगा दिया। पीड़ित को आशंका है कि यदि वह फार्म हाउस पर गईं तो आरोपी उनके साथ मारपीट या किसी अनहोनी वारदात को अंजाम दे सकते हैं। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व वायुसेना कर्मी से 10 लाख की ठगी

एजेंसी

नोएडा। साइबर अपराधियों ने शेयर बाजार में निवेश कर रकम दोगुनी करने का झासा देकर सेवानिवृ▪वायुसेना कर्मचारी से 10 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई है। सेक्टर-21 निवासी शशिकांत एयरफोर्स से सेवानिवृ▪हैं। उनकी शिकायत के मुताबिक एक व्यक्ति ने दो अक्टूबर को शेयर बाजार का विशेषज्ञ बनकर वाट्सऐप पर संपर्क किया। आरोपी ने शेयर में निवेश करने पर रकम दोगुनी होने का दावा किया। इसके बाद एक वेबसाइट पर उनका पंजीकरण कराया। शुरूआत में उनसे छोटी-छोटी रकम निवेश कराई गई। खाते में मुनाफा दिखने और कुछ रकम बैंक खाते में वापस आने से उन्हें आरोपी पर भरोसा हो गया। इसके बाद उसने अलग-अलग बैंक खातों में उनसे करीब 10 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। कुछ समय बाद शशिकांत को रुपये की जरूरत पड़ी तो उन्होंने निवेश की रकम निकालने की कोशिश की। इस पर आरोपी ने टैक्स के नाम पर अतिरिक्त रकम जमा कराने को कहा। रुपये न देने पर खाता फ्रीज करने की चेतावनी भी दी। शशिकांत ने अतिरिक्त रकम देने से इनकार किया तो आरोपी ने उनसे बातचीत बंद कर दी। जालसाजों ने ग्रेटर नोएडा निवासी प्रशांत को शेयर बाजार में निवेश के नाम पर अपने जाल में फंसाया। आरोपियों ने उन्हें अधिक मुनाफा मिलने का भरोसा दिलाया। इसके बाद 18 अक्तूबर तक उनसे छह लाख रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करा लिए। जब प्रशांत ने मुनाफे समेत अपनी रकम निकालने का प्रयास किया तो आरोपियों ने जवाब देना बंद कर दिया। उन्होंने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर शिकायत करने के साथ साइबर क्राइम थाने में भी संपर्क किया। साइबर क्राइम थाना प्रभारी ने बताया कि शिकायतों के आधार पर मामले दर्ज कर लिए गए हैं। ठगी में इस्तेमाल किए गए बैंक खातों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने लोगों से अनजान व्यक्तियों के कहने पर निवेश नहीं करने और किसी भी तरह की एपीके फाइल डाउनलोड करने से बचने की अपील की है।

टीम लीडर पर डिलीवरी ब्वॉय से मारपीट करने का आरोप

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर बीटा-2 कोतवाली क्षेत्र में टीम लीडर ने अपने साथियों के साथ मिलकर डिलीवरी ब्वॉय को पीटा और उसे सड़क पर फेंक कर भाग गए। घायल का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने इस मामले में टीम लीडर समेत तीन के खिलाफ केस दर्ज किया है। सेक्टर बीटा-2 कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक जुनपत गांव के रहने वाले विशाल ने बताया कि उसका चचेरा भाई जोंटी बिरौंडा गांव स्थित जेप्टो सुपर मार्केट में डिलीवरी ब्वॉय का काम करता है। आरोप है कि टीम लीडर बॉबी नागर ने 21 अक्तूबर को अपने साथी शिवम और हर्ष के साथ मिलकर जोंटी के साथ बुरी तरह मारपीट की। आरोपी उसे अधमरी हालत में सड़क किनारे फेंक कर भाग गए। राहगीरों की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और घायल को अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में जोंटी का इलाज चल रहा है। अब इस मामले में पुलिस ने विशाल की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

महिला सुरक्षा और अपराधों की रोकथाम पर चर्चा

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-61 में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस ने आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों के साथ बैठक की। थाना सेक्टर-58 क्षेत्र में आयोजित गोष्ठी में महिला सुरक्षा, आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने और पुलिस व आम लोगों के बीच बेहतर तालमेल बनाने पर चर्चा हुई। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में हुई बैठक में एसीपी-2 नोएडा मयंक तिवारी ने स्थानीय सुरक्षा समस्याओं और उनके समाधान पर विचार-विमर्श किया। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से किरायेदारों, घरेलू सहायकों और सुरक्षा कर्मियों का पुलिस सत्यापन कराने की अपील की। इससे संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करने और संभावित अपराधों को रोकने में मदद मिलेगी। साथ ही, किसी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने के लिए कहा गया। बैठक के बाद एसीपी-2 ने पुलिसकर्मियों के साथ क्षेत्र में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने पीआरवी और पीसीआर वाहनों को लगातार क्षेत्र में भ्रमणशील रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों के सहयोग से सुरक्षा व्यवस्था बेहतर बनाने और अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

राष्ट्रीय डीएवी खेल प्रतियोगिता में मुकाबले आज से, पहले दिन हुए शारीरिक प्रशिक्षण

एजेंसी

नोएडा। खेल प्रतिभाओं को तराशने और युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गौतमबुद्ध नगर जिले में तीन दिवसीय राष्ट्रीय डीएवी खेल प्रतियोगिता का शानदार और गरिमामय आगाज हो गया है। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए देशभर के विभिन्न राज्यों और डीएवी संस्थानों से सैकड़ों महिला एवं पुरुष खिलाड़ी गौतमबुद्ध नगर पहुंचे हैं। प्रतियोगिता के पहले दिन शनिवार को सभी खिलाड़ियों का स्वागत किया गया और उनके लिए एक विशेष शारीरिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया, जिसमें खिलाड़ियों को फिटनेस, अनुशासन और मुकाबलों के दौरान अपनी ऊर्जा के सही इस्तेमाल के टिप्स दिए गए। यह खेल आयोजन केवल प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के कोने-कोने से आए युवा एथलीटों के लिए आपस में जुड़ने, एक-दूसरे की खेल तकनीकों को सीखने और राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाने का एक सुनहरा अवसर भी है। तीन दिनों तक चलने वाले इस खेल महाकुंभ में महिला



और पुरुष दोनों वर्गों के खिलाड़ी विभिन्न चुनौतीपूर्ण और रोमांचक स्पधाओं में अपना दमखम दिखाएंगे। विविध खेल स्पधाएं: शक्ति, तकनीक और गति का अनूठा संगम राष्ट्रीय डीएवी खेल प्रतियोगिता में कई प्रमुख और लोकप्रिय खेलों को शामिल किया गया है। इस दौरान प्रतिभागी निम्नलिखित खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे: वेटलिफ्टिंग (भारोत्तोलन): खिलाड़ी अपनी शारीरिक ताकत और संतुलन का परिचय देते हुए स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक के लिए वजन उठाएंगे। वुशू और मार्शल आर्ट्स: वुशू के मुकाबलों में खिलाड़ियों की चपलता, गति और सटीक आक्रमण तकनीक देखने को मिलेगी। बॉक्सिंग (मुक्केबाजी): रिंग के भीतर रिंग-क्राफ्ट, पंचिंग पावर और स्टैमिना का कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। कराटे और ताइक्वांडो: आत्मरक्षा और अनुशासन पर आधारित इन खेलों में खिलाड़ी अपने काता, कुमिते और किक्स के माध्यम से अंक हासिल करेंगे। कुश्ती: अखाड़े के मैट पर दांव-पेच और शारीरिक शक्ति की जंग देखने को मिलेगी। खो-खो: भारत का पारंपरिक खेल, जो अपनी तेज गति, टीम वर्क और रणनीति के लिए जाना जाता है, दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहेगा। फुटबॉल: मैदान पर खिलाड़ियों का तालमेल, पासिंग और गोल करने की होड़ दर्शकों में रोमांच भरेगी। प्रतियोगिता को सुचारू, सुरक्षित और निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने के लिए आयोजकों ने गौतमबुद्ध नगर (ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट) के चार अत्याधुनिक एवं विश्वस्तरीय खेल परिसरों का चयन किया है। विभिन्न खेलों की प्रकृति और आवश्यकताओं के अनुसार इन मैदानों का आवंटन किया गया है: 1. मलकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम (सूरजपुर, ग्रेटर नोएडा) ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर स्थित मलकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम को हेवी और कॉम्बैट स्पोर्ट्स के लिए तैयार किया गया है। इस स्टेडियम में: खो-खो: यहाँ खो-खो के रोमांचक मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। पुरुषों और महिलाओं की टीमें अपनी गति और चालाकी से अंक जुटाने की पूरी कोशिश करेंगी। 3. शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (ग्रेटर नोएडा) ग्रेटर नोएडा का यह प्रमुख और विशाल खेल परिसर प्रतियोगिता के कई मुख्य मुकाबलों का साक्षी बनेगा। यहाँ पर: कराटे और ताइक्वांडो: दोनों मार्शल आर्ट्स खेलों के लिए विशेष मैट स्थापित किए गए हैं। 4. स्पोर्टीज जिम्नास्टिक हाई परफॉर्मेंस सेंटर (बिसरख, ग्रेटर नोएडा वेस्ट) जिम्नास्टिक की बारीक तकनीकों और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ग्रेटर नोएडा वेस्ट के बिसरख स्थित स्पोर्टीज जिम्नास्टिक हाई परफॉर्मेंस सेंटर को चुना गया है। जिम्नास्टिक: यहाँ आधुनिक उपकरणों पर जिम्नास्ट अपने कलात्मक और एथलेटिक कौशल का प्रदर्शन करेंगे। पहले दिन का आकर्षण: शारीरिक प्रशिक्षण और फिटनेस सत्र प्रतियोगिता के औपचारिक मुकाबलों की शुरूआत से पहले शनिवार का दिन खिलाड़ियों की तैयारी और वार्म-अप को समर्पित रहा। प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचे एथलीटों को योग्य प्रशिक्षकों और शारीरिक विशेषज्ञों द्वारा गहन शारीरिक प्रशिक्षण दिया गया। इस सत्र के दौरान: वार्म-अप और स्ट्रैचिंग: लंबी यात्रा के बाद खिलाड़ियों की मांसपेशियों को मुकाबलों के लिए तैयार करने हेतु विशेष स्ट्रैचिंग एक्सरसाइज कराई गई। मानसिक और शारीरिक तालमेल: खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के दबाव से निपटने और शांत मन से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने के गुर सिखाए गए। सुरक्षा एवं नियम: खेल के दौरान चोटों से बचने और राष्ट्रीय खेल नियमों का कड़ाई से पालन करने से जुड़े दिशा-निर्देश भी दिए गए। खिलाड़ियों और आयोजकों में भारी उत्साह राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता को लेकर डीएवी प्रबंधन, स्थानीय खेल प्रेमियों, प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। देश के विभिन्न राज्यों से आए युवा खिलाड़ी अपनी-अपनी टीमों की जर्सी में देशभक्ति और खेल भावना के साथ मैदान में उतरने को तैयार हैं। आयोजन समिति के अनुसार, इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य युवाओं में स्वास्थ्य, फिटनेस और खेल संस्कृति का प्रसार करना है। तीन दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में कई राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय कोच भी मौजूद रहेंगे, जो उभरती हुई प्रतिभाओं पर नजर रखेंगे ताकि भविष्य की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय तियोगिताओं के लिए उत्कृष्ट खिलाड़ियों की पहचान की जा सके। रविवार से सभी स्थलों पर विभिन्न खेलों के शुरूआती और नॉकआउट मुकाबले शुरू हो जाएंगे। दर्शकों के लिए भी स्टेडियमों में मैच देखने की उचित व्यवस्था की गई है,

4.15 करोड़ की हेरोइन बरामदगी मामले में चौथा आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

गुरुग्राम। करीब 4.15 करोड़ रुपये कीमत की 2 किलो 125 ग्राम हेरोइन बरामदगी के मामले में नूंह पुलिस को एक और कामयाबी मिली है। अपराध अनुसंधान शाखा (सीआईए) तावडू ने मामले में कार्रवाई करते हुए शनिवार को चौथे आरोपी समीम उर्फ काला निवासी नानुका को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर पांच दिन के पुलिस रिमांड की मांग की है। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी से नशे की सप्लाई के स्रोत, तस्करी नेटवर्क और इस धंधे में शामिल अन्य लोगों के बारे में पूछताछ की जाएगी। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, 19 सितंबर को सीआईए तावडू की टीम ने रंगाला घाटी के पास कार्रवाई करते हुए एक काली क्रेटा गाड़ी से 2 किलो 125 ग्राम हेरोइन बरामद की थी। इस दौरान पुलिस ने अरबाज निवासी नानुका और सलीम निवासी खेड़ी को गिरफ्तार किया था। मामले की जांच आगे बढ़ने पर जाहिद निवासी पडली को भी गिरफ्तार किया गया। अब 23 अक्टूबर को समीम उर्फ काला की गिरफ्तारी के बाद इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या चार हो गई है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में समीम उर्फ काला ने एक नशा तस्कर से 100 ग्राम हेरोइन खरीदने की बात बताई है। पुलिस अब आरोपी की निशानदेही पर उक्त हेरोइन बरामद करने और संबंधित नशा तस्कर को गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है। इसके अलावा आरोपी से नशीले पदार्थों की सप्लाई से जुड़े अन्य संपर्कों और ठिकानों के बारे में भी जानकारी जुटाई जाएगी। विदेशी नागरिकों की भूमिका की भी जांच पुलिस जांच में इस मामले में विदेशी नागरिकों की भूमिका भी सामने आई है। पुलिस इस पहलू सहित नशे की सप्लाई और वितरण से जुड़े अन्य संभावित संपर्कों की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, मामले में चार से पांच अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी संभव है। सीआईए तावडू की टीम मामले की विभिन्न कड़ियों को जोड़ते हुए नशा तस्करी के पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

धूल नियंत्रण उपायों की स्थिति का आंकलन करने को जोनवार होगी निगरानी

एजेंसी

गुरुग्राम। शहर में धूल प्रदूषण पर नियंत्रण सुनिश्चित करने और वायु गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से नगर निगम गुरुग्राम ने निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। निगमायुक्त प्रदीप दहिया द्वारा जारी आदेश के तहत सीएक्यूएम सिटी एक्शन प्लान के प्रभावी क्रियान्वयन और धूल नियंत्रण उपायों की निगरानी के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को विभिन्न जोन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस आदेश का उद्देश्य सडकों के पुनर्विकास के बाद किए गए कार्यों का सत्यापन करना और संबंधित सडकों पर धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए लागू किए गए उपायों की समीक्षा सुनिश्चित करना है। इसके लिए अधिकारियों को जोनवार निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है, ताकि



निर्धारित कार्यों की प्रगति और धूल नियंत्रण उपायों की स्थिति का आंकलन किया जा सके। आदेश के अनुसार जोन-1 व जोन-2 की निगरानी निगमायुक्त स्वयं करेंगे। वहीं अतिरिक्त निगमायुक्त अंकिता चौधरी जोन-3 व जोन-4, अतिरिक्त निगमायुक्त यश जालुका जोन-5 व जोन-6 तथा अतिरिक्त निगमायुक्त रविन्द्र यादव सभी जोन में हॉर्टिकल्चर संबंधी कार्यों की निगरानी करेंगे। इस व्यवस्था के तहत संबंधित अधिकारी अपने निर्धारित क्षेत्रों में सीएक्यूएम सिटी एक्शन प्लान के अंतर्गत किए गए कार्यों और धूल नियंत्रण उपायों की स्थिति की समीक्षा करेंगे। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि निगरानी के दौरान सीएक्यूएम सिटी एक्शन प्लान के अंतर्गत पुनर्विकसित की गई सडकों का सत्यापन किया जाएगा। साथ ही, इन सडकों पर धूल नियंत्रण के लिए लागू किए गए उपायों का भी आकलन किया जाएगा। इस प्रक्रिया के माध्यम से यह जांचने पर ध्यान दिया जाएगा कि संबंधित सडकों पर धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए निर्धारित उपायों को किस प्रकार लागू किया गया है। अधिकारियों की निगरानी से संबंधित कार्यों की प्रगति और उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर समीक्षा की जाएगी। अतिरिक्त निगमायुक्त रविंदर यादव को सभी जोन में हॉर्टिकल्चर संबंधी कार्यों की समीक्षा एवं सत्यापन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अंतर्गत संबंधित कार्यों के आंकड़ों और प्रगति की जांच की जाएगी। आदेश के अनुसार, हॉर्टिकल्चर कार्यों के साथ-साथ तालाबों के पुनरुद्धार और वर्षा जल संचयन से संबंधित गतिविधियों की भी समीक्षा की जाएगी। इसका उद्देश्य सीएक्यूएम सिटी एक्शन प्लान में शामिल इन कार्यों की प्रगति और उपलब्ध जानकारी का सत्यापन करना है।

नूंह व इंडरी में वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के तहत कांग्रेस ने निकाला विरोध मार्च

एजेंसी

नोएडा। जिला कांग्रेस कमेटी नूंह के तत्वावधान में वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के तहत नूंह और इंडरी ब्लॉक में विरोध मार्च निकाला गया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंककर उनके इस्तीफे की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने लोकतंत्र की रक्षा, मताधिकार की सुरक्षा और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की। इंडरी ब्लॉक में आयोजित विरोध मार्च का नेतृत्व ब्लॉक अध्यक्ष रामकरण ने किया, जबकि नूंह ब्लॉक में कार्यक्रम की जिम्मेदारी ब्लॉक अध्यक्ष जमशेद खान ने संभाली। दोनों कार्यक्रमों में यूथ कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सचिन कुंडू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनता के अधिकारों की रक्षा के



लिए अपनी आवाज बुलंद करती रहेगी। वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक करने और लोकतंत्र की मजबूती के लिए संघर्ष जारी रखा जाएगा। दोनों कार्यक्रमों में महताब अहमद, हाजी इब्राहिम इंजीनियर बिसरू, जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष हाजी सुबराती खान और सोहराब खान, कोषाध्यक्ष खुर्शीद अहमद, महासचिव अंजुम हुसैन (पार्षद), वहीद सालंबा, मोहम्मद हाशिम, प्रवक्ता आसिफ अली, एससी विभाग से महेंद्र सिंह, सेवादल अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह, सचिव दयाराम, इकरून अली, अरशद खान, प्रदीप कुमार, असगर टाई, अख्तर हुसैन (सुपरिटेंडेंट), हाजी अब्बास जयसिंहपुर, नफीस छापड़ा, जीत सिंह सरपंच और सुरेंद्र सिंह सहित अनेक कांग्रेस नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दौहला गांव में महिला की हत्या में चचेरा देवर निकला कातिल -जमीन के एक लाख के लेन-देन में की थी हत्या

एजेंसी

गुरुग्राम। सोहना खंड के दौहला गांव में 35 वर्षीय महिला की हत्या की गुत्थी को अपराध शाखा सोहना ने सुलझा दिया है। पुलिस ने मृतका के दाह-संस्कार के 12 घंटे के अंदर ही मुख्य आरोपी सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। उसकी हत्या और किसी ने नहीं बल्कि उसके चचेरे देवर ने ही कराई थी। जमीन के एक लाख के लेनदेन में इस वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि पुलिस ने मुख्य आरोपी चचेरा देवर संदीप निवासी दौहला गांव, उसके साथी अनुज निवासी सहारनपुर उत्तराखंड व अवनिश निवासी रुडकी हरिद्वार को काबू किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि संदीप पहले भारतीय सेना में था, लेकिन धोखाधड़ी के कारण 2023 में उसका कोर्ट मार्शल हो गया था। वह अपने चचेरे भाई (मृतका के पति) की जमीन बिकवाना चाहता था और एक लाख रुपये ब्याना भी दिया था। लेकिन मृतका ने सौदा सस्ता होने की वजह से पति से वो एक लाख रुपये वापस करवा दिए। इसी रंजिश में संदीप ने हत्या की साजिश रची। संदीप की मुलाकात सेना में तैनाती के दौरान रुडकी में अनुज से हुई थी, अनुज के जरिए वह अवनिश से मिला। तीनों ने 31 अगस्त को घर की रेकी की। 16 अक्टूबर को सुबह तीनों बाइक से दौहला आए। पहली बार महिला फोन पर बात कर रही थी तो लौट गए। फिर सुबह 10:05 बजे संदीप और अनुज घर में घुसे, अवनिश बाहर पहरा देने लगा। बैग में लाई गई टेप से मुंह बंद किया, रस्सी से हाथ बांधे और गला दबाकर हत्या कर दी। रिमांड में बरामद हुआ लूट का माल पुलिस रिमांड के दौरान आरोपियों की निशानदेही पर लूटा गया सामान एक सोने की अंगूठी, दो सोने के टॉप्स, दो सोने की बालियां, एक सोने की चेन, 34 चांदी की बिछिया, दो मोबाइल फोन, दो मोटरसाइकिल, एक हेलमेट, एक फर्जी नंबर प्लेट, एक सेलो टेप, एक बैग और जूते। तीनों आरोपियों को अब न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले की जांच जारी है। बता दें कि 16 अक्टूबर की सुबह 7:45 बजे मृतका का पति अपने बच्चों को गढ़ी बाजीदपुर स्कूल छोडऩे गया था। घर पर महिला अकेली थी। दोपहर 02:30 बजे जब पति लौटा तो पत्नी मृत अवस्था में मिली। दोनों हाथ बंधे थे और मुंह पर टेप लगी थी। अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पति की शिकायत पर थाना सदर सोहना में हत्या का केस दर्ज हुआ।

जमीन की रजिस्ट्री के नाम पर 16 लाख की ठगी, छह पर केस

100 गज भूखंड का झांसा देकर ली रकम, फर्जी रजिस्ट्री का प्रयास

एजेंसी

नोएडा। 100 गज जमीन की रजिस्ट्री कराने का भरोसा देकर 16 लाख रुपये लेने और बाद में फर्जी रजिस्ट्री कराने का प्रयास करने का मामला सामने आया है। नॉलेज पार्क थाना पुलिस ने दिल्ली निवासी महिला की शिकायत पर प्रॉपर्टी कंपनी से जुड़े छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पूर्वी दिल्ली निवासी रीना पांडेय के अनुसार, मामला केडी प्रॉपर्टीज से जुड़ा है, जिसका वर्तमान नाम पूर्वांचल प्रॉपर्टीज है। कंपनी का कार्यालय नोएडा के सेक्टर-153 स्थित अर्बटेक एनपीएक्स की तीसरी मंजिल पर है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने 100 गज जमीन की रजिस्ट्री कराने का आश्वासन देकर उनसे रकम ली। उन्होंने 30 सितंबर



2025 को एक लाख रुपये, 30 नवंबर 2025 को 11.30 लाख रुपये और 22 जनवरी 2026 को 3.70 लाख रुपये ऑनलाइन जमा किए। इस तरह कुल 16 लाख रुपये का भुगतान किया गया। इसके अतिरिक्त 4.50 लाख रुपये के दो चेक भी दिए गए थे। पीड़िता ने बताया कि 22 जनवरी 2026 को उन्हें ग्रेटर नोएडा के गामा-2 स्थित रजिस्ट्री कार्यालय ले जाया गया। बाद में पता चला कि जिस व्यक्ति के नाम पर जमीन की रजिस्ट्री होनी थी, उसके नाम कोई भूमि ही नहीं थी। आरोप है कि उनके साथ फर्जी रजिस्ट्री कराने का प्रयास कर धोखाधड़ी की गई। रीना के मुताबिक, रकम लौटाने के नाम पर कंपनी की ओर से चार-चार लाख रुपये के तीन चेक दिए गए, जिनकी तारीख 10 मई, 25 मई और 10 जून 2026 थी। बैंक में लगाने पर तीनों चेक बाउंस हो गए। उन्हें 25 जून 2026 की तारीख का एक और चेक भी दिया गया, जिसके बाउंस होने की आशंका जताई गई है। पुलिस ने किशन कुमार, दिनेश चौधरी, रोहताश चौहान, गौरव, आकाश और प्रकाश के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

अमेरिका में काबू किए गए गैंगस्टर हिमांशु भाऊ का गुरुग्राम में दो बड़े अपराधों में हाथ

एजेंसी

गुरुग्राम। भारत के मोस्ट वांटेड गैंगस्टर हिमांशु भाऊ को अमेरिकी एजेंसियों ने गिरफ्तार कर लिया है। हरियाणा एसटीएफ, एनआईए और अन्य एजेंसियों द्वारा साझा की गई जानकारी के बाद हुई इस कार्रवाई में उसके साथी नीरज फरीदपुरिया को भी पकड़ा गया है। गुरुग्राम पुलिस को उम्मीद है कि इसके भारत आते ही कई बड़े मामलों के राज खुलेंगे। गुरुग्राम में हिमांशु भाऊ का नाम दो बड़ी वारदातों में सामने आया था। पहली वारदात यूट्यूबर एल्विश यादव के घर पर फायरिंग की थी। एल्विश यादव के सेक्टर-57 स्थित घर पर तीन शूटरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की थी। वारदात से पहले एल्विश को करोड़ों की रंगदारी के लिए फोन पर धमकी भी दी गई थी। बाद में सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर इस वारदात की जिम्मेदारी ली गई थी, जिसमें हिमांशु भाऊ का नाम लिखा था। पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था। दूसरी वारदात बिग बॉय टॉयज कार शोरूम पर फायरिंग की थी। करीब पांच महीने पहले हीरो होंडा चौक के पास बिग बॉय टॉयज कार शोरूम पर भी कई राउंड फायरिंग हुई थी। इसकी जिम्मेदारी भी हिमांशु भाऊ गैंग ने ली थी। गुरुग्राम समेत दिल्ली-एनसीआर में हिमांशु के खिलाफ दर्जनों केस दर्ज हैं। हरियाणा में बढ़ते गैंगवार और रंगदारी के मामलों को देखते हुए हरियाणा एसटीएफ ने अगस्त 2026 में हिमांशु भाऊ, रोहित गोदारा, रणदीप मलिक और अनिल पंडित पर 10-10 लाख रुपये का इनाम घोषित करने की सिफारिश की थी। हरियाणा एसटीएफ के पुलिस अधीक्षक वसीम अकरम ने बताया कि डिपोर्टेशन की प्रक्रिया जल्द पूरी होगी। हिमांशु को हरियाणा एसटीएफ ही भारत लाएगी। उसके बाद उससे पूछताछ होगी, जिससे विदेश में बैठे दूसरे गैंगस्टरों के नेटवर्क का भी खुलासा होने की उम्मीद है। पुलिस का मानना है

संक्षिप्त समाचार

एलपीजी सिलेंडर पर एचपीसीएल को रहा है 245 रुपये का नुकसान

मुंबई, एजेंसी। कच्चे तेल की अधिक कीमतों की वजह से इस समय ऑयल रिफाइनरी कंपनियों



को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। मौजूदा समय में एक सिलेंडर पर एचपीसीएल को 245 रुपये का नुकसान हो रहा है। एचपीसीएल के मैनेजिंग डायरेक्टर विकास कौशल के अनुसार नवंबर में यह नुकसान 327 रुपये के स्तर पर पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि कंपनियों को पश्चिम एशिया में जारी गतिरोध की वजह से यह नुकसान हो रहा है। बता दें, विश्व भर में कई मोर्चे पर जारी युद्ध की वजह से कच्चे तेल की कीमतें इस समय सातवें आसमान पर है। यही वजह है कि ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को भारी नुकसान हो रहा है। एचपीसीएल के एमडी ने कहा कि उन्होंने कहा कि जुलाई से सितंबर के दौरान उन्होंने 500 करोड़ रुपये का नुकसान के साथ एलपीजी सिलेंडर की बिक्री की है। बता दें, मौजूदा समय में इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन और हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन ने मार्केट प्राइस से कम की कीमत पर घरेलू सिलेंडर की बिक्री की है। जिसकी वजह से इन कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। मौजूदा समय में कंपनियां सिर्फ कच्चे तेल की अधिक कीमतों की वजह से ही नहीं परेशान हैं। माल ढुलाई की बढ़ती लागत का भी असर कंपनियों के बहिखाते पर पड़ रहा है। कंपनी के अनुसार स्वेजमैक्स टैंकर का भाड़ा 9 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है। जोकि पहली तिमाही में 4 डॉलर प्रति बैरल था। इन सबके अलावा मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए आपतकालीन खरीद पर विचार कर रहा है। एचपीसीएल ने पिछले हफ्ते तिमाही नतीजों का ऐलान किया है। कंपनी ने दी जानकारी में बताया है कि दूसरी तिमाही में कुल नेट प्रॉफिट 3625.22 करोड़ रुपये रहा है। पहली तिमाही में कंपनी को 12264.67 करोड़ रुपये का नेट लॉस हुआ है। बता दें, सालाना आधार पर कंपनी का प्रॉफिट 6.1 प्रतिशत घट गया है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट (टैक्स भुगतान के बाद) के 3859 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी का रेवन्यू (ऑपरेशंस) से सालाना आधार पर 26.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 139140 करोड़ रुपये रहा है। इससे पहले पिछले साल कंपनी को 110323 करोड़ रुपये की आय हुई थी।

सोमवार को बंद रहेंगे बैंक, आरबीआई ने दी 26 अक्टूबर की छुट्टी

नईदिल्ली, एजेंसी। सोमवार को बैंक बंद रहने वाले हैं। अगर आप 26 अक्टूबर को बैंक ब्रांच जाकर अपना काम निपटाने का प्लान कर रहे हैं तो पहले जान लीजिए कि आपके राज्य में बैंक खुले हैं या नहीं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के कैलेंडर के मुताबिक सोमवार को बैंक ज्यादातर राज्यों में बंद रहने वाले हैं। यहां जानिये कल किन-किन राज्यों में और बैंक क्यों बंद रहने वाले हैं। आरबीआई के कैलेंडर के मुताबिक सोमवार 26 अक्टूबर को बैंक लक्ष्मी पूजा, एक्सेशन डे और महर्षि वाल्मीकि जयंती के कारण बंद है। बैंक त्रिपुरा, चंडीगढ़, जम्मू, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, जम्मू और कश्मीर में बंद रहने वाले हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की छुट्टियों की लिस्ट के हिसाब से बैंक लक्ष्मी पूजा, एक्सेशन डे और महर्षि वाल्मीकि जयंती के कारण बंद रहेंगे। कल इन राज्यों में सभी सरकारी और प्राइवेट सेक्टर बैंक जैसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा, एक्सिस, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई जैसे तमाम बैंक बंद रहेंगे। लक्ष्मी पूजा हिंदू धर्म का प्रमुख त्योहार है। इस दिन धन और समृद्धि की देवी मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है।

दिवाली से ठीक पहले सोना में तेज गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवाली से ठीक पहले सोने की कीमतों में तेज गिरावट देखी गई है। इससे खरीदारों और निवेशकों के लिए एक अहम सवाल खड़ा हो गया है। क्या यह गिरावट कीमती धातु को जमा करने या खरीदने का मौका है या कीमतें स्थिर होने से पहले और गिर सकती हैं इस हफ्ते सोने की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में लगभग 4 प्रतिशत की गिरावट आई। यह चार महीनों से अधिक समय में उसका सबसे कमजोर साप्ताहिक प्रदर्शन है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, नए सिरे से महंगाई की चिंताओं और सख्त अमेरिकी मौद्रिक नीति की आशंकाओं के कारण सोना 4,000 डॉलर प्रति औंस तक फिसल गया।

इस गिरावट का असर घरेलू बाजारों पर भी पड़ा है। हफ्ते के दौरान एमसीएक्स सोने के वायदा भाव लगभग 4 प्रतिशत लुढ़क गए। यह 1,41,334 रुपये के इंट्रा-वीक लो को छूने के बाद 1,42,024 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब बंद हुआ। शुक्रवार को वायदा सोना 0.92 प्रतिशत या 1,315 रुपये गिरकर लगभग 1,41,994 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ।

क्यों गिर रही हैं सोने की कीमतें

तेल की बढ़ती कीमतें सोने के लिए बड़ी बाधा बनकर उभरी हैं। सऊदी अरब के ऑयल इंफ्रास्ट्रक्चर पर हूती



विद्रोहियों के हमलों के बाद एनर्जी सप्लाई में व्यवधान की चिंताओं के बीच ब्रेंट क्रूड 112 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चढ़ गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें महंगाई को बढ़ावा दे सकती हैं। इससे संभावित रूप से केंद्रीय बैंक ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंचा रखने के लिए प्रेरित हो सकते हैं।

ऊंची ब्याज दरें और ट्रेजरी यील्ड

आम तौर पर सोने की अपील को कम कर देती हैं। कारण है कि धातु इंटरेस्ट इनकम जेनरेट नहीं करती है। अपेक्षाकृत मजबूत अमेरिकी डॉलर ने दबाव बढ़ा दिया है।

अलग-अलग एसेट क्लास में बिकवाली ने भी गिरावट में योगदान दिया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से संबंधित शेयरों से जुड़े इक्विटी बाजार में करेक्शन ने निवेशकों को मार्जिन कॉल को पूरा करने के लिए लिक्विड होल्डिंग्स बेचने के लिए प्रोत्साहित किया। इससे कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ गया।

सोने की कीमत का आउटलुक

तत्काल आउटलुक अनिश्चित बना हुआ है। एक्सपर्ट 4,000 डॉलर प्रति औंस की सीमा पर नजर रख रहे हैं। सेबी-रजिस्टर्ड ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थटेक फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि बिकवाली के दौरान सोना 4,000 डॉलर से नीचे फिसलने के बाद सप्ताह के अंत में 4,008 डॉलर के करीब पहुंच गया। तत्काल समर्थन क्षेत्र 3,970 डॉलर - 4,000 डॉलर पर है, जबकि इस सीमा से नीचे का ब्रेक कीमतों को 3,900 डॉलर तक खींच सकता है। ऊपर की ओर सोने को 4,070 डॉलर - 4,100 डॉलर पर रजिस्टेंस का सामना करना पड़ रहा है। इसके बाद 4,170 डॉलर - 4,200 डॉलर पर रजिस्टेंस का सामना करना पड़ रहा है। निकट अवधि के टेक्निकल आउटलुक में सुधार के लिए इन स्तरों से ऊपर लगातार आगे बढ़ने की जरूरत होगी। घरेलू बाजार में पोनमुडी ने एमसीएक्स सोने के लिए तत्काल समर्थन जोन के रूप में 1,40,000-1,41,000 रुपये की पहचान की।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक का दमदार प्रदर्शन, विकास की रफ्तार मजबूत

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंकों में शामिल और यूनिवर्सल बैंक में रूपांतरण के लिए भारतीय रिजर्व बैंक से सैद्धांतिक अनुमोदन प्राप्त करने वाले एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने 30 सितंबर 2026 को समाप्त तिमाही के वित्तीय परिणाम घोषित किए। बैंक ने इस तिमाही में सभी प्रमुख कारोबारी और वित्तीय मापदंडों पर मजबूत वृद्धि दर्ज की, जो उसकी निरंतर विकास गति, बेहतर लाभप्रदता और मजबूत परिसंपत्ति गुणवत्ता को दर्शाती है। वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (क्यू2 एफवाय27) में बैंक का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 53 प्रतिशत बढ़कर 858 करोड़ हो गया। इस दौरान शुद्ध ब्याज आय में 32 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह पिछले वर्ष की समान तिमाही के 2,144 करोड़ से बढ़कर 2,820 करोड़ पर पहुंच गई। बैंक का शुद्ध ब्याज मार्जिन भी क्यू2 एफवाय26 के 5.5 प्रतिशत से बढ़कर 5.8 प्रतिशत हो गया, जो 33 बेसिस पॉइंट की सालाना वृद्धि दर्शाता है। वहीं, फंड की लागत 43 बेसिस पॉइंट घटकर 6.83 प्रतिशत से 6.41 प्रतिशत पर आ गई। क्रेडिट कार्ड और ट्रांजेक्शन बैंकिंग से प्राप्त शुल्क आय के समर्थन से कोर अन्य आय में 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 736 करोड़ रही। इसके अतिरिक्त, क्रेडिट कॉस्ट में भी उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया, जो 1.2 प्रतिशत से घटकर 0.8 प्रतिशत पर आ गई। बैंक का वार्षिकीकृत परिसंपत्तियों पर प्रतिफल 1.7 प्रतिशत और इक्विटी पर प्रतिफल 16.1 प्रतिशत रहा। बैंक की जमा और ऋण पुस्तिका में भी मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। 30 सितंबर 2026 तक बैंक की कुल जमा राशि 1,70,460 करोड़ रही, जो सालाना आधार पर 28.6 प्रतिशत की वृद्धि है और बैंकिंग प्रणाली की वृद्धि दर की लगभग 1.6 गुना है।

आग की घटना पर थिंक गैस का स्पष्टीकरण

भोपाल। भोपाल के भानपुर ब्रिज के पास 24 अक्टूबर को थिंक गैस की गैस पाइपलाइन के निकट आग लगने की घटना से संबंधित मीडिया रिपोर्टों के संदर्भ में कंपनी की ओर से निम्नलिखित स्पष्टीकरण दिया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही थिंक गैस की इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम तत्काल मौके पर पहुंची और जनसुरक्षा सुनिश्चित करने तथा स्थिति को और गंभीर होने से रोकने के लिए गैस आपूर्ति को तत्काल बंद करने सहित आवश्यक एहतियाती कदम उठाए। इसके बाद टीम ने आवश्यक सुधार एवं मरम्मत कार्य शुरू किया और चरणबद्ध तरीके से गैस आपूर्ति बहाल की। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, गैस पाइपलाइन के आसपास अज्ञात व्यक्तियों द्वारा कचरा या मलबा जलाए जाने के कारण आग लगने की आशंका है। घटनास्थल पर बैरिकेडिंग भी की गई थी। हालांकि, घटना के सटीक कारणों और परिस्थितियों का पता लगाया जा रहा है। इस मामले की जांच सुनिश्चित करने और घटना के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के उद्देश्य से थिंक गैस अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करा रही है। थिंक गैस का भोपाल जिले में व्यापक सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क है। भूमिगत गैस पाइपलाइनों की सुरक्षा के लिए नेटवर्क पर रूट मार्कर, सावधानी संबंधी चेतावनी बोर्ड और आपातकालीन संपर्क नंबर प्रदर्शित करने वाले बोर्ड लगाए गए हैं। कंपनी निर्धारित सुरक्षा मानकों और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रक्रियाओं का पालन करती है। आमजन की सुरक्षा और गैस वितरण नेटवर्क की संरक्षा कंपनी की सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं। हाल ही में भोपाल के जिला कलेक्टर ने विभिन्न यूटिलिटी एजेंसियों, जिनमें सड़क चौड़ीकरण का कार्य करने वाले ठेकेदार भी शामिल हैं, के साथ बैठक कर गैस पाइपलाइनों के आसपास काम करते समय निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने की सलाह दी थी।

पी एंड जी इंडिया के ब्रांड्स पहली बार एक बिल्कुल नए और अनूठे अंदाज में

भोपाल। पी एंड जी इंडिया ने पी एंड जी लूप - द क्रिएटर कलेक्टिव का अनावरण किया। इस पहल के तहत भारत में पहली बार अलग-अलग श्रेणी के सभी आईकोनिक ब्रांड्स को एक साझा मंच पर लाया गया है। मुंबई के डोम ञ्च एनएससीआई एसवीपी में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में हज़ारों क्रिएटर्स और सांस्कृतिक हस्तियों के साथ पी एंड जी के वैश्विक और भारतीय नेतृत्वकर्ता, वैज्ञानिक, ब्रांड एंबेसडर और साझेदार भी शामिल हुए। इस विशेष अनुभव के जरिए प्रतिभागियों को कंपनी के उत्पादों के पीछे के विज्ञान, उपभोक्ताओं की जरूरतों की समझ और नवाचार को करीब से समझने का अवसर मिला। पी एंड जी में नवाचार की शुरुआत उपभोक्ताओं की गहरी समझ और उनकी बदलती जरूरतों को पहचानने से होती है। उपभोक्ता को प्राथमिकता देने की सोच के साथ पी एंड जी लूप क्रिएटर्स को ऐसे नए अवसर प्रदान करता है, जिससे वे पी एंड जी के उत्पादों के पीछे के विज्ञान और सोच को करीब



से जान सकें। इससे उत्पाद नवाचार और उसके फायदों को उपभोक्ताओं तक पहुँचाना और अधिक प्रासंगिक व सहज रुप से समझाना आसान हो जाता है। इमर्सिव ब्रांड वर्ल्ड, विशेषज्ञों के साथ बातचीत, इंटरैक्टिव मास्टरक्लास और लाइव डेमोंस्ट्रेशन के ज़रिए, यह अनुभव रोज़मर्रा के उत्पादों के पीछे की कहानियों को जीवंत कर देता है। यह कार्यक्रम पी एंड जी के आईकोनिक ब्रांडों और उनके नवीनतम उत्पादों को भी सामने लाता है। यह दर्शाता है कि कैसे उपभोक्ताओं की समझ, वैज्ञानिक विशेषज्ञता और निरंतर नवाचार मिलकर ऐसे उत्पाद तैयार करते हैं, जो वास्तविक जीवन की जरूरतों को पूरा करते हैं।

पारंपरिक उत्पाद प्रदर्शन से आगे बढ़कर, पी एंड जी लूप क्रिएटर्स को ब्रांड्स को तैयार करने के पीछे के अनुसंधान, फॉर्मूलेशन साइंस और उसमें बरती जाने वाली सावधानी को समझने का अवसर देता है। इसका प्रमुख उद्देश्य रोज़मर्रा के जीवन को बेहतर बनाना और उपभोक्ताओं की उन ज़रूरतों को पूरा करना है, जिनके लिए अभी पर्याप्त समाधान उपलब्ध नहीं हैं। पी एंड जी इंडिया के सीईओ कुमार वेंकटसुब्रमणियन ने कहा, पी एंड जी में, नवाचार की शुरुआत उपभोक्ताओं की गहरी समझ और उनकी बदलती जरूरतों को पूरा करने की प्रतिबद्धता से होती है। उपभोक्ता को प्राथमिकता देने की सोच के अनुरूप, हम विज्ञान, शोध और उपभोक्ताओं की समझ को एक साथ लाते हैं।

नेटवेब टेक्नोलॉजी ने जारी कर दिया क्यूडब्ल्यू रिजल्ट, 60 प्रतिशत बढ़ा नेट प्रॉफिट

नईदिल्ली, एजेंसी। एआई कंपनी नेटवेब टेक्नोलॉजी ने तिमाही नतीजों का ऐलान कर दिया है। कंपनी की तरफ से कल शनिवार को तिमाही नतीजों की जानकारी दी गई है। तिमाही दर तिमाही के आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 60 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वहीं, रेवन्यू में 61 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है।

एआई कंपनी ने दी जानकारी में कहा है कि दूसरी तिमाही के दौरान कुल रेवन्यू 1323 करोड़ रुपये रहा है। पहली तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 819 करोड़ रुपये रहा था। नेट प्रॉफिट कंपनी का 60.60 प्रतिशत बढ़ा है। यह पहली तिमाही के दौरान 127 करोड़ रुपये रहा है। पहले क्वार्टर में यह 85.30 करोड़ रुपये रहा था। बता दें, कंपनी का पहली तिमाही के दौरान 119.80 करोड़ रुपये रहा था। जोकि इस बार 197 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है।

इस कंपनी के पास 30 सितंबर 2026 तक कुल 2629 करोड़ रुपये का ऑर्डर बुक था। कंपनी ने बताया है कि 11151.80 करोड़ रुपये का काम पाइपलाइन में है। इसपर बातचीत चल रही है।

कंपनी ने दी जानकारी में कहा है कि दूसरी तिमाही में एआई सिस्टम का योगदान 1283.60 करोड़ रुपये रहा है। जोकि ऑपरेटिंग रेवन्यू का 59.90 प्रतिशत है। बता दें, पहली छमाही के दौरान इस कंपनी का 222 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। पिछले वित्त वर्ष की पहली



तिमाही में यह आंकड़ा 205.80 करोड़ रुपये रहा था। शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर बीएसई में यह स्टॉक 5.57 प्रतिशत की गिरावट के बाद 4335.85 रुपये के स्तर पर बंद हुआ था। पिछले एक महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 8 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। हालांकि, इसके बाद भी 2026 में एआई कंपनी के शेयरों का दाम 41 प्रतिशत बढ़ा है। एक साल में इस स्टॉक की कीमतों में 15 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है। बता दें, दो साल में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 64 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। तीन साल से शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को 416 प्रतिशत का रिटर्न इस कंपनी ने दिया है।

84,084 करोड़ का मेगा प्लान, गहरे समंदर में छिपा खजाना तलाशेगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार 84,084 करोड़ रुपये की 'समुद्र मंथन' योजना के तहत ऊर्जा कंपनियों के साथ गहरे पानी (डीपवाटर) में तेल और गैस की खोज (एक्सप्लोरेशन) का खर्च साझा करेगी। इसके तहत जोखिम भरे कुओं की खुदाई के खर्च का एक हिस्सा सरकार उठाएगी। ऑफशोर बेसिन की सिस्मिक मैपिंग के लिए फंड देगी। साथ ही साझा उत्पादन सुविधाएं बनाने में मदद करेगी।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 'समुद्र मंथन' कार्यक्रम के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसका मकसद भारत के गहरे पानी और बहुत गहरे पानी (अल्ट्रा-डीपवाटर) वाले क्षेत्रों में तेल-गैस खोजने के काम को आर्थिक रूप से बेहतर बनाना है। अभी तक यहां खुदाई का बहुत अधिक खर्च और भूगर्भीय अनिश्चितताओं के कारण निवेश कम रहा है। आयात पर भारत की भारी निर्भरता को कम करना है। दिशा-निर्देशों के अनुसार, यह योजना वित्त वर्ष 2030-31 तक चलेगी। इसमें वित्त वर्ष 2026-27 को तैयारी के वर्ष के रूप में रखा गया है, जबकि वित्त वर्ष 2027-28 से 2030-31 तक के समय को 'चरण-1' (फेज-1) माना जाएगा। पेट्रोलियम



सचिव नीरज मित्तल ने दिशा-निर्देशों की प्रस्तावना में इस योजना को हाल के समय में तेल और गैस क्षेत्र (अपस्ट्रीम) में शुरू की गई सबसे महत्वाकांक्षी पहल बताया है। उन्होंने कहा कि इससे भारत के रिजर्व में 60 करोड़ टन से अधिक तेल के बराबर संसाधन जुड़ सकते हैं। प्लान के मुख्य हिस्से के तहत सरकार गहरे पानी और बहुत गहरे पानी वाले क्षेत्रों में 56 खोज कुओं (एक्सप्लोरेटरी वेल्स) और चार स्ट्रैटिग्राफिक कुओं के लिए वित्तीय सहायता देगी। दिशा-निर्देशों के अनुसार, 400 मीटर से अधिक गहरे पानी को 'डीपवाटर' और 1,500 मीटर से अधिक गहरे पानी को 'अल्ट्रा-डीपवाटर' माना जाएगा। इन 56 खोज कुओं के लिए सरकार वास्तविक खर्च का 50 फीसदी तक हिस्सा देगी। लेकिन, प्रति कुआं अधिकतम 675 करोड़ रुपये की सीमा तय की गई है। चार स्ट्रैटिग्राफिक कुओं के लिए सरकार खर्च का 100 फीसदी तक हिस्सा दे सकती है।

ओप्पो इंडिया ने नई ओप्पो फाइंड एक्स10 सीरीज के साथ

प्रीमियम फ्लैगशिप स्मार्टफोन्स का स्तर और ऊंचा किया

नई दिल्ली, एजेंसी। ओप्पो इंडिया ने अपनी नई ओप्पो फाइंड एक्स10 सीरीज लॉन्च की है, जिसमें ओप्पो फाइंड एक्स10 और ओप्पो फाइंड एक्स10 प्रो मैक्स शामिल हैं। इसके साथ ही ओप्पो की इनोवेटिव और प्रीमियम फ्लैगशिप फाइंड एक्स सीरीज की 10वीं पीढ़ी की शुरुआत हो गई है। प्रीमियम स्मार्टफोन अनुभव का एक नया पैमाना तय करने के लिए तैयार की गई फाइंड एक्स10 सीरीज में शानदार ट्रू-टू-लाइफ इमेजिंग, बेमिसाल परफॉर्मेंस, जबरदस्त बैटरी बैकअप और आकर्षक रिफाइंड डिजाइन का मेल है। इसके साथ ही, नया कलरओएस 17 यूजर्स को एक बेहतरीन और स्मूथ सॉफ्टवेयर अनुभव प्रदान करता है। ओप्पो ने अपने फ्लैगशिप कनेक्टेड इकोसिस्टम का विस्तार करते हुए ओप्पो एन्को एक्स4 और ओप्पो पैड मिनी भी पेश किए हैं, ताकि यूजर्स बिना किसी रुकावट के एक ही फ्लो में तस्वीरें ले सकें, कंटेंट बना सकें और शेयर कर सकें। कुल मिलाकर, यह पूरा फ्लैगशिप पोर्टफोलियो रोजमर्रा के अनुभव को और बेहतर बनाता है, जिससे हर एक शॉट, एडिट और शेयर बिल्कुल वास्तविक और उस पल के करीब महसूस होता है।

ओप्पो फाइंड एक्स 10 सीरीज में ऐसा कैमरा सिस्टम दिया गया है, जिसे वास्तविक जीवन में दिखाई देने वाले दृश्यों के और करीब तस्वीरें लेने के लिए तैयार किया गया है। फाइंड एक्स 10 में डुअल



200 एमपी कैमरा सिस्टम दिया गया है, जबकि ओप्पो फाइंड एक्स 10 प्रो मैक्स में क्रांतिकारी ट्रिपल 200 एमपी कैमरा सिस्टम पेश किया गया है। इसमें पीछे दिए गए तीनों कैमरों में 200 एमपी का रिजॉल्यूशन मिलता है। हैसलब्लैड के साथ मिलकर विकसित किए गए इस कैमरा सिस्टम में नया ल्यूमो ट्रू इमेज इंजन और दूसरी पीढ़ी का ट्रू कलर कैमरा दिया गया है, जो तस्वीरों में प्राकृतिक रंग, टोन और बारीकियों को बेहतर तरीके से पेश करता है। वहीं, ल्यूमो कलर पैलेट की मदद से यूजर्स इन प्राकृतिक रंगों के आधार पर अपनी पसंद की अलग स्टाइल तैयार कर सकते हैं। वीडियो रिकॉर्डिंग के लिए भी इसमें सिनेमाई स्तर के फीचर्स दिए गए हैं। इनमें 4 के सिने-ग्रेड एचडीआर वीडियो, डॉल्बी विजन और ओपन गेट कैप्चर शामिल हैं। नया कलरओएस 17 एआई माइंड पायलट के साथ आता है, जिसमें एजेंट मोड दिया गया है। यह डिवाइस में मौजूद फोटो और फाइलों के साथ काम करके कई चरणों वाले कार्यों को पूरा कर सकता है।इस सीरीज में 8000 एमएएच तक की बैटरी दी गई है। वहीं, ओप्पो फाइंड एक्स 10 प्रो मैक्स में 2 एनएम तकनीक पर आधारित मीडियाटेक डाइमेंसिटी 9600 प्रो प्रोसेसर दिया गया है। इसके अलावा, सीरीज में नया बॉर्डरलेस डिजाइन भी पेश किया गया है। ओप्पो फाइंड एक्स 10 सीरीज के साथ ओप्पो पैड मिनी भी पेश किया गया है। यह कंपनी का पहला कॉम्पैक्ट 8.8 इंच का टैबलेट है, जिसमें छोटे और आसानी से साथ ले जाने योग्य डिजाइन के साथ फ्लैगशिप स्तर की परफॉर्मेंस और एआई आधारित प्रोडक्टिविटी फीचर्स दिए गए हैं। इसके अलावा, ओप्पो एनको एक्स 4 भी पेश किया गया है, जिसे डाइनऑडियो के साथ मिलकर विकसित किया गया है। इसमें शानदार साउंड क्वालिटी के साथ प्रीमियम ऑडियो अनुभव मिलता है। ये दोनों डिवाइस स्मार्टफोन से आगे ओप्पो के फ्लैगशिप अनुभव का विस्तार करते हैं। इनकी मदद से यूजर्स रोजमर्रा के कामों में बेहतर कनेक्टिविटी, उत्पादकता, रचनात्मकता और मनोरंजन का सहज अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। लॉन्च के मौके पर ओप्पो इंडिया की कम्युनिकेशंस प्रमुख गोल्डी पटनायक ने कहा, पिछली 10 पीढ़ियों से ओप्पो फाइंड एक्स सीरीज स्मार्टफोन इनोवेशन की सीमाओं को आगे बढ़ाती रही है। ओप्पो फाइंड एक्स 10 सीरीज के साथ हम उन समस्याओं को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं, जिनका सामना कंटेंट क्रिएटर्स को सबसे ज्यादा करना पड़ता है। इनमें आंखों से दिखाई देने वाले दृश्य और तस्वीरों के बीच अंतर, रोशनी बदलने के साथ तस्वीरों के परिणाम में बदलाव और ऐसे एआई फीचर्स शामिल हैं, जो काम आसान करने के बजाय प्रक्रिया को और लंबा बना देते हैं। पैड मिनी के जरिए ओप्पो एक नया डिवाइस फॉर्म फैक्टर पेश कर रहा है, जो कॉम्पैक्ट होने के साथ कंटेंट क्रिएटर्स के लिए भी उपयोगी है। वहीं, एनको एक्स 4 के साथ कंपनी ने अपने कनेक्टेड इकोसिस्टम को पूरा किया है, जिससे यूजर्स एक ही सहज प्रक्रिया में कंटेंट कैप्चर कर सकते हैं, उसे तैयार कर सकते हैं और शेयर कर सकते हैं। हैसलब्लैड के साथ मिलकर विकसित की गई ओप्पो फाइंड एक्स 10 सीरीज में हाई-रिजॉल्यूशन कैमरा हार्डवेयर और ओप्पो की नवीनतम कंप्यूटेशनल फोटोग्राफी तकनीक का संयोजन किया गया है। एलयूएमओ ट्रू इमेज इंजन को प्राकृतिक रंगों, रंगों की गहराई और बारीक विवरणों को बरकरार रखने के लिए तैयार किया गया है। इससे तस्वीरें जरूरत से ज्यादा प्रोसेस की हुई दिखने के बजाय वास्तविक दृश्य के अधिक करीब नजर आती हैं।

मन्नत हर खुशी पाने की का एक नया चैप्टर शुरू होने जा रहा है

मुंबई। सफलता का स्वाद चखने और दर्शकों का दिल जीतने के बाद, कलर्स का 'मन्नत हर खुशी पाने की' एक रोमांचक नए अध्याय के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। तन्वी डोगरा और नमिक पॉल इस शो में नए मुख्य किरदारों के रूप में नज़र आएंगे। यह कहानी दो बेहद स्वतंत्र सोच रखने वाले लोगों की है, जिनकी बिल्कुल अलगअलग दुनियाएं खाने के ज़रिए एकदूसरे से टकराती हैं। मन्नत जुनेजा (तन्वी डोगरा), जो अपने परिवार का विराट दा ढाबा चलाती है, मानती है कि खाने की असली पहचान उसकी सच्चाई, प्यार और उससे जुड़ी यादों में होती है। वहीं कबीर ओबेरॉय (नमिक पॉल), जो शानदार फाइनडाइनिंग रेस्तरां मेज़बानी का मालिक है, सटीकता, नवाचार और परफेक्शन को सबसे अधिक महत्व देता है। एक मध्यमवर्गीय पंजाबी परिवार में पलीबढ़ी मन्नत के लिए यह ढाबा सिर्फ एक कारोबार नहीं, बल्कि उसके पिता सुरिंदर से मिली एक अनमोल विरासत है, जिसमें उसके परिवार की यादें और सपने बसे हुए हैं। वहीं, वह अपराधबोध से जूझते हुए अपनी मां के भरोसे पर खरा उतरने की कोशिश भी करती है। दूसरी ओर, एक संपन्न परिवार द्वारा गोद लिए गए कबीर ने अपनी पहचान महत्वाकांक्षा, अनुशासन और उन लोगों के प्रति वफादारी के आधार पर बनाई है, जिन्होंने उसे एक घर दिया। लेकिन उसके सधे हुए व्यक्तित्व के पीछे एक जटिल अतीत छिपा है और उस त्रासदी का अपराधबोध भी, जिसने मन्नत के परिवार को बिखेर दिया था। जैसेजैसे विराट दा ढाबा की मिट्टी से जुड़ी गर्मजोशी और मेज़बानी की नफासत आमनेसामने आती है, उनके बीच व्यंजनों, महत्वाकांक्षाओं और अहंकार की टक्कर शुरू हो जाती है। उन्हें करीब लाएंगे, या फिर उनके दिलों में छिपे सच उन्हें एकदूसरे से दूर कर देंगे? तन्वी डोगरा मन्नत जुनेजा और नमिक पॉल कबीर ओबेरॉय की भूमिका में नज़र आएंगे। इनके साथ किशोरी शहाणे सारिका ओबेरॉय और सुप्रिया शुक्ला जॉली जुनेजा के किरदार में दिखाई देंगी।

दिल्ली चलो रैली से कितना बदलेगा सियासी परिदृश्य?



सौरभ वार्ष्णेय

चुनाव आयोग, राजनीतिक दलों और सरकार–सभी की जवाबदेही जनता के प्रति है। यदि 'दिल्ली चलो अभियान इस जवाबदेही को मजबूत करने और मतदाता के अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस पहल का माध्यम बनता है, तो इसका महत्व किसी एक रैली या राजनीतिक टकराव से कहीं अधिक होगा।

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव केवल सरकार चुनने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास, संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता और नागरिक अधिकारों की अभिव्यक्ति का आधार हैं। ऐसे में जब चुनाव प्रक्रिया अथवा मतदाता सूची की शुद्धता पर सवाल उठते हैं, तो उनका महत्व किसी एक राजनीतिक दल या गठबंधन तक सीमित नहीं रहता। यह लोकतंत्र की विश्वसनीयता से जुड़ा विषय बन जाता है। इसी संदर्भ में इंडिया गठबंधन ने चुनाव आयोग के खिलाफ अपना राजनीतिक अभियान तेज करने की तैयारी की है। गठबंधन की प्रस्तावित 'दिल्ली चलो रैली और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रतीकात्मक 'जन महाभियोग की घोषणा ने चुनावी पारदर्शिता, संवैधानिक जवाबदेही और विपक्ष की राजनीति को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। वहीं एसआईआर का आशय था कि मतदाता सूचि को संशोधित किया जाये जबकि बार बार सिस्टम की नाकामी साबित सामने आ रही है। ऐसे में इंडिया गठबंधन के दिल्ली चलो रैली से किना सियासी परिदृश्य बदलेगा यह देखने वाली बात होगी?

इंडिया गठबंधन को ले तो इनके प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, 30 अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रतीकात्मक 'जन महाभियोग आयोजित किया जाएगा, जबकि एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में 'दिल्ली चलो' रैली होगी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल के अनुसार, इस कार्यक्रम के माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने की मांग को लेकर जनता के सामने अपना पक्ष रखा जाएगा। गठबंधन का आरोप है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया में अनियमितताएं हुई हैं। हालांकि, इन आरोपों की वास्तविकता का आकलन संबंधित तथ्यों, दस्तावेजों और चुनाव आयोग के जवाब के आधार पर ही किया जाना चाहिए।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में मतदाता सूची तैयार करना और उसे नियमित रूप से अद्यतन रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल हों और अपात्र नाम हटाए जाएं, यह सुनिश्चित करना निर्वाचन व्यवस्था की जिम्मेदारी है। लेकिन इस प्रक्रिया में किसी पात्र नागरिक का नाम छूटने, गलत तरीके से हटने या किसी अन्य प्रकार की त्रुटि की शिकायत सामने आती है, तो उसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

एसआईआर जैसी प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक बनाना हो सकता है, लेकिन उसकी सफलता



केवल प्रशासनिक आंकड़ों से नहीं, बल्कि पारदर्शिता और नागरिकों के भरोसे से तय होगी। यदि किसी मतदाता को अपना नाम हटाए जाने या शामिल नहीं किए जाने की आशंका है, तो उसे आपत्ति दर्ज कराने, दस्तावेज प्रस्तुत करने और समयबद्ध समाधान प्राप्त करने का प्रभावी अवसर मिलना चाहिए। विशेष रूप से गरीबों, प्रवासी श्रमिकों, बुजुर्गों और उन नागरिकों के लिए व्यवस्था सरल होनी चाहिए, जिनके पास आवश्यक दस्तावेज जुटाने के सीमित साधन हैं।

इंडिया गठबंधन ने इसी प्रक्रिया में कथित गड़बडियों को अपना प्रमुख मुद्दा बनाया है। अब महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या विपक्ष अपने आरोपों को ठोस प्रमाणों के साथ सामने रख पाएगा और क्या चुनाव आयोग प्रत्येक शिकायत का स्पष्ट एवं तथ्यपरक उत्तर देगा? लोकतांत्रिक व्यवस्था में आरोप लगाने का अधिकार विपक्ष को है, लेकिन आरोपों की जांच और निष्कर्ष तथ्यों के आधार पर ही निकलने चाहिए।

चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जिसकी विश्वसनीयता लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उसकी जिम्मेदारी केवल चुनाव संपन्न कराना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और कानून के अनुरूप हो। आयोग के प्रति जनता का विश्वास कमजोर पड़ता है, तो चुनाव परिणामों की स्वीकार्यता और राजनीतिक व्यवस्था की स्थिरता भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए चुनाव आयोग को विपक्ष की आलोचना को केवल राजनीतिक आरोप मानकर खारिज करने के बजाय, जहां आवश्यक हो, तथ्यों के साथ जवाब देना चाहिए। मतदाता सूची में संशोधन, नाम हटाने की प्रक्रिया, दावों और आपत्तियों के निस्तारण तथा शिकायतों पर कार्रवाई से संबंधित जानकारी सार्वजनिक करना इस दिशा में उपयोगी कदम हो सकता है।

दूसरी ओर, किसी संवैधानिक पदाधिकारी पर लगाए गए आरोपों को प्रमाणित मान लेना भी उचित नहीं होगा। मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ इस्तीफे की मांग करना विपक्ष का राजनीतिक अधिकार है, लेकिन पद से हटाने की प्रक्रिया संवैधानिक और कानूनी प्रावधानों के अनुरूप ही हो सकती है। प्रतीकात्मक 'जन महाभियोग जनता के बीच राजनीतिक संदेश देने का माध्यम हो सकता है, परंतु वह अपने आप में किसी संवैधानिक पदाधिकारी को हटाने की औपचारिक कानूनी प्रक्रिया का विकल्प नहीं है।

रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली इंडिया गठबंधन के लिए अपनी एकजुटता प्रदर्शित करने का अवसर भी होगी। चुनावी पारदर्शिता जैसे मुद्दे पर विपक्ष विभिन्न दलों को एक मंच पर लाने का प्रयास कर रहा है। यदि गठबंधन इस अभियान को केवल नारों और आरोपों तक सीमित रखने के बजाय प्रभावित मतदाताओं की शिकायतों, दस्तावेजी साक्ष्यों और सुधार के ठोस सुझावों से जोड़ता है, तो उसे व्यापक जनसमर्थन मिल सकता है।लेकिन विपक्ष के सामने एक चुनौती यह भी है कि जनता के सामने उसकी विश्वसनीयता केवल सरकार या चुनाव आयोग की आलोचना से नहीं बनेगी। उसे यह बताना होगा कि मतदाता सूची की त्रुटियों को दूर करने के लिए वह कौन-से व्यावहारिक उपाय चाहता है और नागरिकों के मतदान के अधिकार की रक्षा के लिए उसकी स्पष्ट कार्ययोजना क्या है। राजनीतिक दलों के लिए यह भी जरूरी है कि वे अपनी शिकायतों को संबंधित वैधानिक मंचों पर उठाएं और उपलब्ध कानूनी उपायों का उपयोग करें।वहीं, सत्तापक्ष और चुनाव आयोग की ओर से भी अपेक्षा की जाती है कि वे इस मुद्दे को केवल विपक्ष की राजनीति बताकर टालने के बजाय सार्वजनिक विश्वास को मजबूत करने वाले कदम उठाएं। लोकतंत्र में संस्थाओं की प्रतिष्ठा आलोचना से नहीं, बल्कि पारदर्शी कामकाज, जवाबदेही और निष्पक्ष आचरण से मजबूत होती है।

इंडिया गठबंधन की 'दिल्ली चलो रैली और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रस्तावित प्रतीकात्मक कार्यक्रम का वास्तविक महत्व इस बात से तय होगा कि इससे मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर कितनी सार्थक चर्चा आगे बढ़ती है। केवल भीड़ जुटाना या राजनीतिक आरोपों को दोहराना किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। इसी तरह, शिकायतों को अनदेखा करना भी लोकतांत्रिक विश्वास के लिए उचित नहीं होगा।

जरूरत इस बात की है कि मतदाता सूची से जुड़ी प्रत्येक गंभीर शिकायत की निष्पक्ष जांच हो, प्रभावित नागरिकों को न्याय मिले और चुनाव आयोग अपने निर्णयों तथा प्रक्रियाओं के संबंध में पर्याप्त पारदर्शिता बनाए रखे। विपक्ष को भी अपने आरोपों के समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए और राजनीतिक आंदोलन को संस्थागत सुधारों से जोडना चाहिए। लोकतंत्र की मजबूती सत्ता पक्ष की जीत या विपक्ष की हार से नहीं, बल्कि इस विश्वास से तय होती है कि प्रत्येक पात्र नागरिक का मत सुरक्षित है और चुनाव प्रक्रिया कानून के अनुसार निष्पक्ष ढंग से संचालित होती है। अंततः चुनाव आयोग, राजनीतिक दलों और सरकार–सभी की जवाबदेही जनता के प्रति है। यदि 'दिल्ली चलो अभियान इस जवाबदेही को मजबूत करने और मतदाता के अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस पहल का माध्यम बनता है, तो इसका महत्व किसी एक रैली या राजनीतिक टकराव से कहीं अधिक होगा।

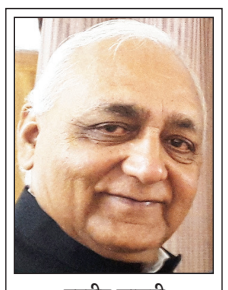
संपादकीय

भारत-अमरीका तेल गठबंधन

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप अचानक इतने विनम्र और दोस्ताना क्यों हो गए हैं? भारत के लिए अच्छी-अच्छी बातें करने लगे हैं। उन्हें पूरी उम्मीद है कि भारत के साथ व्यापार-समझौता जरूर होगा। ट्रंप लगातार बयान देते रहे हैं कि यह समझौता अंतिम चरण में है। अमरीकी राष्ट्रपति ने अपने प्रतिनिधि के तौर पर विदेश मंत्री एवं राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मार्को रूबियो को भारत भेजा। तीन दिन के प्रवास के दौरान रूबियो ने भारत को 'रिफाइनिंग सुपरपॉवर' करार दिया। उन्होंने रिलायंस चेयरमैन मुकेश अंबानी के अलावा अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी और टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन सरीखे शीर्ष उद्योगपतियों से मुलाकातें कीं। यह कमर्शियल कूटनीति का स्पष्ट संकेत है। अमरीकी विदेश मंत्री को रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी तक जाना पड़ा, क्योंकि वह जानते हैं कि वेनेजुएला के सल्फर-बहुल, भारी, निम्न दर्जे के कच्चे तेल का शोधन जामनगर रिफाइनरी ही कर सकती है। रिफाइनिंग के क्षेत्र में भारत अमरीका, चीन, रूस के बाद चौथा सक्षम देश है और जामनगर समेत भारत की 23 रिफाइनरियां दुनिया में 21 फीसदी से अधिक भागीदारी निभा रही हैं। अमरीका और यूरोप भारत के पेट्रो उत्पादों-डीजल, पेट्रोल, विमान ईंधन आदि-के बड़े खरीददार हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था और प्रभुत्व का यह नया चेहरा तब सामने आया है, जब अमरीकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने राष्ट्रपति ट्रंप की इच्छा जाहिर की है कि तेल के क्षेत्र में भारत-अमरीका गठबंधन बनाया जाए। भारत अमरीका का रणनीतिक साझेदार तो है, लेकिन भारत अपनी तेल-जरूरतों की पूर्ति अमरीका के जरिए कर सकता है। इस तरह अमरीका भारत के साथ संबंधों को नया आधार, आयाम और नई मजबूती देने का पक्षधर है। राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर 100 फीसदी टैरिफ थोपने वाला कानून फिलहाल ठंडे बस्ते में रख दिया है, क्योंकि खुद अमरीका रूस से डीजल का आयात कर रहा है। नए परिदृश्य में हमने अमरीका से जनवरी-सितंबर में करीब 1.28 लाख बैरल कच्चा तेल प्रतिदिन खरीदा था, लेकिन अक्तूबर में यह आयात घटा कर करीब 91,000 बैरल करना पड़ा। अमरीकी तेल कई दिनों बाद सप्लाई होता है और परिवहन की लागत के कारण महंगा भी पड़ रहा था।

भारत अमरीका से 8 अरब डॉलर से अधिक का तेल आयात करता है। बहरहाल भारत ने रूस से तेल का आयात जारी रखा है, लेकिन खाड़ी देशों पर निर्भरता काफी कम कर दी है। ईरान युद्ध और समुद्री मार्ग की नाकेबंदी बुनियादी वजह हो सकती है। चूंकि वेनेजुएला दुनिया में सबसे बड़ा तेल-उत्पादक और निर्यातक देश है, उस पर अब अमरीका का कब्जा है, लिहाजा विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने विकल्प रखे हैं कि भारत अब रूस के बजाय अधिकतम तेल अमरीका से ही आयात करे। अमरीका ने अब प्रतिबंधों की भाषा बोलनी बंद कर दी है। अमरीका वेनेजुएला का भारी तेल रिलायंस रिफाइनरी से ही शोधित कराना चाहता है, डाटा क्षेत्र में भी अंबानी, अदाणी समूहों की काफी सक्रिय भूमिका है, लिहाजा आज अमरीका अप्रत्याशित रूप से विनम्र दिख रहा है और भारत के साथ तेल गठबंधन की बात कर रहा है। कभी अमरीका भारत को 'बाजार और उद्योग की चींटी' मानता था, लिहाजा बात करना भी अपना अपमान समझता था, लेकिन अब विश्व और व्यापार के समीकरण बदल चुके हैं। भारत अब विश्व-व्यवस्था में महाशक्ति के तौर पर मौजूद है। यह नए दौर, नई व्यवस्था, नई 'सुपरपॉवर' के साथ नए किस्म के राजनयिक संबंधों की शुरुआत है। वैसे भी राष्ट्रपति ट्रंप अभी अपनी राजनीति और लोकप्रियता के निम्नतम पायदान पर हैं, उन्हें करीब 31 फीसदी लोग ही समर्थन दे रहे हैं, करीब 68 फीसदी अमरीकी उनकी आर्थिक नीतियों के खिलाफ हैं, उनमें 37 फीसदी रिपब्लिकन समर्थक भी हैं, लिहाजा उन्हें कुछ कर दिखाने की जरूरत है। अमरीका को पेट्रो उत्पादों की सख्त जरूरत है, डीजल-पेट्रोल के दाम अप्रत्याशित स्तर पर बताए जा रहे हैं, ईरान युद्ध में अमरीका के करीब 265 अरब डॉलर फूंक दिए जा चुके हैं, लिहाजा ट्रंप रक्षात्मक स्थिति में हैं कि लोकप्रियता को कैसे बहाल किया जाए? भारत इस संदर्भ में मदद कर सकता है, क्योंकि तेल-शोधन की उसकी क्षमताएं अमरीका भी जान चुका है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या भारत ट्रंप पर निर्णायक विश्वास करने का जोखिम उठा सकता है? ट्रंप की जिस तरह की गतिविधियां रही हैं, उनको देखते हुए उन पर विश्वास करना कठिन है। वह पहले दिन कहते हैं कि इरान से जंग खत्म होने वाली है, और दूसरे दिन कहते हैं कि अमरीका उस पर निर्णायक प्रहार करेगा। पहले दिन कहते हैं कि भारत पर ज्यादा टैक्स नहीं लगेगा, दूसरे दिन सौ प्रतिशत कर लगाने की बात दोहराते हैं। इस तरह की उनकी मनोस्थिति में उन पर विश्वास नहीं होता है।

सऊदी अरब में व्यभिचार के जुर्म में फांसी से उपजे सवाल



तनवीर जाफ़री

सऊदी अरब की अल मजाल कंपनी में काम करने वाले बांग्लादेश के दो नागरिकों नज़रुल इस्लाम अब्दुल बासिर (पुरुष-22) और स्वीटी अख़्तर (महिला) को गत 14 अक्टूबर को मक्का क्षेत्र में मृत्युदंड दे दिया गया। नज़रुल इस्लाम बांग्लादेश के ब्राह्मणबाड़िया ज़िले के रहने वाले थे जबकि स्वीटी अख़्तर तंगाइल ज़िले की निवासी थीं। यह दोनों एक दूसरे के दोस्त थे और 2022 के अंत में सऊदी अरब पहुँच कर वहाँ की अल मजाल नामक कंपनी में सफ़ाई कर्मचारी के रूप में काम करने लगे थे। उन्हें मई 2023 में सऊदी अरब की पुलिस ने गिरफ़्तार किया था। उन पर आरोप था कि इन दोनों ने सऊदी अरब के पवित्र शहर मक्का की एक मस्जिद के कमरे में अवैध व अनैतिक रूप से यौन कृत्य किया। बताया जा रहा है कि सुरक्षा अधिकारियों ने इन दोनों को पवित्र शहर मक्का के भीतर एक मस्जिद परिसर में इसी अभद्र कृत्य करने के आरोप में रंगे हाथों गिरफ़्तार किया था। इस मामले में 39 महीने तक यह दोनों जेल में रहे और इस बीच सुनवाई चलती रही। सऊदी गृह मंत्रालय के अनुसार इस घटना की गहन जांच की गई। उसके बाद निचली अदालत में मुक़दमा चला। इसके बाद 13 न्यायाधीशों के पुनर्विचार करने वाले एक उच्च पैनल ने भी इस सज़ा को बरक़रार रखा, जिसके बाद ही शाही फ़रमान के ज़रिए इसे लागू किया गया। सऊदी अधिकारियों के अनुसार, यह अपराध मक्का क्षेत्र में एक पवित्र मस्जिद परिसर के भीतर हुआ था। इस्लाम धर्म में मक्का और वहाँ की मस्जिदों को बेहद पवित्र माना जाता है। सऊदी न्यायशास्त्र के अनुसार, ऐसे स्थानों पर अनैतिक कृत्य करना एक गंभीर धार्मिक और क़ानूनी अपराध है, जिसके लिए कठोरतम सज़ा का प्रावधान है। फांसी की यह सज़ा ताज़ीर के तहत दी गई थी। शरिया में ताज़ीर उन अपराधों के लिए होता है जिनकी सज़ा क़ुरान या हदीस में तय नहीं होती, बल्कि न्यायाधीश स्वयं अपराध की गंभीरता और समाज पर उसके प्रभाव को देखते हुए मौत की सज़ा तक का फ़ैसला ले सकते हैं। ताज़ीर क़ानून का अर्थ एक ऐसी सज़ा जो इतिहास में भूली न जा सके और जिसे सुनकर कोई भी व्यक्ति कभी भी ऐसी हरकत करने की भी ना सोचे। इस सज़ा की भले ही बांग्लादेश सहित विभिन्न मानवाधिकार संगठनों द्वारा आलोचना क्यों न की जा रही हो परन्तु सऊदी अरब के गृह मंत्रालय और न्यायिक अधिकारियों के दृष्टिकोण से इस सज़ा को उनके देश के क़ानूनों के अनुसार उचित माना गया है। फांसी देने के बाद सऊदी गृह मंत्रालय ने अपने बयान में कहा है कि सऊदी हुकूमत न्याय की रक्षा करने , सुरक्षा बनाए रखने और मस्जिदों की पवित्रता व मर्यादा का उल्लंघन करने वाले या दूसरों के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति के ख़िलाफ़ इस्लामी शरीया क़ानून सख़्ती से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। जो भी ऐसा अपराध करेगा उसका अंजाम यही होगा। सऊदी अरब का मानना है कि एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में उसे अपने देश की सीमाओं के भीतर अपने क़ानूनों को लागू करने का पूरा अधिकार है। ग़ौरतलब है कि वहाँ की न्याय प्रणाली पूरी तरह से इस्लामी शरिया क़ानून पर आधारित है।

परन्तु इस घटना के बाद बांग्लादेश और सऊदी अरब के बीच कूटनीतिक तनाव गहरा गया है। बांग्लादेश सरकार और जेद्दा स्थित बांग्लादेशी महावाणिज्य दूतावास को इस फांसी के बारे में पहले से कोई सूचना या जानकारी नहीं थी। हालांकि गत सितंबर में सऊदी अरब द्वारा साझा की गई 2,500 क़ैदियों की सूची में इन दोनों के नाम ज़रूर थे परन्तु उनके नाम के साथ उन्हें दी जाने वाली मौत की सज़ा का कोई ज़िक्र नहीं था। बल्कि गोपनीय दस्तावेज़ों के मुताबिक़ स्वीटी अख़्तर पर व्यभिचार और नज़रुल इस्लाम पर साइबर अपराध के अलग-अलग आरोप दर्ज थे। इसीलिये बांग्लादेश ने इस गुप्त फाँसी पर गंभीर आपत्ति जताई है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शाहिदुल करीम और राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने कहा कि वियना कन्वेंशन ऑन कांसुलर रिलेशंस के तहत यदि किसी विदेशी नागरिक को गिरफ़्तार किया जाता है या मौत की सज़ा दी जाती है, तो उसकी जानकारी संबंधित देश के दूतावास को देना अनिवार्य है। परन्तु सऊदी अरब ने बांग्लादेशी वाणिज्य दूतावास को सूचित किए बिना गुपचुप तरीक़े से फांसी दी इसलिये इसे राजनयिक स्तर पर पूरी तरह अनुचित माना गया है। इसीलिये ढाका ने आधिकारिक तौर पर सऊदी अरब से अदालतीफ़ैसलों की प्रतियां, अपराधों का पूरा विवरण और बिना सूचना दिए फांसी देने का कारण पूछा है। बांग्लादेश की जनता में भी इस घटना को लेकर गहरा दुख और आक्रोश है। स्थानीय सोशल मीडिया और स्थानीय मीडिया में इस संबंध में अपनी सरकार की निष्क्रियता पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। वहां के लोग इस घटना की तुलना श्रीलंका के नागरिक अनोजन सिवारसा के मामले से कर रहे हैं, जिसकी ईश निंदा की मौत की सज़ा को अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक दबाव के बाद सऊदी अरब ने इसी महीने रद्द कर दिया था। इसके अतिरिक्त एमनेस्टी इंटरनेशनल और ह्यूमन राइट्स वॉच जैसी वैश्विक संस्थाओं ने भी सऊदी अरब की न्यायिक प्रणाली और मृत्युदंड की बढ़ती दरों पर एक बार फिर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने इस बात की आलोचना की है कि बिना पारदर्शी अदालती कार्यवाही, बिना उचित क़ानूनी प्रतिनिधित्व के, और गुप्त रूप से विदेशी नागरिकों को फाँसी देना मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन है। ग़ौरतलब है कि सऊदी अरब में वर्तमान में क़रीब 35 लाख बांग्लादेशी प्रवासी मज़दूर रहते हैं, जो बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था के लिए प्रेषित धन का मुख्य माध्यम हैं।

संविधान सर्वोपरि, मूल अधिकारों में छेड़छाड़ नहीं कर सकती संसद!



सोहिल जैन

मौलिक अधिकारों, धार्मिक स्वतंत्रता, मताधिकार, संवैधानिक संस्थाओं की शक्ति पर संसद के अधिकार सीमित...

भारतीय संविधान केवल शासन चलाने का दस्तावेज नहीं, बल्कि नागरिकों की स्वतंत्रता, समानता और लोकतांत्रिक अधिकारों का संरक्षक है। संसद को संविधान में संशोधन करने का अधिकार अवश्य है, लेकिन यह अधिकार असीमित नहीं है। संसद के दोनों सदन मिलकर भी संविधान के मूल ढांचे को समाप्त नहीं कर सकते। यही भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी संवैधानिक शक्ति है। 26 नवंबर 1949 को संविधान अंगीकृत किया गया, 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ। संविधान निर्माताओं ने ऐसी व्यवस्था बनाई, जिसमें संसद, सरकार और न्यायपालिका सभी संविधान के अधीन अपने कर्तव्यों और अधिकारों का पालन करें। संसद कानून बना सकती है, सरकार उनका क्रियान्वयन कर सकती है, न्यायपालिका को समीक्षा का अधिकार दिया गया। किसी को भी संविधान की मूल भावना को कम या नष्ट करने का अधिकार नहीं है। भारतीय संस्कृति में ब्रह्मा विष्णु और महेश तीनों भगवानों के पास अलग-अलग दायित्व हैं। संविधान निर्माताओं ने भारतीय संस्कृति में नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए इन्हीं तीन शक्तियों को विधायक का कार्यपालिका और न्यायपालिका के रूप में स्वीकार किया जनता जनार्दन अपनी मर्जी से सरकार चुनेगी, चुने हुए प्रतिनिधि जनता की इच्छा को सर्वोपरि मानते हुए जनता के अधिकारों की रक्षा करेंगे।यह भारतीय संविधान की मूल भावना है। संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता को ही राजा माना गया है।

संसद की शक्ति पर सुप्रीम कोर्ट की ऐतिहासिक मुहर

24 अप्रैल 1973 को सुप्रीम कोर्ट ने केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया। 13 न्यायाधीशों की पीठ ने 7-6 के बहुमत से स्पष्ट किया। संसद अनुच्छेद 368 के तहत संविधान के किसी भी प्रावधान में संशोधन कर सकती है, लेकिन संविधान के मूल ढांचे में छेड़छाड़ और उसे समाप्त नहीं कर सकती है । इस फैसले ने संसद की संशोधन शक्ति की संवैधानिक सीमा निर्धारित कर दी हैं। लोकतंत्र, कानून का शासन, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, न्यायिक समीक्षा और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव जैसी विशेषताएं संविधान के मूल ढांचे से जुड़ी हुई हैं। इसका अर्थ है कि संसद अपने बहुमत के बल पर ऐसी व्यवस्था स्थापित नहीं कर सकती, जिसमें नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकार और संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता समाप्त हो जाए। इस मामले में विधायिका और कार्यपालिका के अधिका भी सीमित हैं।

मौलिक अधिकारों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

भारतीय संविधान के भाग तीन में अनुच्छेद 12 से 35 तक मौलिक अधिकारों का प्रावधान है। अनुच्छेद 14 कानून के समक्ष समानता, अनुच्छेद 19 नागरिक स्वतंत्रताओं, अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता तथा अनुच्छेद 25 से 28 धार्मिक स्वतंत्रता से संबंधित प्रावधान हैं। अनुच्छेद 32 नागरिकों को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन होने पर सीधे सुप्रीम कोर्ट जाने का अधिकार देता है। संविधान का संरक्षक सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट को बनाया गया। उच्च न्यायालयों को अनुच्छेद 226 के अंतर्गत रिट के माध्यम से अतिरिक्त शक्ति प्राप्त है। जो विधायिका और कार्यपालिका के ऊपर न्यायपालिका की नियंत्रण शक्ति है। इसका अर्थ यह नहीं है, मौलिक अधिकारों से संबंधित किसी भी प्रावधान में संशोधन नहीं हो सकता है। संसद संवैधानिक प्रक्रिया के अनुसार संशोधन कर सकती है। लेकिन ऐसे सभी संशोधन न्यायिक समीक्षा के अधीन हैं। संविधान के मूल ढांचे में संसद भी छेड़छाड़ नष्ट नहीं कर सकती है।

आपातकाल ने सिखाया संवैधानिक सीमाओं का महत्व 1975 से 1977 के आपातकाल के दौरान नागरिक स्वतंत्रताओं और न्यायिक समीक्षा पर गंभीर सवाल उठे। वर्ष 1976 के 42वें संविधान संशोधन ने संसद की संशोधन शक्ति को व्यापक बनाने और न्यायिक समीक्षा को सीमित करने के प्रयास किए थे । 1980 में मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 42वें संशोधन के उन प्रावधानों को असंवैधानिक घोषित कर दिया, जिसमे संसद की संशोधन शक्ति को असीमित बनाने और न्यायिक समीक्षा को समाप्त करने का प्रयास किया था। अदालत ने स्पष्ट किया, सीमित संशोधन शक्ति स्वयं संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा है।

मतदान का अधिकार, लोकतंत्र और संविधान की असली ताकत

मतदान भारतीय लोकतंत्र की आधारशिला है। अनुच्छेद 326 मे लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों में वयस्क मताधिकार का संवैधानिक आधार प्रदान करता है। मतदान के अधिकार की कानूनी प्रकृति मौलिक अधिकारों से अलग है। इसे संविधान और चुनाव संबंधी कानूनों के प्रावधानों के अनुसार समझना आवश्यक है। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव नागरिक के मूल अधिकार तथा लोकतांत्रिक शासन संविधान के मूल ढांचे के महत्वपूर्ण अंग हैं। इसलिए संसद या सरकार ऐसी व्यवस्था नहीं बना सकती, जो लोकतंत्र की बुनियादी अधिकारों को नष्ट या सीमित कर सके। संसद को संविधान से शक्ति प्राप्त होती है। संविधान संसद ने नहीं बनाया। विधायिका को बहुमत के आधार पर सरकार बनाने का अधिकार मिलता है। संविधान की मूल भावना को समाप्त करने का अधिकार संसद के पास नहीं है । भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती इसी में है, जिसमे नागरिकों के अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता, समानता और निष्पक्ष चुनाव सरकार की इच्छा पर नहीं, बल्कि संवैधानिक मर्यादाओं और परंपराओं पर आधारित हों।

न्यायपालिका की समक्षा के अंतर्गत संवैधानिक संस्थाएं भारत में सभी संवैधानिक संस्थाएं जिन्हें संवैधानिक अधिकार मिले हुए हैं, वह सभी न्यायपालिका की समीक्षा के अंतर्गत आते हैं। चुनाव आयोग भी न्यायपालिका की समीक्षा के अंतर्गत है। चुनाव आयोग को ऐसे कोई अधिकार संविधान से नहीं मिले, जिससे वह अपनी मनमानी कर सके। चुनाव आयोग को भी नियमों के अंतर्गत काम करना होगा। चुनाव में सभी राजनीतिक दलों को समान अवसर प्राप्त हों, सभी नागरिक अपने मतदान के अधिकार का उपयोग कर पायें। इसकी जिम्मेदारी चुनाव आयोग के पास है, वह भी जवाबदेह है। पिछले कुछ वर्षों से चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति और चुनाव आयोग पर सरकार की दखलंदाजी बढी है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों से दूरी बनाई। चुनाव के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में वह निष्पक्षता देखने को नहीं मिली। जो इसके पहले चुनाव आयोग में देखने को मिलती थी। मतदाता सूचियां को लेकर भी जिस तरह के बदलाव किए गए। बीएलओ और ईआरओ के अधिकार चुनाव आयोग ने सीमित कर दिये चुनाव व्यवस्था का केंद्रीयकरण करते हुए चुनाव परिणाम भी केंद्रीकृत व्यवस्था से किए जाने लगे, जिसके कारण देश भर में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांगा जा रहा है। देश में पहली बार चुनाव आयोग के प्रति इतना अविश्वास देखने को मिल रहा है।

देश भर में आंदोलन चल रहे हैं। स्वतंत्रता की बात से अभी तक के इतिहास में पहली बार 13 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। नागरिकों के अधिकार को चुनाव आयोग द्वारा चुनौती दी गई है। ऐसा करने का उसके पास कोई अधिकार भी नहीं था। ऐसी स्थिति में सभी संवैधानिक संस्थाओं को समझना होगा,उनके अधिकार और जिम्मेदारी दोनों ही समीक्षा के अधिकार और जवाबदेही से अलग नहीं हैं। कोई भी संस्था संविधान से मिले अधिकारों का दुरुपयोग या मनमानी नहीं कर सकती है।

यूएई में 240 करोड़ की लॉटरी जीतने वाले भारतीय ने बताया, कैसे बदली उनकी जिंदगी

दुबई,एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) निवासी भारतीय मूल के आईटी पेशेवर अनिल कुमार बोल्ला ने 240 करोड़ की भारी-भरकम लॉटरी जीतने के बाद अपने जीवन और प्राथमिकताओं में आए बदलावों पर खुलकर बात की है। मूल रूप से तेलंगाना निवासी अनिल ने 18 अक्टूबर 2025 को यूएई लॉटरी के लकी ड्रॉ में 10 करोड़ दिरहम यानी करीब 240 करोड़ रुपये का यह जैकपॉट जीता था। उस समय उनकी उम्र 29 साल थी। उन्होंने कुल 12 टिकट खरीदे थे, और उनके सभी सातों नंबर विजेता नंबरों से पूरी तरह मेल खा गए थे, जिससे वह रातोंरात करोड़पति बन गए। लॉटरी जीतने के बाद अनिल ने अपनी दौलत का इस्तेमाल सबसे पहले अपने परिवार के सपनों को पूरा करने में किया। उन्होंने अपनी मां की इच्छा पूरी करते हुए उनके लिए सोने के गहने खरीदे और खेती के शौकीन अपने पिता के लिए कृषि भूमि खरीदी, ताकि वे अपनी पसंद के अनुसार जैविक खेती कर सकें। हालांकि, उन्होंने अपने पुराने पैतृक घर को बदलने के बजाय उस वैसा ही रहने दिया क्योंकि वह उनके पिता की भावनाओं से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, उन्होंने भारत और यूएई दोनों जगह संपतियां खरीदी हैं और अब वे भविष्य के लिए नए कारोबार शुरू करने के अवसरों की तलाश कर रहे हैं।

जापान के बोनिन द्वीप समूह में 7.0 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप

टोक्यो,एजेंसी। एशियाई देश जापान की धरती शनिवार, 24 अक्टूबर 2026 को एक बार फिर कांप उठी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, जापान की राजधानी टोक्यो से लगभग 1000 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व में स्थित बोनिन द्वीप समूह में 7.0 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप दर्ज किया गया। यह भूकंप स्थानीय समय के अनुसार शाम 4 बजकर 9 मिनट पर आया। भूकंप का केंद्र जापान के बोनिन द्वीप समूह के पास, राजधानी टोक्यो के दक्षिण में समुद्र के भीतर स्थित था, जिसकी गहराई जमीन से लगभग 492.4 किलोमीटर थी। इतनी अधिक गहराई पर आने वाले भूकंप के प्रभाव आमतौर पर सतह पर कम महसूस होते हैं, जिससे जान-माल का बड़ा नुकसान होने की संभावना कम हो जाती है। हालांकि, भूकंप की तीव्रता 7.0 होने के कारण इस पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। अमेरिकी नेशनल वेदर सर्विस ने पुष्टि की है कि हवाई और प्रभावित क्षेत्रों के लिए सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है, जिससे यह एक बड़ी राहत की खबर है। अब तक, जापान में इस भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान या बड़ी क्षति की कोई खबर सामने नहीं आई है। जापान, जो प्रशांत रिंग ऑफ फायर पर स्थित होने के कारण अक्सर भूकंप का अनुभव करता है, अपनी कठोर भूकंपरोधी निर्माण तकनीकों और त्वरित आपदा प्रतिक्रिया प्रणालियों के लिए जाना जाता है। ये प्रणालियां ऐसे शक्तिशाली भूकंपों के प्रभावों को कम करने में सहायक सिद्ध होती हैं।

सऊदी अरब में दो बांग्लादेशी नागरिकों को मृत्युदंड, ढाका ने मांगी विस्तृत जानकारी

ढाका। सऊदी अरब के मक्का क्षेत्र में दो बांग्लादेशी नागरिकों को मृत्युदंड देने के मामले में बांग्लादेश सरकार ने सऊदी अधिकारियों से विस्तृत जानकारी मांगी है। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों नागरिकों को 14 अक्टूबर को मक्का की एक मस्जिद में कथित तौर पर अशोभनीय कृत्य करने के मामले में दोषी ठहराने के बाद मृत्युदंड दिया गया था।
रिपोर्ट के मुताबिक, जेद्दा स्थित बांग्लादेशी महावाणिज्य दूतावास ने 19 अक्टूबर को सऊदी विदेश मंत्रालय की मक्का शाखा को राजनयिक पत्र भेजकर छह सवालों के जवाब मांगे। इसमें आरोपों का विवरण, घटना की तारीख और स्थान, गिरफ्तारी की तारीख तथा अदालत के फैसलों की प्रमाणित प्रतियां शामिल हैं।

ओबामा ने ट्रंप प्रशासन पर साधा तीखा निशाना

ईरान युद्ध से लेकर व्हाइट हाउस की साज-सज्जा तक पर घेरा



वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में मिडटर्म चुनावों की सरगर्मी के बीच पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने डेमोक्रेटिक पार्टी के पक्ष में जोरदार मोर्चा संभाल लिया है। ओहायो में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ओबामा ने वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की नीतियों और कार्यशैली पर जमकर हमला बोला। उन्होंने बढ़ती महंगाई, ईरान के साथ युद्ध, विदेश नीति और व्हाइट हाउस में किए जा रहे बदलावों को लेकर ट्रंप को घेरा, और यहां तक कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ पर भी व्यंग्य कसा। ओबामा ने ईरान के साथ जारी युद्ध को लेकर ट्रंप प्रशासन की रणनीति पर तीखे सवाल उठाए। उन्होंने याद दिलाया कि उनके राष्ट्रपति कार्यकाल में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के लिए एक कूटनीतिक समझौता किया गया था, जिसे उन्होंने बड़ी सफलता बताया था। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ट्रंप प्रशासन ने जब युद्ध शुरू किया, तब दावा किया गया कि इससे ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने में मदद मिलेगी, लेकिन सात महीने बाद अमेरिकी ठिकानों और सहयोगियों पर हमले हुए, अमेरिकी सैनिकों की जान गई और मिसाइलों का भंडार घटा। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप प्रशासन ने देश को एक ऐसे अनावश्यक संघर्ष में उलझा दिया है, जिसकी भारी कीमत अमेरिकी नागरिकों को चुकानी पड़ रही है।
पूर्व राष्ट्रपति ने अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ का मज़ाक उड़ाते हुए उनकी दिखावटी जीवनशैली पर तंज कसा। ओबामा ने कहा कि देश की कमान ऐसे लोगों के हाथ में है, जो गंभीर राष्ट्रीय मुद्दों को सुलझाने के बजाय दिखावे, बयानबाजी और दूसरों को नीचा दिखाने में लगे रहते हैं। उनके मुताबिक, ऐसे रवैये का खामियाजा अंततः आम अमेरिकियों को भुगतना पड़ता है। ट्रंप के व्हाइट हाउस में कराए जा रहे नवीनीकरण पर भी ओबामा ने व्यंग्य किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति को घरों की सजावट वाले टीवी कार्यक्रम में होना चाहिए, क्योंकि व्हाइट हाउस अब ऐसा दिखने लगा है, मानो सद्दाम हुसैन ने वहां चीज़केक फैक्ट्री खोल दी हो। ओबामा का इशारा था कि जब अमेरिकी परिवार महंगाई से जूझ रहे हैं, तब राष्ट्रपति का ध्यान नए बॉलरूम, रोज़ गार्डन में बदलाव और हर जगह सोने की सजावट जैसी प्राथमिकताओं पर केंद्रित है। ओहायो की इस रैली में ओबामा डेमोक्रेटिक उम्मीदवार एमी एक्टन और शेरॉड ब्राउन के समर्थन में पहुंचे थे। उन्होंने मतदाताओं से रिपब्लिकन नेतृत्व को उनकी नीतियों के लिए जवाबदेह ठहराने की अपील की। ओबामा का स्पष्ट संदेश था कि मिडटर्म चुनावों के ज़रिए ट्रंप प्रशासन की नीतियों पर लगाम लगाने और देश की दिशा तय करने का यह एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस तरह, बराक ओबामा ने अपने भाषण में ईरान युद्ध, बढ़ती कीमतों, रक्षा नेतृत्व और व्हाइट हाउस की साज-सज्जा जैसे मुद्दों को जोड़कर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को निशाने पर लिया।

पश्चिम एशिया में गहराया संघर्ष: खाड़ी में जीपीएस जैमिंग से बढ़ा तनाव

तेलअवीव,एजेंसी। पश्चिम एशिया में जंग का दायरा लगातार फैल रहा है। एक बड़े घटनाक्रम में इजरायल ने पहली बार इराक में हवाई हमले कर ईरान के लिए बने चीनी हथियारों के गोदामों को निशाना बनाया है। इजरायल का दावा है कि उसने इन हमलों में कंधे से दागी जाने वाली चीन निर्मित विमानरोधी मिसाइलों की बड़ी खेप को नष्ट कर दिया है। इराकी खुफिया सूत्रों का मानना है कि अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच का यह संघर्ष अब इराक की धरती पर लौट आया है, और अमेरिका ने इराकी प्रधानमंत्री को अपनी सैन्य मंशा से अवगत करा दिया है।
क्षेत्र में यमन के हूती विद्रोहियों की ओर से खतरे लगातार बने हुए हैं। सऊदी नागरिक सुरक्षा विभाग के अनुसार, 24 अक्टूबर को देश के पश्चिमी हिस्से में दो बैलिस्टिक मिसाइलों को बीच में ही रोक लिया गया। इन मिसाइलों के टुकड़े मक्का के बाहर वादी मुगामास, जेद्दा के अल-नुज्हा, ताइफ और राबिग के इलाकों में गिरे। हालांकि, हूतियों ने पवित्र स्थलों को निशाना बनाने से इनकार किया है, लेकिन सऊदी अरब में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। दूसरी ओर, फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य में बड़े पैमाने पर जीपीएस जैमिंग की घटनाएं सामने आई हैं। इससे कुवैत एयरवेज, कतर एयरवेज और टर्किश एयरलाइंस समेत कई वाणिज्यिक विमानों के नेविगेशन सिस्टम और उड़ान मार्ग भटक गए हैं। इन सबके बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान के खिलाफ बड़ी सैन्य कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं। पेंटागन ने संभावित हमलों के विकल्प तैयार कर लिए हैं और अमेरिकी विमानवाहक पोतों पर बंकर-बस्टर बम लोड किए जाने की खबरें हैं। इन तमाम घटनाक्रमों ने पश्चिम एशिया की स्थिति को बेहद विस्फोटक बना दिया है।

मक्का-मदीना पर हमले के आरोपों से भड़के हुती

सऊदी दावों को बताया 'बड़ा झूठ'

सना,एजेंसी। । इस्लाम के दो सबसे पवित्र शहरों मक्का अल-मुकर्रमा और मदीना अल-मुनव्वरा को निशाना बनाने के आरोपों को यमन के हुती विद्रोहियों ने सिरे से खारिज कर दिया है। सऊदी अधिकारियों द्वारा इन पवित्र क्षेत्रों में रोकी गई मिसाइलों का मलबा मिलने की बात कहे जाने के बाद, हुती आंदोलन ने इन दावों को बहुत बड़ा और संगीन झूठ करार दिया है। इस आरोप-प्रत्यारोप से यमन और सऊदी अरब के बीच पहले से तनावग्रस्त संबंध और गरमा गए हैं।
सऊदी नागरिक सुरक्षा और उसके नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने दावा किया है कि यमन की ओर से पश्चिमी सऊदी अरब के यनबू और ताइफ शहरों की तरफ दागी गई दो बैलिस्टिक मिसाइलों को हवा में ही इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया गया। सऊदी अधिकारियों के अनुसार, इन मिसाइलों का मलबा मक्का और मदीना क्षेत्रों के अलावा जेद्दा, ताइफ और राबिग जैसे इलाकों में गिरा। घटना के बाद, मक्का और जेद्दा सहित कई इलाकों में नागरिकों के लिए संक्षिप्त अलर्ट जारी किया गया था, जिसे बाद में वापस ले लिया गया। हुती सेना के प्रवक्ता याह्या सारी ने सोशल मीडिया पर स्पष्ट किया कि उनका मकसद केवल सऊदी अरब के सैन्य ठिकानों और तेल प्रतिष्ठानों को निशाना बनाना था, न कि पवित्र धार्मिक स्थलों को। सारी ने सऊदी दावों का खंडन करते हुए कहा, यमेनी सशस्त्र बल यह पुष्टि करते हैं कि मक्का और मदीना के पवित्र क्षेत्रों को निशाना बनाने के संबंध में सऊदी दुश्मन जो प्रचार कर रहा है, वह एक बड़ा और घिनौना झूठ है। अब इन झूठों के झांसे में कोई नहीं आने वाला।
प्रवक्ता ने आगे स्वीकार किया कि उनकी सेना ने सऊदी अरब के कई हाई-प्रोफाइल ठिकानों पर हमले किए हैं, जिनमें रियाद का किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट, यनबू में तेल कंपनी अरामको की सुविधा, राबिग तेल रिफाइनरी, ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन, दम्माम का किंग फहद एयरपोर्ट, नजरान एयरपोर्ट और खमीस मुशैत का एयरबेस शामिल हैं। हुती समूह ने अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय एयरलाइंस को रियाद के किंग खालिद एयरपोर्ट का इस्तेमाल न करने की चेतावनी भी दोहराई है, उसे सैन्य निशाना घोषित किया गया है। यह नया सैन्य टकराव यमन में 2022 से चली आ रही युद्धविराम के टूटने के बाद सामने आया है। इसके अलावा, यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार ने हुतियों पर दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर अदन में कोस्ट गार्ड के ठिकानों पर तीन बैलिस्टिक मिसाइलें दागने का आरोप लगाया है।

डील नहीं होने पर ईरान पर हमला होना तय : ट्रंप



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच गहराते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर तेहरान को कड़ी चेतावनी दी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ईरान पर सैन्य हमला करने पर विचार कर रहा है, हालांकि इसके साथ ही दोनों देशों के बीच बड़ा समझौता होने की संभावना भी पूरी तरह खारिज नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन मुख्य सवाल यह है कि क्या वह इसकी शर्तों का ईमानदारी से पालन करेगा। वहीं, दूसरी ओर ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने अंतरिम समझौते को लेकर बातचीत टूटने के लिए सीधे तौर पर अमेरिका की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया है।
ट्रंप ने संभावित सैन्य कार्रवाई पर कहा कि अमेरिका इस पर विचार कर रहा है और संभव है कि रविवार को ही कोई कड़ा कदम उठाया जाए। हालांकि, उन्होंने हमले की योजना के बारे सीधे तौर पर कुछ भी बताने से इंकार कर दिया। ट्रंप ने कहा कि ईरान के पास अमेरिका के साथ समझौता कर आगे की तबाही से बचने का पूरा विकल्प है। उन्होंने कहा कि उनका एकमात्र उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ईरान भविष्य में कभी परमाणु हथियार विकसित न कर सके। उन्होंने कहा कि वह इस समाधान को पूरी तरह स्थायी बनाना चाहते हैं, जिसके लिए दोनों ही विकल्प यानी समझौता या कार्रवाई खुले हुए हैं। इस बीच, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने ईरान से जुड़े सुरक्षा खतरों को लेकर गंभीर चेतावनी दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, खुफिया अधिकारियों ने विदेश विभाग को आगाह किया है कि ईरान ने वैश्विक स्तर पर अमेरिकी कर्मचारियों को निशाना बनाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। मध्य पूर्व और अन्य क्षेत्रों में अमेरिकी नागरिकों पर जानलेवा हमले करने की साजिशें भी काफी आगे बढ़ चुकी हैं। फिलहाल अमेरिका ने अंतिम रूप से यह स्पष्ट नहीं किया है कि उसका अगला कदम क्या होगा, जिससे पश्चिम एशिया में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है।

सीएम बोलीं- रेप पीड़िता को 2 करोड़ का ऑफर दिया

आरोपी की जमानत के लिए जज ने ली रिश्वत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अजरबैजान की 20 वर्षीय महिला से कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले ने एक सनसनीखेज मोड़ ले लिया है, जिसने देश की न्याय व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने सीधे तौर पर एक जज पर मुख्य आरोपी अहमद तनवीर को जमानत दिलाने के लिए रिश्वत लेने का आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि पीड़िता को अपनी शिकायत वापस लेने के बदले लगभग दो करोड़ पाकिस्तानी रुपये (लगभग 70,000 अमेरिकी डॉलर) की पेशकश की गई थी। इन गंभीर आरोपों के बीच, पुलिस ने मुख्य आरोपी अहमद तनवीर को शुक्रवार को अदालत से जमानत अवधि बढ़ने के बावजूद नाटकीय ढंग से सत्र अदालत परिसर के बाहर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, अजरबैजान के बाकू की रहने वाली 20 वर्षीय यह महिला सितंबर के मध्य में व्यापारिक उद्देश्य से पाकिस्तान आई थी। 25 सितंबर को लाहौर के डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी इलाके में उसे एक कैफे में बुलाया गया, जहां से उसे एक फ्लैट में ले जाकर शराब पिलाई गई और फिर सामूहिक दुष्कर्म किया गया। इस मामले में पहले दो पुरुष आरोपियों और दो महिला सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि अहमद तनवीर जमानत पर था। मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने अहमद तनवीर की गिरफ्तारी को सही ठहराते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, कोई भी बलात्कारी या अपराधी केवल इसलिए न्याय से बच नहीं सकता कि उसके पास पैसा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आरोपी के संपन्न परिवार ने पीड़िता को आरोप वापस लेने के बदले दो करोड़ पाकिस्तानी रुपये देने की पेशकश की थी, जबकि उसका बयान दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 164 के तहत पहले ही दर्ज हो चुका था।



पुलिस को धन्यवाद देते हुए बोलीं मेलोनी- प्रदर्शन ठीक पर हिंसा और अराजकता बर्दाश्त नहीं

- इटली के कई शहरों में महंगाई, सैन्य विस्तार और रक्षा खर्च बढ़ाने के खिलाफ प्रदर्शन
- रोम और ट्यूरिन में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प

रोम, एजेंसी। इटली में महंगाई, बढ़ते सैन्य खर्च और सेना के विस्तार के विरोध में शनिवार को कई शहरों में प्रदर्शन हुए। कुछ स्थानों पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच टकराव भी हुआ। इस बीच, प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस तथा सुरक्षा बलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार हमेशा सुरक्षित रहना चाहिए, लेकिन नागरिकों को अपने शहरों में सुरक्षित माहौल में रहने का अधिकार भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए।
मेलोनी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों ने देश के विभिन्न शहरों और सार्वजनिक स्थानों पर नागरिकों की सुरक्षा तथा शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार को बनाए रखने के लिए काम किया। कुछ लोगों की ओर से झड़प और अव्यवस्था फैलाने की कोशिशों के बावजूद उन्होंने अपनी जिम्मेदारी निभाई। प्रधानमंत्री ने गृह मंत्री माटेओ पियान्टेदोसी, प्रीफेक्ट्स, क्वेस्टर्स और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की कार्रवाई में समन्वय करने वाले अधिकारियों की भी सराहना की।
हिंसा रोकने के लिए प्रभावी कदमों पर जोर
मेलोनी ने कहा कि मंत्रिपरिषद की ओर से हाल ही में मंजूर किए गए कदमों का उद्देश्य हिंसा रोकने और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य को अधिक प्रभावी साधन उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा सभी के लिए जरूरी है—उन लोगों के लिए भी जो शांतिपूर्वक प्रदर्शन करना चाहते हैं, उनके लिए भी जो काम करते हैं और उनके लिए भी जो बिना किसी डर के अपने शहरों में रहना चाहते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि टकराव और हिंसा फैलाने वालों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। हालांकि, उन्होंने शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार को भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया।
रोम, बोलोग्ना और ट्यूरिन में झड़पें
इटली के मीडिया के अनुसार, शनिवार को कई शहरों में लोगों ने बढ़ती महंगाई, सैन्य विस्तार और रक्षा बजट में वृद्धि के खिलाफ प्रदर्शन किए। रोम में प्रदर्शनकारी दोपहर के समय पियाजा डेला रिपब्लिका से युद्ध-विरोधी मार्च के लिए निकले। शाम को शहर के केंद्र में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने पानी की बौछारों और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। बोलोग्ना में भी कुछ प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच टकराव हुआ। वहीं, ट्यूरिन में प्रदर्शनकारियों ने बढ़ते सैन्य खर्च और ईंधन की कीमतों में वृद्धि का विरोध किया। वहां भी शनिवार शाम पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं।



दुनिया का सबसे बड़ा बैटरी से चलने वाला जहाज 'चाइना ज़ोरिल्ला' सेवा में शामिल

-130 मीटर लंबा जहाज ले जा सकता है 2,100 से अधिक यात्रियों और 225 वाहनों को



ब्यूनस आयर्स,एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े बैटरी-इलेक्ट्रिक जहाज 'चाइना ज़ोरिल्ला' ने आधिकारिक तौर पर सेवा शुरू कर दी है। ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया में इंकैट कंपनी द्वारा निर्मित यह जहाज दक्षिण अमेरिकी कंपनी बुकेबस के लिए संचालित होगा। इसका नाम उरुग्वे की प्रसिद्ध अभिनेत्री चाइना ज़ोरिल्ला के नाम पर रखा गया है।
जहाज की लंबाई 130 मीटर और चौड़ाई 32 मीटर है। इसमें एक साथ 2,100 से अधिक यात्रियों और 225 वाहनों को ले जाने की क्षमता है। इसकी सबसे प्रमुख विशेषता इसका बैटरी आधारित संचालन है। इसमें 250 टन से अधिक वजन की बैटरियां और 40 से 43 मेगावाट-घंटे की ऊर्जा भंडारण प्रणाली लगाई गई है।
यह जहाज अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स और उरुग्वे के बीच रिवर प्लेट मार्ग पर चलेगा। इसके आठ इलेक्ट्रिक वाटरजेट इंजन लगभग 25 समुद्री मील की गति प्रदान कर सकते हैं।
पूरी तरह बैटरी से संचालित होने के कारण जहाज के परिचालन के दौरान प्रत्यक्ष धुआं और निकास गैसों का उत्सर्जन नहीं होता। इससे पारंपरिक ईंधन से चलने वाले जहाजों की तुलना में स्थानीय वायु प्रदूषण और परिचालन संबंधी शोर कम करने में मदद मिल सकती है। बड़े आकार, यात्रियों और वाहनों की परिवहन क्षमता तथा बैटरी आधारित प्रणोदन प्रणाली के कारण यह जहाज समुद्री परिवहन में स्वच्छ ऊर्जा के इस्तेमाल की दिशा में महत्वपूर्ण उदाहरण है। हालांकि, इसके समग्र पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन बैटरियों के निर्माण, इस्तेमाल होने वाली बिजली के स्रोत और उनके जीवनकाल के प्रबंधन जैसे पहलुओं पर भी निर्भर करेगा।

केन्या में भीषण सड़क हादसा: बस और ट्रक की टक्कर में 22 लोगों की मौत, कई घायल

माकुएनी , एजेंसी। अफ्रीकी देश केन्या में रविवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में करीब 22 लोगों की मौत हुई, जबकि कई अन्य घायल है। यह दुर्घटना राजधानी नैरोबी को तटीय शहर मोम्बासा से जोड़ने वाले मुख्य राजमार्ग पर बस और ट्रक की टक्कर के कारण हुई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस के मुताबिक, बस में सवार यात्री अंतिम संस्कार में शामिल होने के बाद लौट रहे थे। तभी बस और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। दुर्घटना में 22 लोगों की जान चली गई। अधिकारियों ने आशंका है कि घायलों की स्थिति गंभीर होने के कारण मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

ब्रिटेन ने नागरिकों को तीन दिन के आपातकाल में रहने की सलाह

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन सरकार ने हाल ही में अपने नागरिकों को एक अप्रत्याशित सलाह जारी कर आपातकालीन तैयारी के लिए सचेत किया है। बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों, खराब मौसम की आशंकाओं और साइबर हमलों के खतरे को देखते हुए, सरकार ने अपनी नई 'बी रेडी' मुहिम के तहत लोगों से आपात स्थिति के लिए कम से कम तीन दिन का भोजन और पर्याप्त पानी जमा रखने का आग्रह किया है। इस घोषणा का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी बड़ी आपदा या आवश्यक सेवाओं के ठप होने की स्थिति में परिवार 72 घंटे तक अपनी बुनियादी जरूरतें पूरी कर सकें। सरकार की सलाह के मुताबिक, हर व्यक्ति के लिए रोजाना लगभग 3 लीटर पानी की व्यवस्था होनी चाहिए, जिसका अर्थ है तीन दिनों के लिए 9 लीटर पानी का भंडारण। इसके अतिरिक्त, लोगों को लंबे समय तक चलने वाले डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ, कंबल, नकदी, एक प्राथमिक उपचार किट, बैटरी वाली टॉर्च और हाथ से चलने वाला एफएम रेडियो भी तैयार रखने को कहा गया है। जानकारों के अनुसार, बिजली, इंटरनेट या भुगतान सेवाओं के बाधित होने की स्थिति में ये वस्तुएं बेहद मददगार साबित हो सकती हैं। सरकार की इस चेतावनी के पीछे कई गंभीर कारण हैं। सरकार को आशंका है कि भविष्य में चरम मौसमी घटनाओं, ऊर्जा संकट या अंतरराष्ट्रीय तनाव से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। ब्रिटेन ने हाल के वर्षों में कई शक्तिशाली तूफानों का सामना किया है, जिनसे हजारों घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हुई है। जनवरी में आए तूफान गोरेटी के दौरान भी मिडलैंड्स, दक्षिण-पश्चिमी इंग्लैंड और वेल्स के कई इलाकों में बिजली गुल हो गई थी। इसके अलावा, ब्रिटिश रक्षा विशेषज्ञों ने रूस और अन्य विरोधी देशों की ओर से संभावित खतरों के लिए तैयार रहने की बात कही है। उन्होंने सरकारी ढांचे, बिजली व्यवस्था, इंटरनेट और भुगतान प्रणालियों पर साइबर हमलों की आशंका भी जताई है, जिससे व्यापार और आवश्यक सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो सकती हैं।

हाथों में छिपे हैं बीमारियों के राज

हाथ सिर्फ तकदीर का हाल नहीं बताते, बल्कि बीमारियों का भी पता देते हैं। नए शोधों इस बात का खुलासा हुआ है कि आपके सेहत से जुड़ी बहुत-सी जानकारियां आपके हाथों, उसकी त्वचा और नाखूनों के आकार-प्रकार तथा रंगत में छिपी होती हैं। महिलाओं की हथेली बता सकती है कि उसे गर्भाशय के कैंसर का खतरा कितना है। 74 साल की एक महिला डॉक्टर के पास पहुंची। उसकी हथेलियों पर एक सख्त गांठ जैसी चीज उभरी हुई थी। शुरूआती जांच में महिला में कोई गड़बड़ी नहीं दिखाई दी, लेकिन जब उसकी गहन जांच की गई तो पता चला कि महिला को गर्भाशय का कैंसर है। डॉक्टरों के मुताबिक हथेली पर उभरने वाले सख्त मांस पिंड के बारे में मेडिकल दस्तावेज खंगाले गए तो पता चला कि यह उभार गर्भाशय कैंसर के शुरूआती संकेत हैं।



हाथों को देखकर व्यक्ति के स्वास्थ्य के बारे जानकारियां जुटाने की मुहिम में जुटे डॉ. ग्राहम एस्टन ने बताया, 'जब भी मैं अपने मरीजों से मिलता हूं, सबसे पहले उनसे हाथ मिलाता हूं। उसके हाथ उनकी सेहत संबंधी जानकारियों से भरे-पूरे होते हैं।' यही वजह है कि अब बहुत सारे डॉक्टर हाथों की बनावट और स्किन के टैक्चर के आधार पर रोग के बारे में अपनी राय कायम करते हैं और फिर उसी दिशा में डाइगनोसिस प्रक्रिया को शुरू करते हैं। ब्रिटेन और अमेरिका के डॉक्टर इस विधि को निदान की प्रक्रिया से जोड़ने के लिए विभिन्न मेडिकल काउंसिलों से बात कर रहे हैं।

लंदन के कुछ डॉक्टरों ने हाथ के रंग, त्वचा की बनावट को आधार बनाकर एक चार्ट तैयार किया है, जो यह बताता है कि अमुक दशा में यह रोग होने की आशंका रहती है।

लालिमा लिए हथेली :

इस तरह की हथेली डॉक्टर को लिवर के बारे में काफी जानकारियां दे सकती है। लाल हथेलियों का यह कतई मतलब नहीं है कि किसी के शरीर में काफी खून है, बल्कि इस बात की आशंका व्यक्त करता है कि उसको लिवर सिरोसिस हो सकती है। सिरोसिस का मतलब होता है लिवर के ऊत्तकों का क्षरण। बहुत ज्यादा शराब पीने से सिरोसिस का अंदेशा रहता है। यह अन्य कारणों से भी हो सकती है, जैसे हेपेटाइटिस-सी या दूषित जल का लगातार सेवन।

चर्बीयुक्त उंगलियों के जोड़ :

उंगलियों के जोड़ों पर यदि पिंडनुमा मांस जमा हो जाए तो यह शरीर के भीतर उच्च श्रेणी के कोलेस्टेरोल के जमा होने का सूचक है। ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन में कार्डियक नर्स एलेन मैसन के मुताबिक वर्षों तक नसों में वसा जमा होता रहता है और बाद में पिंड के रूप में उभर आता है। उन्होंने बताया कि ऐसे लोगों के रक्त में जन्म से ही उच्च कोलेस्टेरोल रहता है और इनमें से कई कम उम्र में ही अकाल मृत्यु के शिकार हो जाते हैं।

स्पून नेल्स :

हममें से बहुतों के उत्तल या उभरे हुए नाखून होते है, किसी गेंद जैसी गोलाई लिए हुए, लेकिन यदि आपके नाखूनों के बीच में गड्ढा है तो यह इस बात का संकेत है कि आपके शरीर में आयरन की कमी है। ऐसे लोगों में खून की कमी भी हो सकती है। डॉक्टरों का कहना है कि रक्त की कमी से नाखून टेढ़े-मेढ़े और खुरदुरे हो जाते हैं।

घुमावदार उंगलियां :

यदि किसी की उंगलियों के पोर वक्राकार हैं तो भयंकर बीमारियों, कैंसर या टीबी के संकेत हो सकते हैं। आज से कोई 2000 साल पहले अनुमान पर आधारित चिकित्सा करने वाले नीम हकीम घुमावदार पोर देखकर लोगों को जानलेवा बीमारियों के प्रति सचेत करते थे, लेकिन लीड्स विश्वविघालय के वैज्ञानिकों ने अब जाकर इसे सही पाया है। यह पीजीई 2 नाम के एक पदार्थ के फेफड़ों के आसपास जमा होने से होता है, जो बाद में चलकर कई तरह की बीमारियों की वजह बनता है। शरीर के बाहर यही पदार्थ उंगलियों के पोरों में जमा होता है, जिससे सूजन आती है।

नीली उंगलियां :

किसी व्यक्ति के रक्त में आक्धसीजन की मात्रा कितनी है, इसे जानने के लिए डॉक्टर उस व्यक्ति के नाखूनों, पैर के पंजों और होंठ का निरीक्षण करते हैं। शरीर के इन हिस्सों के गुलाबी होने का मतलब है, अच्छा ब्लड सर्कुलेशन, लेकिन इनके नीले होने का मतलब है कि शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल रही है।

डॉक्टरों ने कुछ और मेडिकल संकेतों का जिक्र किया है। यदि नाखूनों पर नन्हे उभार हैं तो इसे गठिया होने का संकेत माना जाए। अगर नाखून पोरों की आर से सफेद या पीले हैं और त्वचा के पास आकर भूरे-से हो जाते हैं तो इसे भविष्य में किडनी फेल होने की चेतावनी माना जाए। हथेलियों से पसीने आने का अर्थ है थाइरॉइड का खतरा।

हेल्थ प्लस

सर्दी-जुकाम छूं-छूं...सूं-सूं....



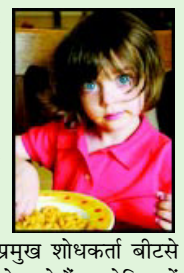
कैसे फैलते हैं

सर्दी-जुकाम वायरस की वजह से होते हैं, किंतु ये कई माध्यमों से फैलते हैं। सर्दी लगना राइनोवायरस के कारण होता है। यह वायरस तीन घंटों तक किसी ठोस सतह पर सक्रिय रह सकता है जैसे दरवाजे की कुंडी या टेलीफोन के रिसीवर पर। इस तरह से यह हाथ द्वारा फैलता है। जुकाम का वायरस हवा द्वारा तब फैलता है, जब रोगी बातचीत करे, जम्हाई ले या खांसे। यह वायरस 10 मिनट तक हवा में सक्रिय रहता है।

रोकथाम

- सर्दी का वायरस हमारे शरीर को म्यूकस मैम्ब्रेन के जरिए प्रभाव डालता है। इस लिए अपनी नाक व आंखों को मसलें नहीं तथा मुंह के भीतर हाथ न डालें। सर्दी से बचने का सबसे बेहतर तरीका यह है कि वायरस को अपने हाथों से दूर रखें।
- सर्दियों के दस्तक देते ही जब आपको सर्दी के सिग्नल मिलने लगें, जैसे गला जाम लगे या नाक भारी होने लगे तो फिर रोजाना विटामिन-सी की खुराक लेना आरंभ कर दें। यह खुराक 250 एमजी से 500 एमजी तक हो सकती है।

शिशुओं को न दें अधिक आयरन, हो सकता है नुकसान



यह आम धारणा है कि आयरन (लौह) हमारे शरीर के लिए आवश्यक है। आमतौर पर बच्चों के कमजोर होने पर अभिभावक उसे आयरन की दवा देने के बारे में सोचने लगते हैं लेकिन नहीं, जरा ठहरिए। न्यूयार्क में किए गए एक नए शोध से यह सामने आया है कि शिशुओं को अधिक मात्रा वाली आयरन की दवा देना नुकसानदेह हो सकता है। मिशीगन विश्वविघालय की प्रोफेसर और प्रमुख शोधकर्ता बीटसे लोजफ ने कहा, हमारे शोध के परिणाम चौंकाने वाले हैं। अमेरिका में आमतौर पर बच्चों को आयरन की कमी से बचाने वाली जो दवाएं आती हैं, वह सभी 12 एमजी की होती हैं जबकि यूरोप में अपेक्षाकृत कम मात्रा वाली दवा का इस्तेमाल किया जाता है। विश्वविघालय ने दस साल तक के 494 बच्चों पर शोध किया और पाया कि जिन बच्चों को 12 एमजी वाली दवाएं दी गईं उनका शारीरिक विकास उन बच्चों की तुलना में कम हुआ जिन्होंने कम मात्रा वाली दवा ली थी। लोजफ ने कहा, मेरे लिए परिणाम चौंकाने वाले थे। मैंने सोचा था कि 12 एमजी दवा लेने वाले बच्चो ज्यादा विकास करेंगे लेकिन हुआ इसका उल्टा। गौरतलब है कि इन निष्कर्षों का बच्चों के लिए विभिन्न खाघ सामग्री बनाने वाले कंपनियों पर बुरा असर पड़ सकता है।

बिच्छू के जहर से होगा कैंसर का इलाज

बिच्छू के जहर से ब्रेन कैंसर के इलाज में मदद मिल सकती है। फिलहाल वैज्ञानिक इसका परीक्षण कर रहे हैं। अभी तक के शोध के मुताबिक न्यूरोटाक्सिन का एक मिश्रण कुछ ट्यूमर कोशिकाओं को बांधे रखते हैं, जबकि स्वस्थ कोशिकाओं पर इनका कोई प्रभाव नहीं पड़ता। पेप्टाइड वे कण होते हैं जो एमीनो एसिड के साथ मिलकर प्रोटीन का मार्ग अवरूद्ध करते हैं। प्रयोग में यह पाया गया है कि इसमें मौजूद कण स्तन के त्वचा, ब्रेन और फेफड़े के ऊतकों के ट्यूमर पर आक्रमण करते हैं लेकिन स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान नहीं पहुंचाते। न्यू साइंटिस्ट मैग्जीन के मुताबिक पिछले साल हुए एक परीक्षण के दौरान वैज्ञानिकों कई लोगों के शरीर में ट्यूमर पर इसकी दवा टीएम 601 को इजेंक्ट किया। हालांकि अधिकतर मरीजों की इस दौरान मौत हो गई थी लेकिन जिन लोगों को इसकी ज्यादा मात्रा दी गई वह औसतन तीन माह ज्यादा जीवित रहा। यह दवा शरीर के किसी भी हिस्से में मौजूद ट्यूमर के खात्मके लिए कारगर हो सकती है।

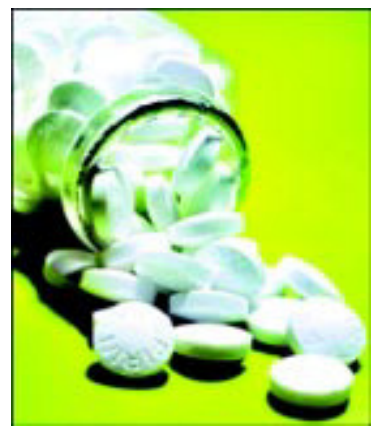
नुकसानदेह भी है विटामिन-सी

वैज्ञानिकों ने चेताया है कि विटामिन-सी सप्लीमेंट्स का ज्यादा इस्तेमाल कैंसर की दवाओं के असर को कम कर देता है। इस बारे में किए गए शोध से पता चला कि विटामिन-सी देने से कैंसर के सेल्स पर दवा का असर 70 फीसद तक कम हो जाता है। चूहों पर किए गए प्रयोग से इस बात का भी खुलासा हुआ कि विटामिन-सी की वजह से ट्यूमर का विकास तेज हो जाता है। कैंसर रिसर्च जनरल में प्रकाशित लेख के मुताबिक कीमोथैरेपी के दौरान यदि विटामिन-सी के सप्लीमेंट्स दिए जाते हैं तो इससे कैंसर के जानलेवा सेल्स की दवा प्रतिरोधी क्षमता बढ़ जाती है। डॉ. मार्क हीने ने एक चूहे में मानव कैंसर के सेल्स इंजेक्ट किए। इसके बाद कीमोथैरेपी देने से दो घंटे पहले चूहे को विटामिन-सी का सप्लीमेंट दिया गया तो शोध दल ने पाया कि कैंसर सेल्स का विकास तेज हो गया था।



एस्पिरिन घटाती है स्तर कैंसर का खतरा!

आमतौर पर दर्द के लिए ली जाने वाली जाने वाली एस्पिरिन का एक बड़ा फायदा सामने आया है। एस्पिरिन महिलाओं में स्तन कैंसर के खतरे को घटाने की कारगर दवा है। एक महत्वपूर्ण शोध में यह दावा किया गया है। अपने तरह के इस बड़े मेडिकल रिव्यू में कहा गया है कि इस पेनकिलर की नियमित खुराक लेने से महिलाओं में स्तन कैंसर का खतरा 13 फीसद तक कम हो जाता है। इसी तरह की एक अन्य दवा आइबूप्रोफीन भी स्तन कैंसर से निपटने में कारगर है। यह भी स्तन कैंसर के खतरे को 21 फीसद तक कम कर देती है।



परीक्षण में यह बात सामने आई है कि एस्पिरिन और अन्य जलन निरोधक गोलियां केवल दर्द ही कम नहीं करती, स्तन कैंसर के विषाणु से रक्षा भी करती हैं। यह रिपोर्ट नेशनल कैंसर इस्टीट्यूट के जनरल में प्रकाशित हुई है। इसमें 27 लाख महिलाओं के ऊपर किए गए 38 विभिन्न शोधों का हवाला दिया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जो महिलाएं नॉन-स्टेराइडल एंटी इनफ्लामेट्री (एनएसएआईडी) दर्द निवारक लेती हैं, उनमें आम महिलाओं की अपेक्षा जीवन भर में स्तनकैंसर होने का खतरा 12 फीसद तक कम हो जाता है। एक अलग विश्लेषण में यह कहा गया है कि एस्परिन से यह खतरा 13 फीसद तक कम हो जाता है जबकि आइबूप्रोफीन इसका खतरा 21 फीसद तक घटा देती है। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया, वैंकोवर कोस्टल हेल्थ रिसर्च इंस्टीट्यूट और यूनिवर्सिटी ऑफ सेंटडियागो डि कैंपोसटेला ने संयुक्त रूप से यह निष्कर्ष जारी किए हैं। ब्रिटेन में 12 फीसद महिलाओं को स्तन कैंसर होने का खतरा बना रहता है। इस शोध के बाद इस तरह के मामलों का स्तर दस फीसद के पास लाया जा सकता है। हालांकि इस रिपोर्ट के बाद लाखों महिलाओं में स्तन कैंसर से निजात पाने की आशा जगी है फिर भी अभी इसके परीक्षणों का चरण शेष है। दरअसल, जिन महिलाओं पर यह शोध किया गया, उनमें से अधिकतर दूसरी बीमारियों से भी पीड़ित थीं और अन्य दवाइयां भी ले रहीं थीं। उनकी दिनचर्या और खानपान आम महिलाओं से भिन्न था।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

योजना क्रियान्वयन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। आत्मचिंतन करे। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-5-7-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे चो

व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते है। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन का की कू घ ड छ के को हा

लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-5-7-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-2-5-8

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

अपने हितैषी ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-1-3-5

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

बुरी संगति से बचे। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-3-5-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यसनों का त्याग करें. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-6-7-8

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंग। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ होगा। शुभांक-1-4-6

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-6-7

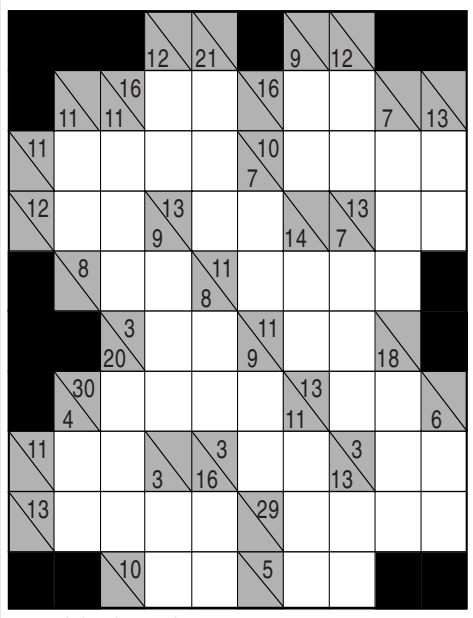
कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

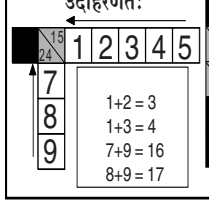
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 1909

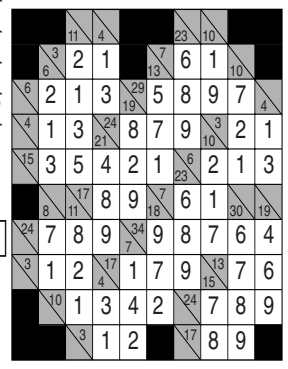


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 1908 का हल



हंसी के फव्वारें

एक हीरो का जब बुरा समय आया तो एक होटल में बैरागिरी करने लगा. एक दिन उसका दोस्त उस होटल में खाना खाने पहुंचा. जब उसने हीरो को वहां वेटर के रूप में देखा तो उसने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा-'अरे! तुम ऐसे मामूली होटल में बैरागिरी कर रहे हो ?'

'हां !' हीरो शान्त स्वर में बोला-'सब समय की बात है. फिर भी अभी ऐसी हालत नहीं हुई कि इस होटल में खाना खाना पड़े.'

□ □ □

एक अधिकारी ने कागजी कार्यवाही के दौरान अपने पास बैठे एक आदमी से पूछा-'आपकी राष्ट्रीयता तो भारतीय है ना!'

'जी नहीं !'

'फिर ?'

'मेरे मां और बाप दोनों अंग्रेज थे, इसलिए मेरी राष्ट्रीयता अंग्रेजी है.'

'मगर आप पैदा तो भारत में हुए थे.'

'तो क्या हुआ!'वह आदमी कड़क आवाज में बोला-'आपकी कुतिया यदि घुड़साल में जाकर पिल्ला दे तो क्या आप उसे घोड़ा मान लेंगे ?'

□ □ □

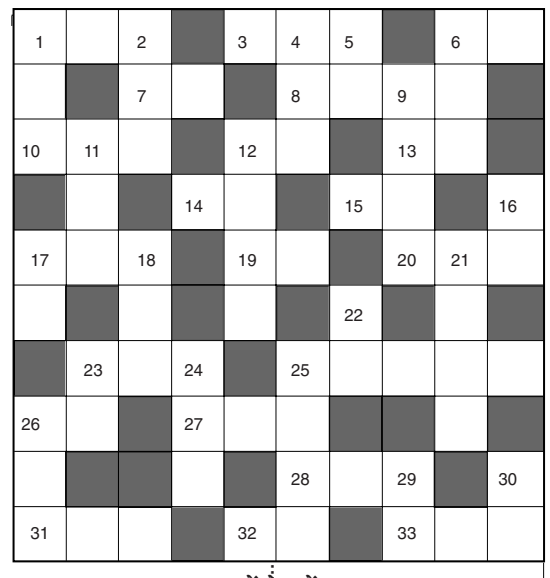
बेटा-'पापा मुझे तीन विषयों में एक समान अंक मिले हैं.'

पिता-कितने अंक मिले हैं.

बेटा-'शून्य,शून्य,शून्य !'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1909



बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, सलमान, रंभा, अश्विनी भावे की फिल्म-३
३. 'छम छम बरसा' गीत वाली फिल्म-३
६. 'जलता है जिया मेरा भीगी भीगी' गीत वाली फिल्म-२
७. राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. अमिताभ, शर्मिला, हेमा, परवीन की फिल्म-४
१०. 'मरना तेरी गली में जीना तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१२. फरदीन, करीना की 'रंग दीन्ही रंग' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'कहना है तुम' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
१४. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'चाँदनी रात है' गीत वाली सलमान, नगमा की फिल्म-२
१७. 'जिंदगी ये जिंदगी दो घड़ी की जिंदगी' गीत वाली फिल्म-३
१९. नागार्जुन, उर्मिला की फिल्म-२
२०. जैकी श्रॉफ, जूही, एकता की एक सस्पेंस फिल्म-३
२३. मिलिंद, विक्रम सलूज की फिल्म-३
२५. विनोद मेहरा, अनिल कपूर, स्मिता, रति की फिल्म-२,१,२
२६. 'याइला रे लड़की मस्त' गीत वाली फिल्म-२
२७. धर्मेन्द्र, शर्मिला की 'बहारों की बारात आ' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'तुझे देखके दिल' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, जॉन, सुनील शेट्टी की फिल्म-३
३२. 'जिस का मुझे था' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
३३. अक्षय, सैफ, खीना टंडन, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'रंग भरे मौसम से' गीत वाली फिल्म-३
२. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
४. 'मैं तेरी मुहब्बत में' गीत वाली फिल्म-३
५. बिजॉय आनंद, कृतिका पाने, सोनू वालिया की फिल्म-२
६. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
९. राजबब्बर, अनिता की फिल्म-४
११. 'किसी के दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. नवीन निश्चल, सायरा की 'इधर गया था' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'तेरे बिना तेरे' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
१७. संजय, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'खाई है रे हमने कसम संग रहने की' गीत वाली फिल्म-३
२१. जैकी, नीलम की 'चुराया तूने दिल' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन, उदिता की फिल्म-२
२३. इरफान खान, की 'मैंने दिल से कहा' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'हम तीनों की वो यारी' गीत वाली फिल्म-३
२५. राजेंद्रकुमार, राखी की फिल्म-२,२
२६. 'पहली बार जो' गीत वाली फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२९. 'सुन जरा सोनिये' गीत वाली फिल्म-२
३०. रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1908

चा	ल	बा	ज		चा	ला	क		जा
ह		रि		आ	ह		र्ज		ल
त	ला	श		र	त	न		प्पा	सा
	वा		रा	जू		ज	ख्म		ज
म	स्ती		क	ह	र		अ	स्ति	त्व
अ		जीं	स		दा	वा		क	
व	क्त		म	द	र		दा		अं
ता		हे		र्द		फि	दा		जा
र	ह	मा	न		रे	जा		धू	म

सूडोकु -1909

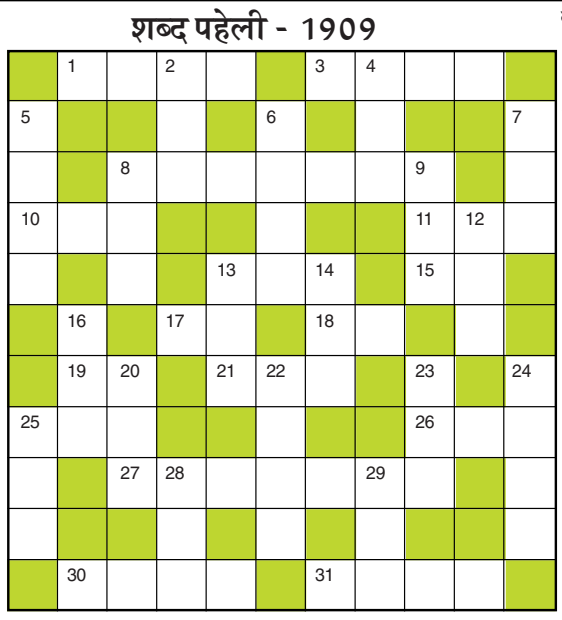
8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1908 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 1909



बाएँ से दाएँ

1. मरघट,कब्रिस्तान-4
3. पागल,बुद्धिहीन-4
8. भगवान,ईश्वर,खुदा-7
10. डांटना,दुत्कार-3
11. तरुण,किशोर-3
13. ओट,घूँघट-3
15. तपस्या-2
17. पराया,अजनबी-2
18. आनंद,मौज-2
19. सूर्य,भास्कर-2
21. चिंतन,सोच विचार-3
25. वेणी,फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26. वैद्य-3
27. आभास करना-4,3
30. शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31. युद्धघोष,आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2. कवि,गजलकार-3
4. भारत का झंडा-3
5. ईश्वर,भगवान-4
6. गुरुवार-4
7. दुर्ज,पापी,भूत-3
8. शरण,आश्रय-3
9. चांदी-3
12. उत्तराधिकारी-3
13. उत्कृष्ट,प्रधान-3
14. आंचल-3
16. कमल-3
20. रुकना,अंत, ठहराव-3
22. उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23. बर्दाश्त करना, निभाना-3
24. आय, कमाई-4
25. उष्ण-3
28. पराजित करना-3
29. उपपत्नी,दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली -1908 का हल

रा	ऊ	ल	के	ला			क	स	क	
ह	जां		श		श	वु	ता		न्या	य
गु				ही	र	क		र			म
ज	ला	व	न				गं		अ	नु	ज
र		च		बे	ल	गा	म		की	
	शा	न		क		ज		ब	ला	
	य		श	रा	र	ल		न्द		त
म	द	द		र			अ	र	मा	न
श			स		शा	य	र			ब
क	म		न	र	म		मा		मा	द
	जा	न	म			म	न	मो	ह	न

वागमण सिमी प्रशिक्षण शिविर मामला : अब्दुल सुभान कुरैशी को सात साल की कठोर कैद

केरल। वर्ष 2007 के वागमण सिमी प्रशिक्षण शिविर मामले में केरल की विशेष अदालत ने आरोपी अब्दुल सुभान कुरैशी को सात साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से जुड़े मामलों की विशेष अदालत ने फैसला आरोपी द्वारा अपने ऊपर लगे आरोप स्वीकार करने के बाद सुनाया। अदालत ने विभिन्न धाराओं के तहत सुनाई गई सजाओं को एक साथ चलाने का आदेश दिया है। विशेष अदालत के न्यायाधीश हफीज मोहम्मद ने महाराष्ट्र के ठाणे निवासी कुरैशी को विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम (यूएपीए) की धारा 10(ए) के तहत एक साल तथा धारा 20 और 38 के तहत पांच-पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। इसके अलावा, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी के तहत भी सात-सात साल की कैद का आदेश दिया गया। अदालत ने कुछ धाराओं के तहत 25-25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। आरोपी पहले जेल में जितनी अवधि बिता चुका है, उस अवधि को सजा में समायोजित किया जाएगा। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, प्रतिबंधित संगठन स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) के सदस्यों के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने की कथित साजिश में 38 आरोपी शामिल थे। इसी सिलसिले में 10 से 12 दिसंबर 2007 के बीच केरल के वागमण स्थित थंगलपारा में शिविर आयोजित किया गया था। अभियोजन ने आरोप लगाया था कि शिविर में प्रतिभागियों को गोली चलाने, बम बनाने और विस्फोटकों के इस्तेमाल का प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा, मोटरसाइकिल चलाने, चट्टानों पर चढ़ने और जिहाद से संबंधित कक्षाएं आयोजित करने की बात भी सामने आई थी।

झांसी में सड़क जाम और हंगामे के आरोप में पांच किन्नर गिरफ्तार, केस दर्ज

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी में बधाई मांगने को लेकर हुए विवाद के बाद सड़क पर हंगामा करने और यातायात बाधित करने के आरोप में पुलिस ने पांच किन्नरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनुष्का उर्फ अभिषेक, पूजा, नयनतारा रशियन, ममता और महावीरन के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, इनके खिलाफ बलवा, लोक सेवक को चोट पहुंचाने, सरकारी काम में बाधा डालने, सार्वजनिक रास्ता अवरुद्ध करने, अश्लील हरकत और निषेधाज्ञा के उल्लंघन से संबंधित आरोप लगाए गए हैं।

जहरीली शराब से पार्षद सहित दो की मौत, एक गंभीर

जांजगीर। छत्तीसगढ़ के जांजगीर जिले के पामगढ़ में जहरीली शराब के सेवन से पार्षद सहित दो लोगों की मौत हो गई. जबकि एक अन्य व्यक्ति की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मृतकों के परिजनों में शोक का माहौल है। गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज जारी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, शराब पीने के बाद तीनों की तबीयत बिगड़ गई। हालत गंभीर होने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां दो लोगों को बचाया नहीं जा सका। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और प्रशासन सक्रिय हो गए। जहरीली शराब के सेवन की आशंका को देखते हुए मामले की जांच की जा रही है। शराब के नमूनों की जांच और मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। घटना ने अवैध शराब के कारोबार और उसकी रोकथाम को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने की रूसी संसद के अध्यक्ष व्याचेस्लाव वोलोडिन से मुलाकात



नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रूस की संघीय संसद के निचले सदन स्टेट ड्यूमा के अध्यक्ष व्याचेस्लाव वोलोडिन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और रूस के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत करने तथा दोनों देशों की संसदों के बीच सहयोग बढ़ाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

बैठक में बिरला ने भारत और रूस के बीच विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के 80 वर्ष पूरे होने को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताकर आपसी सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने पर जोर दिया। दोनों पक्षों ने माना कि नियमित संवाद और संसदीय संपर्क द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने भारत और रूस की संसदों के बीच अंतर-संसदीय आयोग की अगली बैठक आयोजित करने की संभावनाओं पर विचार करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के सांसदों और संसदीय प्रतिनिधिमंडलों के बीच लगातार संवाद से आपसी समझ बढ़ेगी और साझा हितों से जुड़े मुद्दों पर सहयोग को प्रोत्साहन मिलेगा। बैठक में आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहयोग का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। बिरला ने आतंकवाद के विरुद्ध भारत का समर्थन करने के लिए रूस की प्रशंसा की। दोनों नेताओं ने इस चुनौती से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समन्वय बढ़ाने और विभिन्न देशों के साथ मिलकर प्रभावी प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया। इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और भारत की स्थायी सदस्यता के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। ओम बिरला ने इस संबंध में रूस के समर्थन की सराहना की। उन्होंने भारत-रूस संबंधों को और व्यापक बनाने तथा संसदीय सहयोग को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।

नासिक कुंभ मेला में मंत्री राणे ने की मुसलमानों के प्रवेश पर रोक की मांग

-कुंभ में केवल हिंदू दुकानदारों को जगह देने की अपील

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के भाजपा नेता और कैबिनेट मंत्री नितेश राणे ने नवी मुंबई में कार्यक्रम के दौरान नासिक कुंभ मेला में मुसलमानों के प्रवेश और दिवाली पर खरीदारी को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने अगले साल से शुरू होने वाले कुंभ मेला में मुसलमानों के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग की। साथ ही मेला में केवल हिंदू दुकानदारों को दुकानें लगाने की अनुमति देने की बात कही। उनके बयान से धार्मिक आधार पर भेदभाव को लेकर बहस तेज होने की संभावना है।

महायुति सरकार में मंत्री राणे ने कहा कि जिस तरह मुस्लिम धार्मिक संगठन फतवे जारी करते हैं, उसी तरह कुंभ मेला को लेकर भी आदेश जारी होने चाहिए। उन्होंने मुसलमानों के कुंभ मेला में आने पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर धमकी भरे शब्दों का इस्तेमाल किया।

दिवाली के मौके पर भी मंत्री राणे ने हिंदू व्यापारियों और ग्राहकों से विशेष अपील की। उन्होंने कहा कि हिंदू दुकानदारों को केवल हिंदू ग्राहकों को सामान बेचना चाहिए और हिंदुओं को भी हिंदू दुकानदारों से ही खरीदारी करनी चाहिए। उनके इस बयान को व्यापारिक गतिविधियों में धार्मिक पहचान को प्राथमिकता देने की अपील के रूप में देखा जा रहा है।

नितेश राणे इसके पहले भी अपने बयानों को लेकर विवादों में रहे हैं। मदरसों पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने आरोप लगाया था कि वहां डॉक्टर और इंजीनियर तैयार करने के बजाय आतंकवादी बनाए जाते हैं। हालांकि, यह उनका आरोप था। महाराष्ट्र में कथित लव जिहाद के खिलाफ कानून को लेकर भी राणे ने सख्त बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि कानून के तहत दोषियों को सात साल तक जेल में रहना पड़ सकता है।

कहीं भी होने वाला युद्ध, हर जगह की शांति को खतरे में डालता : जयशंकर



नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंकवाद और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जारी संघर्षों को लेकर भारत का रुख साफ किया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को राज्य की नीति के साधन के रूप में इस्तेमाल करना पूरी तरह गलत है। आतंकवाद को किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं मन सकते है उन्होंने वैश्विक शांति के लिए बातचीत, कूटनीति और आतंकवाद के खिलाफ एकजुट प्रयासों को जरूरी बताया। नई दिल्ली में चिन्मय मिशन की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद विश्व शांति के सामने गंभीर चुनौती है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इसके सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ एकजुट होकर कार्रवाई करने की अपील की। उनके मुताबिक, दुनिया के देशों को साझा खतरे के प्रति सतर्क रहने और आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ संकल्प के साथ खड़े होने की जरुरत है। विदेश मंत्री जयशंकर ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा कि इतिहास से सबक मिलने के बावजूद कुछ देश आतंकवाद के मुद्दे पर राजनीतिक फायदे और नुकसान को प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक सभी देश आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति नहीं अपनाते, तब तक इस खतरे से प्रभावी ढंग से निपटना मुश्किल होगा। दुनिया में जारी संघर्षों का उल्लेख कर जयशंकर ने शांति के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ÷आज के समय में कहीं भी होने वाला युद्ध, हर जगह की शांति को खतरे में डालता है।÷ उनका यह बयान तब आया है, जब यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में जारी तनाव को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंताएं बनी हुई हैं। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि किसी भी विवाद का समाधान बातचीत और कूटनीति के माध्यम से निकाला जाना चाहिए। उन्होंने वैश्विक समुदाय से शांति स्थापित करने के लिए मिलकर प्रयास करने की अपील की।

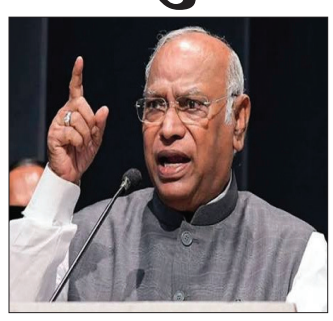
खरगे का नीतीश पर निशाना, समाजवादी विचारधारा के नेता का संघ के साथ जाना दुखद

पटना, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के मौके पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधकर कहा कि समाजवादी विचारधारा से निकले नेता का राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की विचारधारा में विश्वास रखने वालों के साथ जाना बहुत दुखद है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने भाजपा और आरएसएस पर भी कई आरोप लगाए।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने डॉ. श्रीकृष्ण सिंह को बिहार में लोकतंत्र की नींव मजबूत करने वाला प्रमुख नेता बताया। उन्होंने कहा कि श्री बाबू ने जमींदारी प्रथा समाप्त करने और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण काम किए। उनके योगदान ने राज्य में सामाजिक न्याय को बढ़ावा दिया। कांग्रेस नेता खरगे ने आयोजन समिति का आभार जताकर कहा कि बिहार लोकतांत्रिक परंपराओं और ऐतिहासिक विरासत की भूमि है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने बिहार में कांग्रेस सरकारों के इतिहास का उल्लेख कर कहा कि 1937 में श्रीकृष्ण सिंह के नेतृत्व में पहली कांग्रेस सरकार बनी थी। इसके बाद 1947 में दूसरी सरकार स्थापित हुई। उन्होंने बताया कि ब्रिटिश शासन के दौरान मुख्यमंत्री को प्रीमियर कहा जाता था। वर्ष 1952 के पहले विधानसभा चुनाव के बाद श्रीकृष्ण सिंह मुख्यमंत्री बने रहे और 3 जनवरी 1961 तक इस पद पर बने रहे।

कांग्रेस नेता खरगे ने आरएसएस और भाजपा की विचारधारा की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस की विचारधारा के रहते देश में शांति स्थापित करना मुश्किल होगा। उन्होंने बिहार की जनता से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन का समर्थन करने की अपील की और एसआईआर को लेकर लड़ाई को आजादी की दूसरी लड़ाई बताया। राज्यसभा सांसद खरगे ने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस देश के प्रमुख नेताओं की विरासत को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने



कथित 'शुद्धिकरण' की घटना का उल्लेख कर मामले की जांच की मांग भी उठाई। खरगे ने दावा किया कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जांच का आश्वासन दिया था, लेकिन बाद में राहुल गांधी के हल्द्वानी दौरे के दौरान उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर दी गई।

मणिपुर में शांति बहाली के लिए 36 समुदायों की समिति बनेगी: मुख्यमंत्री खेमचंद सिंह



इंफाल ,एजेंसी। मणिपुर में शांति, सद्भाव और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार सभी 36 समुदायों के प्रतिनिधियों को शामिल कर एक समिति गठित करेगी। मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने इसकी जानकारी देकर कहा कि इस पहल का उद्देश्य विभिन्न समुदायों के बीच एकता और भाईचारे को बेहतर करना है।

मुख्यमंत्री ने इंफाल स्थित मुख्यमंत्री सचिवालय में पहाड़ी क्षेत्रों के विभिन्न जनजातीय प्रमुखों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे राज्य के सभी समुदायों को एकजुट करने के लिए समिति के गठन की संभावनाओं के बारे में पूछा था। इसके बाद राज्य सरकार ने इस दिशा में पहल करने का प्रस्ताव तैयार किया। इसके पहले 'मेरा हौ चोंगबा' उत्सव के तहत पैलेस कंपाउंड में पहाड़ी क्षेत्रों के जनजातीय प्रमुखों के लिए एक अतिथि गृह का उद्घाटन किया गया। मुख्यमंत्री ने-पहाड़ी और घाटी क्षेत्रों के बीच आपसी विश्वास तथा भाईचारे का प्रतीक बताया। खेमचंद सिंह ने एंग्लो-मणिपुर युद्ध और वर्ष 1819 से 1826 के दौरान मणिपुर पर बर्मा के कब्जे के कठिन दौर का उल्लेख कर कहा कि राज्य की भूमि, पहचान और विरासत की रक्षा में सभी समुदायों ने योगदान दिया है। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि उत्सव से राज्य में शांति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। मुख्यमंत्री ने पहाड़ी क्षेत्रों के लोगों की उत्सव में भागीदारी पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि कुछ लोग पहले इंफाल आने से हिचकिचाते थे, लेकिन इस बार उनकी भागीदारी सकारात्मक संकेत है। 'मेरा हौ चोंगबा' उत्सव विभिन्न समुदायों के बीच एकता, सद्भाव और पारस्परिक सहयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

2029 तक भारत में चार सक्रिय लांच साइट, इसरो प्रमुख ने भविष्य की योजनाएं बताई

नई दिल्ली , एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा है कि वर्ष 2029 तक भारत में चार सक्रिय प्रक्षेपण स्थल तैयार हो जाएंगे। इससे देश की अंतरिक्ष गतिविधियों का विस्तार होगा और वैश्विक स्तर पर उपग्रह प्रक्षेपण की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसरो का निजीकरण नहीं होगा, हालांकि अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों और स्टार्टअप की भागीदारी बढ़ाई जाएगी।

इसरो प्रमुख नारायणन ने निजी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में इसरो की भावी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तूतीकोरिन जिले के कुलसेकरपट्टिनम में करीब 2,000 एकड़ भूमि पर लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) के लिए अलग प्रक्षेपण परिसर विकसित किया जाएगा। यहां रॉकेट के विभिन्न हिस्सों और प्रणालियों को जोड़ने, प्रक्षेपण की तैयारी, निगरानी, नियंत्रण और आंकड़े प्राप्त करने जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसरो प्रमुख के अनुसार, अंतरिक्ष क्षेत्र में तेजी से बढ़ती गतिविधियों के लिए निजी उद्योगों के साथ साझेदारी महत्वपूर्ण है। इसरो स्टार्टअप और निजी कंपनियों को तकनीकी विशेषज्ञता तथा आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराएगा। इससे आर्थिक विकास को गति मिलने के साथ उच्च प्रौद्योगिकी वाले क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

इसरो प्रमुख नारायणन ने गगनयान मिशन को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसरो अगले दो महीनों में पहला मानवरहित परीक्षण करने की योजना बना रहा है। अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने से पहले दो और मानवरहित परीक्षण किए जाएंगे। इन परीक्षणों में सुरक्षा प्रणालियों, वातावरण नियंत्रण, आपातकालीन बचाव व्यवस्था और अंतरिक्ष यान की सुविधाओं की जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि मिशन के लिए जमीन पर लगभग 8,000 प्रयोग पूरे किए जा चुके हैं और चयनित चार अंतरिक्ष यात्री विशेष प्रशिक्षण ले रहे हैं।

भविष्य की योजनाओं में चंद्रयान-5 मिशन शामिल है, जो कि जापान की अंतरिक्ष एजेंसी के सहयोग से विकसित करने की योजना है। इसके तहत लगभग 350 किलोग्राम का रोवर चंद्रमा पर भेजने का लक्ष्य है, जो वहां 100 दिनों तक प्रयोग करेगा।



यूपी चुनाव: सपा-कांग्रेस गठबंधन में सीट बंटवारे पर पेंच, 60 से शुरू होगा मोलभाव



लखनऊ, एजेंसी । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच गठबंधन में सीटों के बंटवारे का मुद्दा अहम होता जा रहा है। दोनों दलों के बीच सीटों की संख्या को लेकर सहमति बनाना आसान नहीं दिख रहा है। कांग्रेस जहां अधिक सीटों पर चुनाव लड़कर प्रदेश में अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करना चाहती है, वहीं सपा गठबंधन में अपने नेतृत्व और चुनावी रणनीति को प्राथमिकता देना चाहती है। इसके बाद सीटों के बंटवारे पर बातचीत चुनावी प्रदर्शन और जीत की संभावनाओं के आधार पर आगे बढ़ने की उम्मीद है।

चर्चाओं के मुताबिक, कांग्रेस पहले 150 से कम सीटों पर चुनाव नहीं लड़ने की बात कर रही थी, लेकिन अब उसकी दावेदारी 200 सीटों तक पहुंच गई है। दूसरी ओर, सपा अपने आकलन के आधार पर करीब 60 से 65 सीटों से बातचीत शुरू करने की तैयारी में है। हालांकि, सीट बंटवारे को लेकर दोनों दलों के बीच अंतिम सहमति सामने आना बाकी है।

सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव पहले ही कह चुके हैं कि गठबंधन में सीटों की संख्या से ज्यादा महत्व जीत की संभावना का है। इसी आधार पर दोनों दलों के संगठन की सक्रियता, स्थानीय नेतृत्व, संभावित प्रत्याशियों और सामाजिक समीकरणों का आकलन किया जा सकता है। बीते चुनावों के नतीजे भी बातचीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 399 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन केवल दो सीटों पर जीत मिली थी। सपा के लिए यह प्रदर्शन कांग्रेस की अधिक सीटों की मांग पर सवाल उठाने का आधार बन सकता है। वहीं, कांग्रेस वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों को अपनी दावेदारी के समर्थन में रख सकती है। उस चुनाव में सपा ने 37 और कांग्रेस ने छह लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की थी। विधानसभा क्षेत्रों के लिहाज से सपा को 183 और कांग्रेस को 39 क्षेत्रों में बढ़त मिली थी। सपा से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, पार्टी ने प्रदेश की सभी विधानसभा सीटों का आकलन किया है। इस आकलन में पिछली जीत के साथ संभावित प्रदर्शन को शामिल किया गया है। पार्टी को उम्मीद है कि बड़ी संख्या में सीटों पर उसकी स्थिति मजबूत रह सकती है।

हालांकि, सपा के सामने अपने लोकल नेताओं और टिकट के दावेदारों को संतुष्ट रखने की चुनौती भी होगी। जिन क्षेत्रों में पार्टी नेताओं को टिकट मिलने की उम्मीद है, वहां सीट कांग्रेस के खाते में जाने से असंतोष पैदा हो सकता है। दूसरी ओर, कांग्रेस को कम सीटें मिलने पर उसके कार्यकर्ताओं में गठबंधन में सीमित भूमिका का संदेश जाने की आशंका है। इसके बाद दोनों दलों के लिए सीटों की अदला-बदली, प्रत्याशियों की स्वीकार्यता और जीत की संभावना के बीच संतुलन बनाना महत्वपूर्ण होगा।

गोवा में कन्नड़ बोलने से नहीं मिलेगा वोट, मुख्यमंत्री सावंत का कांग्रेस पर निशाना

पणजी , एजेंसी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कांग्रेस पर निशाना साधकर कहा कि राज्य में कन्नड़ भाषा बोलने से वोट हासिल नहीं हो सकते, क्योंकि यहां के लोग कोंकणी भाषा अच्छी तरह समझते हैं। उनका यह बयान कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के गोवा में कन्नड़ भाषा में दिए गए भाषण को लेकर आया है। दोनों राज्यों में राजनीतिक बयानबाजी के बीच यह मुद्दा चर्चा में है। सीएम सावंत ने मुरगांव तालुका में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कोरटालिम विधानसभा क्षेत्र कार्यालय का उद्घाटन कर यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि गोवा की अपनी भाषाई और सांस्कृतिक पहचान है तथा यहां के मतदाताओं से संवाद करने के लिए लोकल भाषा और भावनाओं को समझना जरूरी है। दरअसल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने आठ अक्टूबर को कांग्रेस की 'गोय राखण यात्रा' के दौरान कोरटालिम में आयोजित जनसभा को कन्नड़ भाषा में संबोधित किया था।

चक्रवात का अलर्ट: ओडिशा के पांच जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद, अधिकारियों की छुट्टियां रद्द

भुवनेश्वर, एजेंसी । ओडिशा में संभावित चक्रवाती तूफान के खतरे को देखकर राज्य सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। आंध्र प्रदेश के तट पर 28 अक्टूबर को भीषण चक्रवात के टकराने की आशंका के बीच ओडिशा के 5 जिलों में स्कूल, कॉलेज और आंगनवाड़ी केंद्र बंद रखने का आदेश दिया है। वहीं, सभी जिलाधिकारियों और महत्वपूर्ण विभागों में तैनात अधिकारियों की छुट्टियां रद्द कर उन्हें तत्काल मुख्यालय लौटने के निर्देश दिए हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरा दबाव का क्षेत्र बेहद गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। इसके आंध्र प्रदेश में बापटला और विशाखापत्तनम के बीच 28 अक्टूबर को तट से टकराने की संभावना है। इस दौरान हवा की रफ्तार 115 से 125 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है, जो बढ़कर 140 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने कहा कि भले ही चक्रवात के आंध्र प्रदेश के तट से टकराने का अनुमान है, लेकिन ओडिशा सरकार किसी भी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहती। उन्होंने अधिकारियों को लोगों की सुरक्षा, संवेदनशील क्षेत्रों से लोगों को निकालने और आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री मांझी के अनुसार, गंजाम, गजपति, रायगढ़ा, कोरापुट और मलकानगिरि जिलों में 28 और 29 अक्टूबर को सभी शैक्षणिक संस्थान बंद रहने वाली है। अन्य जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद करने का निर्णय संबंधित जिलाधिकारी स्थिति के आकलन के बाद लेने वाले है। मौसम विभाग ने 27 से 29 अक्टूबर तक ओडिशा में बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है। 28 अक्टूबर के लिए पांच जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। कुछ स्थानों पर 20 सेंटीमीटर से अधिक बारिश हो सकती है। दक्षिणी और तटीय इलाकों में 70 से 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की आशंका है। प्रशासन ने मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी है और आपदा प्रबंधन से जुड़ी तैयारियां तेज कर दी हैं।

पाकिस्तान से आगे निकला भारत का जीत का रिकॉर्ड, 300 टी-20 मैचों में दर्ज की 200 जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। मौजूदा समय में टी20 क्रिकेट का क्रेज लगातार बढ़ रहा है और द्विपक्षीय सीरीज में टी20 के मुकाबले अधिक खेले जा रहे हैं। लगभग हर टीम खेल के इस छोटे प्रारूप में अधिक से अधिक मैच खेल रही है जिससे टेस्ट और वनडे के भविष्य पर सवाल भी खड़े हो रहे हैं। भारत ने सर्वाधिक तीन बार टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया है, लेकिन आपको जानकार हैरानी होगी कि इस टीम ने टी20 में सर्वाधिक मैच नहीं खेले हैं।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच शनिवार को दूसरा टी20 मुकाबला खेला गया। भारतीय टीम के लिए ये मैच काफी विशेष रहा क्योंकि उसने मैदान पर उतरने के साथ ही बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। शनिवार को क्राइस्टचर्च के प्रसिद्ध हेग्ले ओवल मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले के साथ ही भारतीय टीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों का एक नया और अनूठा कीर्तिमान अपने नाम कर लिया। इस महत्वपूर्ण मैच के साथ ही भारत, चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों का 300 या उससे अधिक का आंकड़ा छूने वाली दुनिया की केवल दूसरी टीम बन गई है। क्रिकेट के इस सबसे तेज, छोटे और रोमांचक फॉर्मेट में भारत की यह यात्रा अविश्वसनीय रूप से सफल रही है, जिसने दुनिया भर के खेल प्रेमियों को अनगिनत यादगार और ऐतिहासिक लम्हे दिए हैं।

टी20 में सर्वाधिक मैच खेलने का रिकॉर्ड फिलहाल पाकिस्तान के नाम है। पाकिस्तान ने अब तक 304 टी20 मैच खेले हैं और वह पहले स्थान पर है। हालांकि, भारत ठीक उसके पीछे है। भारत इस सूची में अब दूसरे पायदान पर मजबूती से स्थापित हो गया है, जिसने अपने 300 मैच पूरे कर लिए हैं। इस क्रम में न्यूजीलैंड की टीम तीसरे स्थान पर है, जिसने अब तक कुल 269 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में हिस्सा लिया है। इसके अतिरिक्त, वेस्टइंडीज की टीम ने 260 और श्रीलंका ने 243 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जो इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली दुनिया की शीर्ष टीमों में शुमार हैं।

टी-20 में भारत-पाकिस्तान के आंकड़े

टी20 में भारतीय टीम के आंकड़ों को देखें तो टीम ने 300 मैचों में से 200 में जीत दर्ज की है। वहीं, मौजूदा टी20 विश्व कप चैंपियन टीम को 83 मैचों में हार मिली है और सात मैच टाई रहे हैं। वहीं, 10 मैच बेनतीजा रहे हैं। टी20 में 200 जीत का यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि भारतीय टीम ने टी20 क्रिकेट में किस स्तर का एकतरफा दबदबा बनाया है और वैश्विक मंच पर अपनी सर्वोच्चता कायम रखी है। दूसरी ओर, पाकिस्तान के प्रदर्शन को देखें तो उसने कुल 304 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें से उसे 176 मुकाबलों में जीत नसीब हुई है और 116 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान के चार मैच टाई पर छूटे हैं और आठ मुकाबलों का कोई परिणाम नहीं आ पाया है। जब भारत और पाकिस्तान के इन आंकड़ों की तुलना की जाती है, तो भारतीय टीम का जीत-हार का अनुपात काफी अधिक मजबूत नजर आता है।





विश्व कुश्ती चैंपियनशिप ललित कांस्य पदक के मुकाबले में पहुंचे

अस्ताना। भारत के ललित ने अमेरिका के मैक्स एमिलियानो नोवरी को 7-0 हराकर ग्रीको रोमन विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनाई, लेकिन तीन अन्य भारतीय पहलवान पहले दौर में ही बाहर हो गए। ललित कांस्य पदक के मुकाबले में कजाकिस्तान के इस्कर कुरबायेव से भिड़ेंगे। अगर वह यह मैच जीत जाते हैं तो विश्व चैंपियनशिप में ग्रीको रोमन में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे।

विश्व चैंपियनशिप में किस भारतीय ने जीता है पदक...

संदीप तुलसी यादव एकमात्र भारतीय हैं जिन्होंने 2013 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता नितेश सिवाच सहित तीन अन्य भारतीय पहलवान शुरुआती मुकाबलों से आगे नहीं बढ़ पाए। सिवाच को 97 किलोग्राम वर्ग में जर्मनी के एंटोन व्यूएग से हार का सामना करना पड़ा। जर्मनी के खिलाड़ी ने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत हासिल की।

करणजीत (72 किलोग्राम) अपने क्वालीफाइंग मुकाबले में जापान के रिनतारो सोगबे से 2-3 से हार गए। करनजीत अच्छी स्थिति में थे लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए जबकि सोगबे ने जवाबी हमला करके अंक बनाकर भारतीय खिलाड़ी को पीछे छोड़ दिया। जोगिंदर राठी को 130 किलोग्राम वर्ग में तुर्किए के पहलवान और मौजूदा यूरोपीय चैंपियन रिजा कायाल्प से करारी हार का सामना करना पड़ा।

तिलक वर्मा के फिनिशर की भूमिका से प्रभावित हुए सैंटनर

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा के फिनिशर के रूप में उभरने से प्रभावित न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि बायें हाथ के इस बल्लेबाज ने खुद को नई भूमिका में शानदार तरीके से ढाला है। तिलक ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में नाबाद 51 रन की पारी खेलकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। सैंटनर ने तिलक को मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल एक साथ खेलते हुए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते देखा है, लेकिन अब बाएं हाथ का यह बल्लेबाज मैच खत्म करने की जिम्मेदारी भी बखूबी निभा रहे हैं।

जीत में दिया अहम योगदान

भारत के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 21 रन देकर चार विकेट लेने वाले सैंटनर मुंबई इंडियंस की टीम में तिलक के अलावा भारत की जीत की नींव रखने वाले नमन धीर के साथ भी ड्रेसिंग रूम साझा कर चुके हैं। सैंटनर ने कहा, जब तिलक ने शुरुआत की थी, तब वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते थे। वह भूमिका थोड़ी अलग होती है। मध्यक्रम में आपकी भूमिका इस बात पर निर्भर करती है कि आप पारी के बीच के ओवरों और अंतिम ओवरों में किस तरह बल्लेबाजी करते हैं। मैं उन्हें मुंबई में पिछले कुछ वर्षों से खेलते देख रहा हूं। वह बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं।

नमन और नीतीश कुमार रेड्डी की भी तारीफ

उन्होंने तिलक के साथ बेहतरीन साझेदारी करने वाले नमन और नीतीश कुमार रेड्डी की भी तारीफ करते हुए कहा, नमन धीर के साथ भी ऐसा ही है। वह जिस तरह मैदान पर उतरते हैं और शुरुआत से ही बेखौफ होकर खेलते हैं, वह शानदार है। तिलक ने दूसरे मैच में थोड़ा समय लिया, लेकिन अंत में रेड्डी के साथ मिलकर लक्ष्य का पीछा बहुत अच्छी तरह संभाला। अगर आप फिनिशर की भूमिका निभाते हुए मैच खत्म करते हैं, तो आप अपना काम अच्छी तरह कर रहे हैं। इन तीनों बल्लेबाजों ने अंतिम चरण में शानदार प्रदर्शन किया।

न्यूजीलैंड ने कहां की गलती...

बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन के बावजूद सैंटनर को लगा कि न्यूजीलैंड ने मैदान पर कुछ अहम मौकों पर गलतियां करके मैच अपने हाथ से निकलने दिया। उन्होंने भारतीय पारी के अंतिम चरण में कैच छोड़ने और क्षेत्ररक्षण में चूक को हार का प्रमुख कारण बताया। उन्होंने कहा, अगर दोनों टीमों के कौशल की तुलना करें तो मुकाबला काफी करीबी रहा है। फैसला मैदान पर कुछ छोटे-छोटे पलों से हुआ। दूसरे टी20 में लक्ष्य का पीछा करते समय अंतिम चरण में हम अच्छी स्थिति में थे, लेकिन हमने कुछ कैच छोड़े और क्षेत्ररक्षण में गलतियां कीं। यही चीजें मैच जिताती या हराती हैं।न्यूजीलैंड के कप्तान ने कहा कि टीम इस हार की समीक्षा करेगी, लेकिन छूटे हुए मौकों पर जरूरत से ज्यादा ध्यान देने के बजाय सकारात्मक पहलुओं को भी देखेगी। सीरीज का अगला मुकाबला वेलिंगटन में खेला जाना है, जहां तेज हवाओं के कारण क्षेत्ररक्षण एक बार फिर चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

तीसरे टी-20 में नहीं खेलेंगे फर्ग्यूसन, हेनरी सीरीज से हुए बाहर

भारत के खिलाफ मौजूदा टी20 सीरीज खेल रही न्यूजीलैंड की टीम के तेज गेंदबाजी विकल्पों की आने वाले दिनों में कड़ी परीक्षा होने वाली है। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, खिलाड़ियों के वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत तेज गेंदबाजों को रोटेट किया जा रहा है। लॉकी फर्ग्यूसन मंगलवार को वेलिंगटन में होने वाले तीसरे टी20 मैच के लिए यात्रा नहीं करेंगे, बल्कि रविवार को ऑकलैंड चले जाएंगे ताकि वे शुक्रवार को ऑकलैंड और फिर हैमिलटन में होने वाले चौथे और पांचवें टी20 मैच के लिए उपलब्ध रह सकें। वहीं, मैट हेनरी क्राइस्टचर्च में ही रुकेंगे, जहां पहले दो टी20 मैच खेले गए थे। वह इस सीरीज के बाकी बचे तीनों टी20 मैचों से बाहर हो गए हैं। इसके बजाय, वह न्यूजीलैंड और भारत के बीच चार नवंबर को खेले जाने वाले पहले वनडे मैच से पहले ऑकलैंड के लिए रवाना होंगे। काइल जैमीसन, जो शुरुआती दोनों टी20 मैचों का हिस्सा नहीं थे, तीसरे मैच के लिए वेलिंगटन जाएंगे।

वाल्टर को वापसी की उम्मीद, बोले- हमने मौके गंवाए

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने रविवार को कहा कि भारत के खिलाफ पहले दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उनकी टीम ने कुछ मौके गंवाए लेकिन उन्हें उम्मीद है कि टीम बाकी बचे तीन मैच में वापसी करने में सफल रहेगी। न्यूजीलैंड की टीम ने पहले दो मैच में अधिकतर समय अपना पलड़ा भारी रखा लेकिन आखिर में उसे हार का सामना करना पड़ा।वाल्टर का मानना है कि उनकी टीम ने प्रत्येक मैच के लगभग 80 प्रतिशत हिस्से में अच्छा प्रदर्शन किया था। वाल्टर ने कहा, हम दोनों मैचों में आसानी से जीत हासिल कर सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हमने कुछ अच्छे मौके गंवाए जिससे परिणाम हमारे अनुकूल नहीं रहा। हार से थोड़ी निराशा है लेकिन हम अपने प्रदर्शन से बेहद खुश हैं। हम दोनों मैच का अंत अपने अनुकूल नहीं कर पाए जो निराशाजनक है लेकिन हमारे लिए दोनों मैच में कई सकारात्मक पहलू रहे।

वाल्टर ने स्वीकार किया कि उनकी टीम को महत्वपूर्ण क्षणों में अपने खेल में सुधार करने की जरूरत है। न्यूजीलैंड ने दूसरे मैच में कुछ कैच छोड़े जबकि एक बार नोबॉल होने के कारण बल्लेबाज को जीवनदान मिला। उन्होंने कहा, कोई भी जानबूझकर ऐसी गलतियां नहीं करता। अनजाने में ऐसा हो जाता है। इसकी कीमत चुकानी पड़ सकती है। दूसरे मैच की बात करें तो पावरप्ले में तीन विकेट गंवाने के बाद 180 रन तक पहुंचना आसान नहीं होता है। ईमानदारी से कहूं तो इस स्कोर का बचाव किया जा सकता था।



सैंटनर को सराहा

वाल्टर ने दूसरे मैच में कप्तान मिचेल सैंटनर के प्रदर्शन की भी प्रशंसा की जिन्होंने चार विकेट लेकर मैच का रुख अपने पक्ष में मोड़ दिया था। उन्होंने कहा, कभी-कभी उनके प्रदर्शन को सराहना नहीं मिलती है। यह कोई बहुत ज्यादा टर्न लेने वाली पिच नहीं थी। थोड़ी बहुत उछाल जरूर थी। लेकिन जिस तरह से उन्होंने गेंद को क्रीज पर घुमाया और अपनी गति का इस्तेमाल किया, वह वास्तव में काबिले तारीफ था।

धोनी खेलेंगे या लेंगे संन्यास, दिसंबर से पहले होगा फैसला

बंगलूरू, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी एमएस धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने भविष्य को लेकर अहम संकेत दिया है। धोनी ने कहा कि अगले सीजन में खेलने का फैसला लेने से पहले उन्हें अपनी फिटनेस का आकलन करना होगा। उन्होंने संकेत दिया कि इस संबंध में दिसंबर से पहले फैसला लिया जा सकता है।

बंगलूरू में एक हेल्थकेयर कार्यक्रम के दौरान धोनी से पूछा गया कि क्या वह आईपीएल का एक और सीजन खेलना चाहेंगे। इस पर उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि पहले उन्हें फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा और रिपोर्ट के आधार पर यह देखना होगा कि वह एक और सीजन खेलने के लिए कितने मजबूत हैं।धोनी ने अपने भविष्य पर बात करते हुए कहा 'डॉक्टर, मुझे टेस्ट से गुजरना होगा। आपको मुझे रिपोर्ट देनी होगी और फिर दिसंबर से पहले मुझे देखना होगा कि मैं एक और सीजन खेलने के लिए कितना मजबूत हूं।' उन्होंने आगे मजाकिया अंदाज में कहा कि अगर वह खेलने की स्थिति में नहीं हुए, तो डॉक्टरों को उनकी सेहत का पूरा ध्यान रखना होगा, ताकि यह पुरानी गाड़ी सड़क पर अच्छी तरह चलती रहे।

चोट के कारण नहीं खेले धोनी

एमएस धोनी आईपीएल 2026 में फिटनेस संबंधी समस्याओं, खासकर पिंडली की परेशानी के कारण पूरे सीजन से बाहर रहे। उनकी गैरमौजूदगी चेन्नई सुपर किंग्स के प्रशंसकों के लिए निराशाजनक रही। अब सभी की नजरें उनकी फिटनेस और अगले सीजन में संभावित वापसी पर हैं। हालांकि, धोनी ने अभी आईपीएल 2027 में खेलने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

पिछले सीजन रहे निराशाजनक

चेन्नई सुपर किंग्स ने धोनी की कप्तानी में आखिरी बार 2023 में आईपीएल खिताब जीता था। 2024 से ऋतुराज गायकवाड़ के नेतृत्व में खेल रही टीम को पिछले दो सीजन में अपेक्षित सफलता नहीं मिली। टीम 2025 में अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर रही, जबकि 2026 में आठवें स्थान पर रही। ऐसे में धोनी की संभावित वापसी को लेकर प्रशंसकों में उत्सुकता बनी हुई है। हालांकि, टीम में उनकी भूमिका और अगले सीजन में खेलने की संभावना उनकी फिटनेस तथा अंतिम निर्णय पर निर्भर करेगी।

धोनी बोले- RCB ने शानदार प्रदर्शन किया

एमएस धोनी ने कहा कि कागजों पर किसी टीम का मजबूत दिखना उतना मायने नहीं रखता, जितना मैदान पर सही दिन अच्छा प्रदर्शन करना। उनके मुताबिक, टी20 जैसे छोटे प्रारूप में शीर्ष टीमों के बीच अंतर बहुत कम होता है और एक मैच का प्रदर्शन नतीजा बदल सकता है।धोनी ने माना कि पिछले दो वर्षों में सीएसके का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा, जबकि आरसीबी ने लगातार बेहतर क्रिकेट खेली है। उन्होंने कहा कि आरसीबी की उपलब्धियों को स्वीकार करने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए। धोनी के अनुसार, खेल में अच्छे और बुरे दौर आते रहते हैं। असली परीक्षा तब होती है, जब टीम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाती। ऐसे समय में टीम को अपनी कमजोरियों को पहचानकर उन पर काम करना जरूरी होता है।

बंगलूरू के मैदान पर बल्लेबाजों को आता है मजा

एमएस धोनी ने बंगलूरू के क्रिकेट मैदान की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि यहां गेंद आसानी से बाउंड्री पार कर सकती है, जिससे बल्लेबाजों को बड़े शॉट खेलने का मौका मिलता है। उनके मुताबिक, कई बार बल्लेबाज का शॉट सही तरीके से नहीं लगने के बावजूद गेंद छक्के के लिए चली जाती है। हालांकि, यही मैदान गेंदबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण भी बन जाता है। ेधोनी ने कहा कि इस तरह के हाई-स्कोरिंग मुकाबले दर्शकों के लिए मनोरंजक होते हैं। बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का अवसर मिलता है, जबकि गेंदबाजों को दबाव में अपनी क्षमता साबित करनी पड़ती है।

धोनी ने कहा कि अगले सीजन में खेलने का फैसला लेने से पहले उन्हें अपनी फिटनेस का आकलन करना होगा



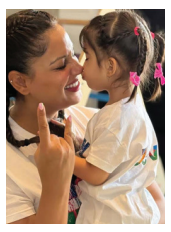


जिन्दगी के हर छोटे-बड़े पल किसी खास के साथ बांटना चाहते हैं करण जौहर

बॉलीवुड के मशहूर फिल्म निर्माता और निर्देशक करण जौहर अपनी पेशेवर सफलता के लिए तो हमेशा चर्चा में रहते ही हैं, लेकिन इस बार वह अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी एक भावुक और दिल छू लेने वाली बात को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म जगत में लंबे समय से सक्रिय करण जौहर ने स्वीकार किया है कि वह अपनी जिंदगी में एक ऐसे हमसफर की तलाश कर रहे हैं, जिसके साथ वह अपने रोजमर्रा के अनुभव, खुशियां और खास पल साझा कर सकें। उन्होंने यह खुलकर बातचीत अपने प्रसिद्ध चैट शो कॉफी विद करण के नौवें सीजन के एक विशेष एपिसोड में तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार विजय देवरकोंडा के साथ की। बातचीत के दौरान जब विजय देवरकोंडा ने अदाकारा रश्मिका मंदाना के साथ अपने मजबूत रिश्ते का जिक्र किया और कहा कि वह उनका हाथ हमेशा थामे रखना चाहते हैं क्योंकि उनके साथ रश्मिका सुरक्षित महसूस करती हैं, तब बातचीत का रुख करण की निजी जिंदगी की ओर मुड़ गया। विजय ने जब करण से उनकी जिंदगी की अधूरी इच्छाओं के बारे में पूछा, तो फिल्मकार थोड़े भावुक हो गए। करण ने बेहद ईमानदारी से अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि भले ही तकनीकी या कानूनी कारणों से शादी करना उनके लिए शायद संभव न हो, लेकिन वह एक सच्चे और समर्पित रिश्ते की गर्माहट को अपनी जिंदगी में महसूस करना चाहते हैं। करण जौहर, जो कि सेरोगेसी के जरिए जुड़वां बच्चों यश और रूही के सिंगल फादर हैं, ने बताया कि वह चाहते हैं कि उनका आने वाला पार्टनर न केवल उनकी खुशियों में शरीक हो, बल्कि उनके बच्चों के लालन-पालन में भी बराबर का योगदान दे। उन्होंने कहा कि उनके लिए किसी रिश्ते का असली अर्थ केवल खास अवसरों को मनाना नहीं, बल्कि हर दिन की छोटी-छोटी बातों को एक-दूसरे से बांटना और एक-दूसरे का संबल बनना है। वह अपनी जिंदगी में एक ऐसा इंसान चाहते हैं जिसे वह गर्व से अपना कह सकें और जिससे उन्हें सच्चा सम्मान और प्यार मिले। करण की इस दिल से निकली बात को सुनकर विजय देवरकोंडा भी काफी प्रभावित नजर आए। माहौल को थोड़ा हल्का और सकारात्मक बनाते हुए विजय ने मजाकिया लेकिन आत्मीय अंदाज में सभी देवी-देवताओं और शो के मंच से करण की इस इच्छा के पूरे होने की दुआ मांगी। विजय की इस प्रार्थना पर करण जौहर भावुक दिखे और उन्होंने माना कि यह दुआ वाकई दिल की गहराइयों से निकली थी। इस पूरी बातचीत ने यह साफ कर दिया कि अपार सफलता और शोहरत के बावजूद हर इंसान को अपनी जिंदगी में सच्चे साथ और आत्मीयता की जरूरत होती है।

बिपाशा के लिए खास कार्ड बनाया बेटी ने

अभिनेत्री बिपाशा बसु इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज बाराबंकी की शूटिंग में व्यस्त चल रही हैं। इस बीच, उनके पति और अभिनेता करण सिंह ग्रोवर ने अपनी बेटी देवी का अपनी मां के प्रति प्यार दिखाते हुए एक मार्मिक पोस्ट साझा की। दरअसल, बिपाशा बसु की गैर-मौजूदगी में उनकी बेटी देवी ने अभिनेत्री के लिए एक खास कार्ड बनाया है। इस कार्ड को करण सिंह ग्रोवर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया, जिसमें देवी ने लिखा, आई लव यू मम्मा। कार्ड में बेटी ने आगे अपनी मां को सोलमेट बताते हुए हमेशा उनके साथ रहने की बात लिखी है। करण सिंह ग्रोवर ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, जब हम सुबह उठते हैं और तुम यहां नहीं होती, तब भी तुम हमें मुस्कुराने की वजह देती हो और खुशियों से भर देती हो। हम तुमसे बहुत प्यार करते हैं, बिपाशा बसु।





प्राजक्ता कोली ने शेयर किया अपनी सफलता और आत्मविश्वास का राज

डिजिटल क्रिएटर से लेकर बॉलीवुड तक अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया

इंटरनेट और सोशल मीडिया की दुनिया में मोस्टली सेने के नाम से अपनी खास पहचान बनाने के बाद बॉलीवुड फिल्मों में अपनी अदाकारी का लोहा मनवाने वाली प्राजक्ता कोली आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। हाल ही में उन्होंने नेहा धूपिया और अंगद बेदी के लोकप्रिय टॉक शो डबल डेट में शिरकत की, जहां उन्होंने डिजिटल कंटेंट निर्माण से लेकर मुख्यधारा की फिल्मों तक के अपने शानदार सफर के बारे में विस्तार से बातचीत की। प्राजक्ता ने बताया कि कैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उनके करोड़ों दर्शकों के प्यार ने उन्हें अभिनय की बड़ी दुनिया में आत्मविश्वास के साथ कदम रखने की ताकत दी। बातचीत के दौरान प्राजक्ता ने बेहद विनम्रता के साथ कहा कि जब वह किसी बड़ी फिल्म के सेट पर दिग्गज और स्थापित कलाकारों के साथ काम करने जाती हैं, तो उनके मन में यह डर नहीं रहता कि सह-कलाकार उन्हें स्वीकार करेंगे या नहीं। इसके बजाय, उनका पूरा ध्यान इस बात पर केंद्रित रहता है कि जो दर्शक अपना कीमती समय और पैसा खर्च करके सिनेमाघरों में फिल्म का टिकट खरीदते हैं, वे उनके अभिनय से संतुष्ट हों। उन्होंने माना कि सोशल मीडिया की उनकी मजबूत कम्युनिटी उनके लिए एक सुरक्षा कवच और आत्मविश्वास का सबसे बड़ा जरिया बनी है। अपनी डेब्यू ब्लॉकबस्टर फिल्म जुगजुग जिओ की शूटिंग के दिनों को याद करते हुए प्राजक्ता ने साझा किया कि वह उनके करियर का एक बहुत बड़ा मोड़ था। उस फिल्म में अनिल कपूर, नीतू कपूर, वरुण धवन, कियारा आडवाणी और करण जौहर जैसे हिंदी सिनेमा के बड़े नाम शामिल थे। इतने बड़े सितारों के बीच काम करने के बावजूद प्राजक्ता ने अपना संयम बनाए रखा। उन्होंने कहा कि सेट पर मौजूद हर वरिष्ठ और साथी कलाकार ने उनके साथ बेहद गर्मजोशी और सम्मानजनक व्यवहार किया, जिससे उन्हें अपनी भूमिका को निखारने में काफी मदद मिली। प्राजक्ता का मानना है कि एक कंटेंट क्रिएटर के तौर पर सालों तक दर्शकों से सीधे जुड़े रहने की वजह से वह आम लोगों की पसंद और उम्मीदों को बेहतर ढंग से समझ पाई हैं। यही वजह है कि जब वह कैमरे के सामने आती हैं, तो उनका उद्देश्य केवल अपने किरदार में जान फूंकना होता है ताकि उनका अनुसरण करने वाले प्रशंसक उन पर गर्व कर सकें। प्राजक्ता कोली की यह कहानी आज के युवाओं और नए डिजिटल क्रिएटर्स के लिए एक प्रेरणा है कि मेहनत और ईमानदारी के दम पर किसी भी मंच से बॉलीवुड की बुलंदियों तक पहुंचा जा सकता है।



आउटसाइडर को मौका मिलना बड़ी बात

छोटे पर्दे पर अपनी पहचान बनाने के बाद अब एक्ट्रेस ईशा मालवीय बड़े पर्दे पर अपनी नई पारी शुरू करने जा रही हैं। फिल्म 'तुम मेरे हो' से बॉलीवुड में डेब्यू करने को लेकर ईशा काफी एसाइटेड हैं। हालांकि, पहली फिल्म को लेकर उनके मन में घबराहट भी है लेकिन वह इस मौके को लेकर ज्यादा खुश हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि एक आउटसाइडर होने के बावजूद उन्हें बड़े पर्दे पर काम करने का मौका मिला है, जो उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। ईशा मालवीय ने बातचीत में अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''पहली फिल्म होने की वजह से मैं नर्वस हूं और मुझे डर भी लग रहा है लेकिन मेरी खुशी नर्वस होने से कहीं ज्यादा है। एक आउटसाइडर के तौर पर बड़े पर्दे तक पहुंचना मेरे लिए बड़ी बात है। मैं इस मौके को लेकर काफी एसाइटेड हूं और अपनी फिल्म को दर्शकों के सामने लाने का इंतजार कर रही हूं।'' ईशा मालवीय ने कहा, ''मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं। मुझे लगता है कि अब तक मैंने जो मेहनत की है, जिंदगी में जिन मुश्किलों का सामना किया है और मुझे यहां तक पहुंचाने के लिए मेरे माता-पिता ने जो परेशानियां झेली हैं, उन सबका नतीजा अब सामने आ रहा है। मैं फिल्म 'तुम मेरे हो' से बॉलीवुड में डेयू करने जा रही हूं। इसके लिए मैं बहुत खुश हूं।'' ईशा ने कहा, ''मेरे लिए अभी भी इस बात पर यकीन करना आसान नहीं है कि मैं सच में बॉलीवुड फिल्म का हिस्सा बन गई हूं। मुझे कई बार ऐसा लगता है, जैसे मैं कोई सपना देख रही हूं। हालांकि, जब मैं फिल्म से जुड़े लोगों को अपने साथ देखती हूं, तो मुझे इस बात का एहसास होता है कि मेरा सपना अब हकीकत बन रहा है। यह मेरे लिए अनुभव काफी खास है और मैं इस नए सफर को लेकर उत्साहित हूं।'' अपनी फिल्म 'तुम मेरे हो' को लेकर ईशा ने कहा, 'मुझे उमीद है कि यह उन दर्शकों को पसंद आएगी, जो पर्दे पर एक सिंपल लव स्टोरी देखना चाहते हैं। हम दर्शक के तौर पर असर शिकायत करते हैं कि अच्छी फिल्में नहीं आ रही हैं। फिल्मों में बहुत हिंसा और खून-खराबा है। रोमांस कहां है? एक सिंपल लव स्टोरी कहां है? इसलिए हम आपके लिए 'तुम मेरे हो' लेकर आए हैं।' फिल्म 'तुम मेरे हो' में ईशा मालवीय के साथ एक्टर गुरमीत चौधरी भी नजर आएंगे।

अब सनी देओल और श्रद्धा कपूर से भिड़ेंगे सलमान!



सलमान खान के फैन्स के लिए गुड न्यूज है. लंबे वक्त से उनकी फिल्म 'मातृभूमि' अटकी हुई थी. पहले 'बैटल ऑफ गलवान' से टाइटल ही बदल दिया गया, जिसके बाद फिल्म में काफी बदलाव किए गए हैं. लेकिन कुछ वक्त पहले ही फिल्म को क्लीयरेंस मिल गई थी. तमाम अड़चनों को पार करने के बाद कुछ समय पहले ही इस फिल्म का सेंसर बोर्ड और सरकार की ओर से रास्ता साफ हो गया है. रिलीज डेट को लेकर भी दो डेट्स पर चर्चा चल रही. एक है नवंबर 20 और दूसरे डेट है- 4 दिसंबर. मुश्किल सफर के बाद सलमान खान की 'मातृभूमि' 2026 के आखिर में रिलीज होने की रेस में वापस आ गई है. एक रिपोर्ट से पता लगा कि फिल्म को 20 नवंबर या 4 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज करने की हश्चलानिंग है. अगर यह 20 नवंबर को रिलीज होती है, तो इसका मुकाबला सनी देओल की 'सूर्या' से होगा. वहीं, अगर यह 4 दिसंबर को आती है, तो इसका सामना श्रद्धा कपूर की 'ईठा' से होगा. हालांकि, फिलहाल रिलीज डेट की प्लानिंग चल रही है, मेकर्स ने कोई ऑफिशियल ऐलान डेट को लेकर नहीं किया है.



प्रभास की 'सालार 2' पर बड़ा अपडेट, अगले साल जून में शुरू हो सकती है शूटिंग

साउथ सुपरस्टार प्रभास की फिल्म 'सालार-पार्ट 1- सीजफायर' ने साल 2023 में सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी इस एक्शन फिल्म को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिला और इसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। फिल्म की कहानी खानसार की काल्पनिक दुनिया में दिखाई गई थी, जिसने अपने बड़े पैमाने और दमदार एक्शन से दर्शकों के बीच अलग पहचान बनाई। अब इसके सीक्वल 'सालार-पार्ट 2- शौर्यांग पर्व' को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है, जिसने फैंस की उत्सुकता बढ़ा दी है।

प्रभास के जन्मदिन के मौके पर निर्देशक प्रशांत नील ने उनसे मुलाकात की। इस खास मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया, जिसमें दोनों एक-दूसरे को गले लगाते और हंसी-मजाक करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में प्रभास अपने अंदाज में प्रशांत नील से जन्मदिन के तोहफे के बारे में पूछते हैं। इस पर निर्देशक मुस्कुराते हुए कहते हैं कि 'सालार 2' खुद ही उनके लिए एक गिफ्ट है। इस बातचीत ने फिल्म के सीक्वल को लेकर चर्चा तेज कर दी है।

अगले साल जून में शुरू होगी 'सालार 2' की शूटिंग

सामने आई जानकारी के मुताबिक, 'सालार-पार्ट 2- शौर्यांग पर्व' की शूटिंग अगले साल जून में शुरू होने की योजना है। इस खबर के बाद फिल्म का इंतजार कर रहे दर्शकों के बीच उत्साह बढ़ गया है। हालांकि, फिल्म की शूटिंग से जुड़ी इस जानकारी को लेकर आधिकारिक पुष्टि और आगे के अपडेट पर नजर बनी हुई है।

'हाउसफुल 4' के सात साल पूरे, कृति खरबंदा ने याद किया अपना शाही अंदाज

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति खरबंदा ने अपनी फिल्म 'हाउसफुल 4' के सात साल पूरे होने पर इससे जुड़ी यादें ताजा की हैं और फिल्म का हिस्सा बनने के लिए आभार जताया है वर्ष 2019 में रिलीज हुई कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 4' की सालगिरह पर कृति ने सोशल मीडिया पर एआई से तैयार एक वीडियो साझा किया, जिसमें फिल्म से उनका शाही लुक नजर आ रहा है। अभिनेत्री ने इसके साथ भावुक संदेश साझा करते हुए लिखा, 卐फिल्म, इस अनुभव, पूरी टीम और बेशक हमारे दर्शकों के लिए आभारी हूं!卐 फिल्म में कृति खरबंदा दोहरी भूमिका में नजर आई थीं। उनके पारंपरिक परिधानों, खूबसूरत आभूषणों और राजसी अंदाज ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया था। फिल्म में अलग-अलग समयावधियों में उनके किरदारों के लुक और व्यक्तित्व में अंतर भी देखने को मिला था। कृति की इस पोस्ट ने फिल्म से जुड़ी पुरानी यादों को ताजा कर दिया है। अभिनेत्री ने अपने संदेश के जरिए फिल्म की पूरी टीम और दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग और प्यार ने इस अनुभव को उनके लिए यादगार बनाया।



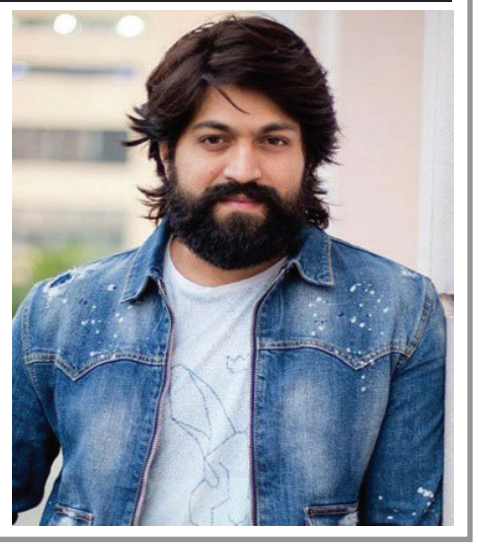


कन्नड़ सुपरस्टार यश ने भी की साई पल्लवी की तारीफ

अपकमिंग फिल्म रामायण में माता सीता का किरदार निभा रहीं दक्षिण भारतीय अभिनेत्री साई पल्लवी की बीते दिनों अभिनेता रणबीर कपूर ने जमकर तारीफ की थी। अभिनेता रणबीर के बाद फिल्म में रावण की भूमिका निभा रहे कन्नड़ सुपरस्टार यश ने भी साई पल्लवी की तारीफ में कसीदे पढ़े हैं। उन्होंने दर्शकों से साई पल्लवी को प्यार और आशीर्वाद देने की भी अपील की है, जिससे यह साफ होता है कि टीम को उनके अभिनय पर कितना भरोसा है। शुरुआत में, साई पल्लवी को सीता के रोल में कास्ट किए जाने पर लोगों ने काफी सवाल उठाए थे, लेकिन फिल्म के कलाकारों द्वारा मिल रही सराहना ने उन सभी संदेहों को दूर कर दिया है। हाल ही में नितेश तिवारी की फिल्म रामायण का इंटरनेशनल ट्रेलर लॉन्च किया गया था, जिसमें कई नए और दिलचस्प सीन देखने को मिले। इस लॉन्च इवेंट के दौरान यश ने साई पल्लवी को लेकर खुलकर बात की।

उन्होंने बताया कि साई पल्लवी बेहद धार्मिक स्वभाव की हैं और उन्हें जब भी वक्त मिलता है, वह मां सीता को याद करने लगती हैं। यश ने इस बात पर जोर दिया कि साई पल्लवी भगवान में बहुत ज्यादा विश्वास रखती हैं और ईश्वर के प्रति उनके मन में खास श्रद्धा है। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि साई को सीता का रोल निभाने का मौका मिला। उनमें इस रोल के लिए टैलेंट भी है और उनका दिल भी बहुत अच्छा है। उन्होंने दर्शकों से अपील की कि वे साई पल्लवी को इस रोल में अपना प्यार दें और उन्हें अपना आशीर्वाद दें। यह पहली बार नहीं है कि किसी ने साई पल्लवी की इतनी तारीफ की हो। इससे पहले फिल्म में भगवान राम का रोल निभाने वाले रणबीर कपूर ने भी लॉस एंजिल्स में हुए एक इवेंट के दौरान उनकी जमकर प्रशंसा की थी।

रणबीर ने कहा था कि साई पल्लवी एक बेहतरीन स्टार हैं। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने पहली बार साई पल्लवी को माता सीता के गेटअप में देखा, तो वह हैरानी से नितेश तिवारी की ओर देखने लगे थे और सोचने लगे थे कि इनसे बेहतर इस किरदार के लिए कोई नहीं हो सकता था। रामायण एक विशाल परियोजना है जिसमें रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता और यश रावण के सशक्त किरदारों में दिखाई देंगे। इसके अलावा, फिल्म में सनी देओल हनुमान, रवि दुबे लक्ष्मण, कुणाल कपूर इंद्र, रकुल प्रीत सिंह शूर्पणखा, लारा दत्ता कैकेयी और दिग्गज अभिनेता अरुण गोविल राजा दशरथ के रोल में नजर आएंगे। नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायण जल्द ही बडे पर्दे पर रीलिज होने वाली है।





कील-मुंहासों से हैं परेशान, आजमाएं आयुर्वेदिक उपचार

कील-मुंहासे प्रत्येक किशोर या किशोरी को अनिवार्य रूप से होते ही हैं, ऐसा नहीं है। जिनको होते हैं, वे मानसिक रूप से दुःखी-पीड़ित होते हैं और समझ नहीं पाते कि ये कील-मुंहासे क्यों निकल रहे हैं और इनको कैसे ठीक किया जा सकता है।

कील-मुंहासों को आयुर्वेदिक भाषा में 'युवान-पीड़िका' और ऐलोपैथिक भाषा में 'एक्ने' और 'पिम्पल' कहते हैं। किशोर अवस्था की समाप्ति और युवावस्था के प्रारम्भ में चेहरे पर फुंसी के रूप में मुंहासे निकलते हैं और ये पीड़ा पहुंचाते हैं, इसलिए इन्हें 'युवान पीड़िका' कहा गया। शरीर में किसी भी कारण अतिरिक्त रूप से बढ़ी हुई उष्णता मुंहासे पैदा करने में कारण मानी जाती है, इसलिए मुंहासे होने की सम्भावना उनको ज्यादा होती है, जिनके शरीर की तासीर (प्रकृति) गर्म हो। ऐसे बच्चे अगर आहार-विहार भी उष्णता बढ़ाने वाला करते हैं तो उनके शरीर में उष्णता बढ़ती है और कील-मुंहासे निकलने लगते हैं।

कील-मुंहासों के निकलने का समय 13-14 वर्ष की आयु से लेकर 20-22 वर्ष की आयु के मध्य का होता है। इस आयु में उष्णता बढ़ाने वाला आहार-विहार नहीं करना चाहिए। ऐलोपैथिक चिकित्सा विज्ञान के अनुसार मुंहासों का कारण होता है वसा ग्रन्थियों (सिबेसियस ग्लैंड्स) से निकलने वाले स्राव का रुक जाना। यह स्राव त्वचा को स्निग्ध रखने के लिए रोम छिद्रों से निकलता रहता है। यदि यह रुक जाए तो फुंसी के रूप में त्वचा के नीचे इकट्ठा हो जाता है और कठोर हो जाने पर मुंहासा बन जाता है। इसे 'एक्ने वल्गेरिस' कहते हैं। इसमें पस पड़ जाए तो इसे कील यानी पिम्पल कहते हैं। पस निकल जाने पर ही यह ठीक होते हैं। साधारण स्थिति में ये निकलते और ठीक होते रहते हैं पर असाधारण और गम्भीर स्थिति में बहुत दिनों तक बने रहते हैं। चेहरे की त्वचा को कुरूप कर देते हैं। शरीर में एण्ड्रोजन नामक पुरुष हार्मोन की मात्रा सामान्य से ज्यादा हो जाने का भी सम्बन्ध इस व्याधि से होता है। आनुवंशिक प्रभाव भी इसमें कारण होता है।

कारण : तेज मसालेदार, तले हुए, उष्ण प्रकृति वाले पदार्थों का अधिक सेवन करने, रात को देर तक जागने, सुबह देर तक सोए रहने, देर से शौच व स्नान करने, शाम को शौच न जाने, निरंतर कब्ज बनी रहने, कामुक विचार करने, ईर्षा व क्रोध करने, स्वभाव में गर्मी व चिड़चिड़ापन रखने आदि कारणों से शरीर में ऊष्णता बढ़ती है और तैलीय वसा के स्राव में रुकावट पैदा होती है, जिससे कील-मुंहासे निकलने लगते हैं।

सावधानी : हलका, सुपाच्य और सादा आहार पथ्य है, अधिक शाक-सब्जी का सेवन करना, अधिक पानी पीना, शीतल व तरावट वाले पदार्थों का सेवन करना पथ्य है। तेज मिर्च-मसालेदार, तले हुए, मांसाहारी पदार्थों तथा मादक द्रव्यों का सेवन करना अपथ्य है।

आयुर्वेदिक उपचार

* गाय के ताजे दूध में एक चम्मच चिरौंजी पीसकर इसका लेप चेहरे पर लगाकर मसलें। सूख जाने पर पानी से धो डालें।

* सोहागा 3 ग्राम, चमेली का शुद्ध तेल 1 चम्मच। दोनों को मिलाकर रात को सोते समय चेहरे पर लगाकर मसलें। सुबह बेसन को पानी से गीला कर गाढ़ा-गाढ़ा चेहरे पर लगाकर मसलें और पानी से चेहरा धो डालें।

मसूर की दाल 2 चम्मच लेकर बारीक पीस लें। इसमें थोड़ा सा दूध और घी मिलाकर फेंट लें और पतला-पतला लेप बना लें। इस लेप को मुंहासों पर लगाएं।

* शुद्ध टंकण और शक्ति पिष्टी 10-10 ग्राम मिलाकर एक शीशी में भर लें। थोड़ा सा यह पावडर और शहद अच्छी तरह मिलाकर कील-मुंहासों पर लगाएं।

लोध्र, वचा और धनिया, तीनों 50-50 ग्राम खूब बारीक पीसकर शीशी में भर लें। एक चम्मच चूर्ण थोड़े से दूध में मिलाकर लेप बना लें और कील-मुंहासों पर लगाएं। आधा घण्टे बाद पानी से धो डालें।

* सफेद सरसों, लोध्र, वचा और सेन्धा नमक 25-25 ग्राम बारीक चूर्ण करके मिला लें और शीशी में भर लें। एक चम्मच चूर्ण पानी में मिलाकर लेप बना लें और कील-मुंहासों पर लगाएं।

कूठ, प्रियंगु फूल, मजीठ, मसूर, वट वृक्ष की कोंपलें (नरम छोटी पत्तियां), लोध्र, लाल चन्दन, सब 10-10 ग्राम बारीक चूर्ण करके मिला लें। एक चम्मच चूर्ण पानी के साथ पीसकर लेप बना लें। इसे कील-मुंहासों पर लगाएं।

* साफ पत्थर पर पानी डालकर जायफल घिसकर लेप को कील-मुंहासों पर लगाएं। * वरुण (वरना) की छाल 25 ग्राम लेकर एक गिलास पानी में इतनी देर तक उबालें कि पानी आधा गिलास बचे। लाल चन्दन, काली मिर्च और जायफल, तीनों का पिसा हुआ बारीक चूर्ण 10-10 ग्राम लेकर मिला लें और शीशी में भर लें। कुनकुने गर्म पानी से कील-मुंहासों को धोकर, इस चूर्ण को पानी के साथ मिलाकर गाढ़ा लेप बना लें और कील-मुंहासों पर लगाएं। लेप सूख जाए तब कुनकुने गर्म पानी से धो डालें।



दुल्हन ऐसे करें गहनों का चयन

शादी का मौसम और तैयारियां जोरों पर है। शादी की तैयारी और खरीदारी उतनी आसान भी नहीं होती। कई तरह के सवाल होते हैं, कि क्या जंचेगा क्या नहीं। यह लेना चाहिए या वह। कद-काठी और रंग के अनुसार खरीदारी हो, तो यह सबसे बेहतर होता है। फिलहाल जानिए दुल्हनों के लिए गहनों का चयन करने के लिए कुछ आसान टिप्स -

1 गहने खरीदने का पहला सरल तरीका यह है, कि आप जो पहनने वाली हैं, उसके अनुसार गहनों का चयन कीजिए और कुछ हल्के-फुल्के गहने अतिरिक्त लेकर रखें जो कई जगह आपके काम आ सकते हैं।

2 दूसरी बात, आपको कुंदन, मोती, स्टोन या मेटल जिस प्रकार के गहने पहनने में रुचि है, वह पहले ही तय कर लें और उसके अनुसार ही गहनों की खरीदारी करें। इससे आप भ्रमित नहीं होंगे और आखिरकार वही लेकर आएंगे जो आपने सोचा था।

3 अगर आपकी लंबाई कम है तो इस तरह के हार और कान के बालों का चयन करें जो लंबे हों। हार के मामले में या तो लंबाई अधि?क हो या फिर हार फिलकुल गले से सटा हुआ होना चाहिए। आजकल दोनों साथ में पहनने का भी फैशन है।

4 हार अगर लंबा ले रही हैं, तो लंबाई सीने से जरा नीचे ही रखें। इसके अलावा कोई व्ही शेप नेकलेस भी आपकी लंबाई को बढ़ाएगा।

5 अगर हाथ में ब्रेसलेट पहनने वाली हैं, तो ध्यान रखें कि आप पर पतले ब्रेसलेट ज्यादा अच्छे लगेंगे, बजाए चौड़ाई वाले ब्रेसलेट के। चूड़ि?यों के मामले में भी ऐसे ही चयन करें।

6 अगर आपकी लंबाई अधि?क है, तो आप किसी भी तरह के हार का चयन कर सकती हैं। कान के बाले भी आप पर दोनों तरह के जंचेंगे। इसके अलावा हाथों में चूड़ी या ब्रेसलेट, आप जो भी पहनें हाथ भरकर पहनें।

7 अगर आपकी लंबाई बहुत ज्यादा या बहुत कम नहीं है, तो आप सामान्य लंबाई वाले हैं। आप पर किसी भी आकार और लंबाई के गहने सूट करेंगे। आप बेफिक्र होकर अपनी पसंद के गहने पहन सकती हैं।



त्वचा को बेदाग बनाएं, यह 10 उपाय

साफ-सुथरी, बेदाग और निखरी त्वचा ही असली खूबसूरती को बयां करती हैं। ऐसी खूबसूरती पाना कौन नहीं चाहता, लेकिन जब कई तरह के जतन करने के बाद त्वचा के दाग धब्बे नहीं जाते तब, सारी मेहनत पर पानी फिर जाता है। यदि आपके साथ भी यही समस्या है, तो अब फिक्र छोड़ दीजिए। क्योंकि हम बता रहे हैं त्वचा के दाग धब्बों से निजात पाने के 10 आसान उपाय - 1 उपचार से पहले एक बात हमेशा ध्यान रखें कि सावधानी और सुरक्षा रखकर आप दाग-धब्बों को उभरने से रोक सकते हैं। इसके लिए सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करें। इससे न केवल दाग-धब्बे कम तो होंगे ही, इने होने की संभावना भी कम हो जाएगी।

2 त्वचा की सफाई पर विशेष ध्यान दें। हल्की पाउडर में थोड़ा-सा कच्चा दूध मिलाकर लगाने से त्वचा के दाग धब्बे कम होते हैं। प्रतिदिन इसका इस्तेमाल करने से चेहरे पर चमक भी आती है।

3 त्वचा पर जहां भी दाग-धब्बे हों, वहां पर थोड़ा सा बेकिंग सोडा और शहद मिलाकर लगाएं। कुछ समय रखकर इसे ठंडे पानी से धो लें। इससे दाग धब्बे धीरे-धीरे कम होते जाएंगे।

4 जायफल, त्वचा के दाग धब्बे हटाने और रंग निखारने के लिए एक बेहतरीन उपाय है। इसे दूध में घिसकर त्वचा पर लगाने से दाग-धब्बे कम हो जाएंगे और त्वचा का रंग भी साफ होगा।

5 कोको बटर का उपयोग भी चेहरे को बेदाग करने के लिए किया जा सकता है। रोजाना कोको बटर से त्वचा की मसाज करने से दाग-धब्बे तो दूर होंगे ही, स्ट्रेच मार्क्स और अन्य समस्याएं भी ठीक हो जाएंगी।

6 त्वचा के लिए जैतून का तेल भी प्रभावी उपाय है। प्रतिदिन चेहरे पर जैतून के तेल से मसाज कर, 10 मिनट के बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। इससे आपकी त्वचा बेदाग तो होगी ही, साथ ही मुलायम और चमकदार भी हो जाएगी।

7 कच्चे दूध का प्रयोग भी आपके चेहरे को बेदाग करने में मदद करता है। प्रतिदिन चेहरे पर कच्चे दूध से मसाज करें या फिर बेसन में कच्चा दूध मिलाकर इस फेस पैक को चेहरे पर लगाएं और कुछ समय बाद गुनगुने पानी से धो लें।

8 अगर आपकी त्वचा रूखी न हो तो आप टमाटर और नींबू के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं। आलू का रस भी चेहरे को बेदाग रखने का एक अच्छा उपाय है। इससे त्वचा के दाग धब्बे तो मिटते ही हैं, रंग भी साफ होता है।

9 दाग धब्बों को त्वचा पर ठहरने न देना भी इसका एक उपाय है। इसके लिए आपको नियमित तौर पर त्वचा की सफाई पर ध्यान देना होगा। साथ ही डेली स्क्रब का इस्तेमाल कर आप मृत त्वचा को भी त्वचा पर जमने से रोक सकते हैं।

10 नीम, पुदीना और तुलसी का रस लगाने से भी त्वचा बेदाग होती है। नियमित इस प्रयोग को करने से त्वचा के दाग-धब्बे मिट जाते हैं, और त्वचा कांतिमय नजर आती है। साथ ही आप ताजगी भी महसूस करते हैं।

ठंड में क्यों फटती है एड़ियां, जानिए सरल इलाज

जैसे-जैसे सर्दी का मौसम अपने शबाब पर पहुंचता है, पैरों की खूबसूरती को बनाए रखना मुश्किल होता जाता है। पैरों की चमड़ी का सख्त हो जाना और एड़ियों का फटना जैसी समस्याएं इस मौसम में आम तौर पर उभरकर सामने आती हैं। इससे बचने के लिए कुछ बातों का ख्याल रखना आवश्यक है। जानिए कुछ महत्वपूर्ण बातें-

क्या है एड़ियां फटने की मुख्य वजह एड़ियां फटने की मुख्य वजह शरीर में कैल्शियम और चिकनाई की कमी होती है। एड़ी व तलवों की त्वचा मोटी होती है, इसलिए शरीर के अंदर बनने वाला सीबम यानी कुदरती तेल पैर के तलवों की बाहरी सतह तक नहीं पहुंच पाता। फिर पौष्टिक तत्व व चिकनाई न मिल पानेकी वजह से ही एड़ियां खुरदरी-सी हो जाती हैं और इनमें दरार पड़ने लगती है। एड़िया ज्यादा फटने से दर्द और जलन तो होती ही है, कभी-कभी खून भी निकल आता है।

<u>ठंड में फटी एड़ियों से छुटकारा पाने के नुस्खे</u>

* डेढ़ चम्मच वैसलीन में एक छोटा चम्मच बोरिक पावडर डालकर अच्छी तरह मिला लें और इसे फटी एड़ियों पर अच्छी तरह से लगा लें, कुछ ही दिनों में फटी एड़ियां फिर से भरने लगेंगी। * अगर एड़ियां ज्यादा फटी हुई हों तो मैथिलेटिड स्पिरिट में रुई के फाहे को भिगोकर फटी एड़ियों पर रखें। ऐसा दिन में तीन-चार बार करें, इससे एड़ियां ठीक होने लगेंगी। * गुनगुने पानी में थोड़ा शैंपू, एक चम्मच सोड़ा और कुछ बूंदें डेटॉल की डालकर मिला लें। इस पानी में पैरों को 10 मिनट तक भिगोकर रखें। त्वचा फूलने पर मैथिलेटिड स्पिरिट लगाकर एड़ियों को प्यूमिक स्टोन या झांवे से रगड़कर साफ कर लें। इससे एड़ियों कीमृत त्वचा साफ हो जाएगी। फिर साफ तौलिए से पोंछकर गुनगुने जैतून या नारियल के तेल से मालिश करें। * पैरों को साफ व खूबसूरत बनाए रखने के लिए पैडिक्योर को अवश्य चुनें। यह पैरों के नाखून, एड़ी व तलवों की सफाई का शानदार तरीका है। * पैडीक्योर एक आसान विधि है, इसे आप खुद घर पर भी कर सकती हैं अगर आपके पैरों की दशा ज्यादा खराब है तो पैडीक्योर किसी ब्यूटी स्पेशलिस्ट से ही करवाना मुनासिब है।